RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2020-22 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 13 » अंक : 1

» नवंबर 2022 » मूल्य : 40 रु.

हरियाली के रास्ते

13वाँ

स्थापना वर्ष

अ.भा.सहकारी सप्ताह की हार्दिक शुभकामनाएँ

पं. प्रदीप मिश्राजी को विद्वत एवं ज्योतिष परिषद द्वारा सारस्वत सम्मान

यह सम्मान सनातन धर्म एवं संस्कृति का सम्मान है : पं. मिश्रा

इंदौर। सुप्रसिद्ध शिव पुराण कथा प्रवक्ता श्री प्रदीप मिश्राजी (सीहोर वाले) का मध्यप्रदेश ज्योतिष एवं विद्वत परिषद तथा विश्व ब्राह्मण संगठन द्वारा धर्म एवं अध्यात्म के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय सेवा कार्यों हेतु 'सारस्वत सम्मान' से अलंकृत किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में आचार्य पंडित नंदकिशोर शर्मा (भारद्वाज ज्योतिष एवं आध्यात्मिक शोध संस्थान) एवं श्री बृजेश व्यास ने वैदिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया। श्री योगेन्द्र महंत, आचार्य पंडित रामचंद्र शर्मा वैदिक, महामंडलेश्वर श्री राधे राधे बाबा एवं श्री संतोष भार्गव (मां भुवनेश्वरी ज्योतिष, वास्तु कर्मकांड शोध संस्थान) सहित संत-विद्वानों ने विद्वत परिषद की ओर से श्री प्रदीप मिश्राजी को शॉल, श्रीफल, उत्तरीय एवं सारस्वत सम्मान पत्र भेंट कर अलंकृत किया। श्री मिश्रा ने अपने सम्मान के प्रत्युत्तर में कहा कि अहिल्या नगरी विद्वानों की नगरी है। यहां सदैव से ही विद्वानों का सम्मान होता आया है। विद्वानों के सम्मान की परंपरा से ही इंदौर की पहचान है। मैं सारस्वत सम्मान पाकर अभिभूत हूँ। यह सम्मान मेरा नहीं अपितु सनातन धर्म व संस्कृति का सम्मान है। कार्यक्रम का संचालन श्री आचार्य शर्मा वैदिक ने किया एवं आभार सोमेंद्र शर्मा ने माना।

पुजारी अशोक भट्ट का सम्मान

इंदौर। खजराना गणेश मंदिर के पुजारी अशोक भट्ट का सम्मान किया गया। मध्यप्रदेश ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद के अध्यक्ष पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक, संतोष भार्गव और योगेन्द्र महंत ने उन्हें ब्राह्मण रत्न अलंकरण से नवाजा।

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 13 » अंक : 1 » नवंबर 2022 » मूल्य : 40 रु.

13 वाँ
स्थापना वर्ष

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज

» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी

» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी

» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी

» सलाहकार मंडल :

व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)

» विशेष संवाददाता

जबलपुर संभाग : आलोक मालवीय (मो. 9806750146)
भोपाल संभाग : शिवम त्रिपाठी (मो. 9669779674)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)

» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186

» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com

» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

9
मध्यप्रदेश का विकास बना अनुकरणीय

12
ब्रिटिश सत्ता के शीर्ष पर भारतवंशी

15
आत्मनिर्भर भारत सहकारिता से ही बनेगा

29
सहकारी क्षेत्र का विकास कर्मचारियों पर निर्भर

32
ऐसे करें चने की उन्नत खेती

60
शादी करने जा रही हंसिका मोटवानी

संपादकीय

13 वाँ स्थापना वर्ष

विकास यात्रा के हमराही

अपने 67 वें स्थापना दिवस पर मध्यप्रदेश अनेक कीर्तिमान स्थापित कर आज शान के साथ खड़ा है। बीमारू राज्य के कलंक को धोकर 19.74 प्रतिशत विकास दर हासिल कर आज देश में अग्रणी राज्य बन गया है। शहरी और ग्रामीण स्वच्छता के मामले में भी देश में अव्वल होने का खिताब पाया है। कहां तो यह राज्य किसी समय सड़क और बिजली के मामले में पूरे देश में बदनाम था और अब सरप्लस बिजली वाला राज्य बन चुका है। राज्य में तीन लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का विस्तार विकास की नई इबारत लिख रहा है। साढ़े छह हजार से अधिक गांवों के सभी परिवारों के घरों में नल जल उपलब्ध करा चुका है। सिंचित क्षेत्र 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 45 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना में 35 लाख आवास पूर्ण हो चुके हैं। 43 लाख से अधिक बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ दिया जा चुका है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश ने चौतरफा प्रगति की नई मिसाल कायम की है। लगातार सात बार कृषि कर्मण पुरस्कार जीतना और गेहूं उपार्जन में कोरोना महामारी के बावजूद कीर्तिमान कायम करना भी प्रदेश की बड़ी उपलब्धियां हैं। तिलहन, दलहन, सोयाबीन उत्पादन में भी प्रदेश देश में अग्रणी स्थान पर है। गेहूं, मसूर, मक्का और तिल के उत्पादन में दूसरे नंबर पर है। सोयाबीन उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश को सोया स्टेट का दर्जा हासिल है। बालाघाट की चिन्नौर धान को जीआई टैग मिल चुका है। जैविक खेती में भी सिरमौर है मध्यप्रदेश। यहां 16.37 लाख हेक्टेयर में जैविक खेती होती है, जो देश में सर्वाधिक है। आगामी एक वर्ष में एक लाख सरकारी नौकरियां देने और प्रतिमाह दो लाख स्व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए शिवराज सरकार संकल्पित है। उज्जैन के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल का जिर्णोद्धार भी सरकार की एक अहम उपलब्धि है। नव श्रृंगारित 'महाकाल महालोक' का लोकार्पण करने स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पधारे थे और इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को शाबाशी दे गए। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के कायाकल्प का कार्य भी जारी है। ओंकारेश्वर में ही एशिया का सबसे बड़ा तैरता सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का एमओयू साइन हो चुका है। कुल मिलाकर राज्य विकास की राह पर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। बारह बरस पूर्व इसी माह में आपकी इस लोकप्रिय पत्रिका **'हरियाली के रास्ते'** का भी प्रकाशन प्रारंभ हुआ था। आपकी यह पत्रिका प्रकाशन के बारह सफल वर्ष पूर्ण कर तेरहवें वर्ष में प्रवेश कर रही है। पिछले एक दशक से अधिक समय में प्रदेश की विकास यात्रा में हमने भी थोड़ीघणी सहभागिता निभाई इसका हमें गर्व है। एक दशक पूर्व हम जिस लक्ष्य को लेकर चले थे उस पथ पर अब भी कायम हैं। हमने कृषि, सहकारिता और शिक्षा जगत की विश्लेषणात्मक खबरें और विचारोत्तेजक आलेखों के माध्यम से जनता और शासन प्रशासन के बीच एक सेतु का कार्य बखूबी निभाया। बारह बरस के इस सफर में हमारे जो हमसफ़र रहे, उन तमाम स्नेहियों और सहयोगियों का हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। उम्मीद करते हैं कि आगामी वर्षों में भी आपका स्नेह इसी तरह हम पर बरसता रहेगा। पत्रिका के निखार के लिए आपके बहुमूल्य सुझावों का सदैव स्वागत है। वर्षगांठ के इस शुभ अवसर पर सभी का हार्दिक अभिनंदन।

शिवराजसिंह चौहान
मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश शासन
भोपाल-462004

दिनांक : 30.10.2022
पत्र क्र. 718/22

शुभकामना संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' इंदौर द्वारा 13वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में किसानों के कल्याण के लिए राज्य सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश का कृषि क्षेत्र समृद्ध हुआ है। गेहूँ उत्पादन में अग्रणी रहते हुए अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्राकृतिक खेती का क्षेत्र बढ़ाने का आह्वान किया गया है। इसके साथ ही वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किये जाने के संदर्भ में भारत सरकार द्वारा पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए गुणकारी मिलेट्स का उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में भी इस दिशा में प्रयत्न बढ़ाए जा रहे हैं।

आशा है आपकी पत्रिका का विशेषांक इन सभी गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी का प्रकाशन कर आम नागरिकों सहित किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

(शिवराज सिंह चौहान)

डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया
मंत्री
सहकारिता, संसदीय कार्य
एवं सामान्य प्रशासन विभाग
मध्यप्रदेश शासन

निवास : बी-20, 74 बंगले
स्वामी दयानंद नगर,
भोपाल-462003

दि. 29.10.2022
पत्र क्र. 5136

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि कृषि, सहकारिता और स्थानीय प्रशासन पर केंद्रित जनोपयोगी जानकारियों एवं सामग्री का प्रकाशन समय-समय पर आपकी अमूल्य एवं लोकप्रिय राष्ट्रीय मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' में सदैव किया जाता है। इसके साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी व पंचायत राज एवं ग्रामीणों के अधिकारों-कर्तव्यों की जानकारी का प्रकाशन आपकी पत्रिका को लोकप्रियता के शिखर पर ले जाने में सतत सहयोग प्रदान कर रहा है।

मैं इस पत्रिका की वर्षगाँठ विशेषांक 2022 के अवसर पर अपनी मंगल कामनाएँ प्रेषित करते हुए यही कामना करता हूँ कि आपकी पत्रिका उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर सदैव अग्रसर रहे तथा अपने उद्देश्य में सफल हो।

शुभकामनाओं सहित।

(डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया)

गोपाल भार्गव
मंत्री
लोक निर्माण एवं कुटीर उद्योग
विभाग
मध्यप्रदेश शासन

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि 'हरियाली के रास्ते' विगत कई वर्षों से निरंतरता के साथ प्रकाशित हो रही है।

आपकी पत्रिका के माध्यम से कृषि, सहकारिता, स्थानीय प्रशासन एवं जन उपयोगी कल्याणकारी योजनाओं के विषयक सामयिक विषयों से एवं जन हितैषी सूचनाओं से समाज को लाभान्वित करते आ रहे हैं।

पत्रिका के 13वें वर्ष में प्रवेशांक को विशेषांक के रूप में प्रकाशित किये जाने पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

(गोपाल भार्गव)

नरोत्तम मिश्रा
मंत्री
गृह विभाग
मध्यप्रदेश शासन

निवास : बी-4, चार इमली
भोपाल
दूरभाष : 0755-2464232

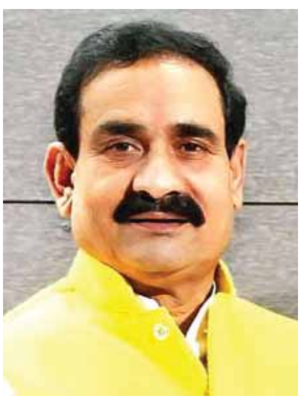

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि 'हरियाली के रास्ते' पत्रिका के 12 वर्ष पूर्ण होने पर वर्षगाँठ विशेषांक 2022 का प्रकाशन किया जा रहा है। हरियाली के रास्ते पत्रिका में कृषि एवं सहकारिता से संबंधित जनोपयोगी जानकारियाँ प्रकाशित की जाती हैं जो कि किसानों एवं कृषि के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए उपयोगी रहती है।

'हरियाली के रास्ते' पत्रिका के 12 वर्ष पूर्ण होने पर वर्षगाँठ विशेषांक 2022 के प्रकाशन पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई।

(नरोत्तम मिश्रा)

कमल पटेल
मंत्री
किसान कल्याण तथा कृषि
विकास विभाग
मध्यप्रदेश
एवं
प्रभारी मंत्री- खरगोन, छिंदवाड़ा

कार्यालय : कक्ष क्र. बी-205, द्वितीय तल,
वल्लभ भवन क्र. 2, मंत्रालय, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष : 0755-2708041
निवास : बी-10, चार इमली, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष एवं फैक्स : 0755-2760188,
2765511
ई-मेल : agrimin2020@gmail.com

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' नवंबर 2022 में अपने प्रकाशन के 13वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। पत्रिका में कृषि , सहकारिता और स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित सामग्री समय-समय पर प्रकाशित हो रही है जिससे इन क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिला है।

मैं उम्मीद करता हूँ कि पत्रिका द्वारा प्रकाशित 'सहकारिता विशेषांक 2022' में किसानों के लिए जानकारी परक आलेख प्रकाशित होंगे।

इस विशेषांक के सफल प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(कमल पटेल)

तुलसी सिलावट
मंत्री
जल संसाधन, मछुआ कल्याण
एवं मत्स्य विभाग

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' अपने प्रकाशन के 13वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। कोई भी प्रकाशन लंबे समय तक सफलतापूर्वक तभी कार्य कर सकता है जब उसके द्वारा प्रकाशित सामग्री समसामयिक एवं उपयोगी हो। 'हरियाली के रास्ते' पत्रिका में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, कृषि एवं सहकारिता से संबंधित उपयोगी जानकारियाँ प्रकाशित होती रही हैं। पत्रिका भविष्य में भी उपयोगी विशेषांक प्रकाशित कर कृषि एवं सहकारिता के क्षेत्र में अपनी भूमिका का निर्वहन करती रहेगी। मेरी शुभकामनाएँ हैं कि यह पत्रिका उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर हो।

(तुलसी सिलावट)

संजय गुप्ता
आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक
सहकारी संस्थाएँ,
मध्यप्रदेश

कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं
पंजीयक सहकारी संस्थाएँ, म.प्र.
विंध्याचल भवन, भोपाल
दूरभाष : 0755-2551513

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि 'हरियाली के रास्ते' मासिक पत्रिका अपनी स्थापना के 12 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए 13वें स्थापना दिवस पर आगामी अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। इस पत्रिका ने विगत 12 वर्षों के दौरान सहकारिता में हो रहे नवाचार को लेकर जागरूकता अभियान चलाया है। साथ ही शासकीय योजनाओं के सकारात्मक पहलुओं को जन-जन तक पहुँचाने का सफल प्रयास भी किया है तथा पंचायत क्षेत्र से जुड़े सभी पहलुओं का भी सदैव ध्यान रखा है।

आपकी सफलता की अनवरत यात्रा सदैव जारी रहे, यही मंगल कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित

(संजय गुप्ता)

पी.एस. तिवारी
प्रबंध संचालक

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित
टी.टी. नगर, भोपाल-462003

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' नवंबर 2022 में अपने प्रकाशन के 13वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। पत्रिका में कृषि , सहकारिता और स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित सामग्री समय-समय पर प्रकाशित हो रही है जिससे लोगों को काफी लाभ मिला है।

मैं उम्मीद करता हूँ कि पत्रिका द्वारा प्रकाशित 'सहकारिता विशेषांक 2022' में भी जनोपयोगी आलेख प्रकाशित होंगे।

इस विशेषांक के सफल प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(पी.एस. तिवारी)

13वाँ स्थापना वर्ष

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 13वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री दीपक आर्य (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री पी.के. सिद्धार्थ (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री एम.के. ओझा | श्री डी.के. राय

सौजन्य से : श्रीमती मधुलता पटेल (शा.प्र. बंडा) श्री सुरेश सोनी (शा.प्र. सदर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जगथर, जि.सागर
श्री गिरधारीलाल राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुड़िया, जि.सागर
श्री कृष्णकुमार यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सौरई, जि.सागर
श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. विनेका, जि.सागर
श्री मोतीलाल विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पजनारी, जि.सागर
श्री प्रीतमसिंह लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मगरधा, जि.सागर
श्री विजयसिंह लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उल्दन, जि.सागर
श्री हनुमत सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तीमोन, जि.सागर
श्री लालसिंह लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेसईसाजी, जि.सागर
श्री जगन्नाथ साहू (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छापरी, जि.सागर
श्री मंगलसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चंदोखर, जि.सागर
श्री भरतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भेड़ा, जि.सागर
श्री रमेश कुमार मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरा, जि.सागर
श्री रामरतन मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पटौआ, जि.सागर
श्री रामसेवक यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. वेरखेड़ी भडराना, जि.सागर
श्री राजेश दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंजला, जि.सागर
श्री द्वारकाप्रसाद चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोराखुर्द, जि.सागर
श्री जवाहरलाल कुर्मी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. केरबना, जि.सागर
श्री शेरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कर्रापुर, जि.सागर
श्री अरविंद तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमराबाग, जि.सागर
श्री धर्मराज शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मेहर, जि.सागर
श्री निम्मू सेन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजुरिया गुरु, जि.सागर
श्री प्रभुदयाल चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रजौआ, जि.सागर
श्री चंद्रशेखर मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कनेरागौंड, जि.सागर
श्री उमाशंकर खरे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पथरिया हाट, जि.सागर
श्री राजेश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कपुरिया, जि.सागर
श्री अमित तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरोदासागर, जि.सागर
श्री विनोद तिवारी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मध्यप्रदेश का विकास बना अनुकरणीय

• नरेन्द्रसिंह तोमर
केंद्रीय कृषिमंत्री

विकास के लिए अक्सर एक उपमा उपयोग में की जाती है- डबल इंजन की सरकार। मध्य प्रदेश के संदर्भ में यह उपमा सवर्था सार्थक साबित हुई है। वर्तमान में मध्य प्रदेश की विकास दर 19.76 प्रतिशत है। रत्नगर्भा, सुजलाम-सुफलाम मध्यप्रदेश की माटी न केवल प्राकृतिक संसाधनों, वन संपदाओं, अन्न भंडारों और खनिजों की खान रही है, अपितु इस माटी ने महाराजा विक्रमादित्य, राजा भोज, महारानी अहिल्या बाई होल्कर, चंदेल और परमार जैसे कुशल शासक भी दिए हैं। इन शासकों के पुरुषार्थ और पराक्रम से मध्य प्रदेश (मध्य भारत क्षेत्र) अतीत में भी वैभवशाली साम्राज्य रहा है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए और 1 नवंबर 2000 को पुनर्गठित हुए वर्तमान मध्य प्रदेश की प्रगति और उन्नति में विगत 19 वर्ष का समय ऐतिहासिक एवं मील का पत्थर साबित हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में चतुर्दिक विकास एवं हर वर्ग के कल्याण का एक नया मॉडल स्थापित हुआ है। कभी बीमारू राज्यों की श्रेणी में गिना जाने वाले मध्य प्रदेश ने आज अपनी बेहतर अधोसंरचना निर्माण और निरंतर संतुलित विकास से प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि में अहम योगदान दिया है।

मध्य प्रदेश की विकास यात्रा यूं तो बहुआयामी है, किंतु यदि हम केंद्र एवं राज्य के परस्पर सहयोग और जनभागीदारी से खड़े किए गए विकास मॉडल की बात करें, तो मध्य प्रदेश का विकास देश-दुनिया में चर्चा का विषय ही नहीं, अनुकरणीय भी बन गया है। किस तरह केंद्र सरकार की योजनाओं के उचित, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश को विकासशील राज्यों की पंक्ति में सबसे आगे लाकर खड़ा किया जा सकता है, इसका अनुपम उदाहरण मध्य प्रदेश है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने इन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अधिकाधिक जनभागीदारी को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया है। मुख्यमंत्री के रूप में उनका फोकस एक तरफ मध्य प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाना और हर वर्ग का कल्याण करना रहा है, तो वहीं प्रदेश को औद्योगिक विकास एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त करना भी उनका ध्येय रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ राष्ट्र उत्थान के लिए कृत संकल्पित हैं। वस्तुतः देखा जाए, तो मध्य प्रदेश वह राज्य है जो इस मंत्र को सार्थक करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर सतत अग्रसर है। यहां जनभागीदारी और केंद्र-राज्य के साझा प्रयासों से जो विकास गाथा लिखी जा रही है, उसमें विकास के हर कदम में सबके प्रयास कदमताल करते नजर आते हैं।

विकास के लिए अक्सर एक उपमा उपयोग में की जाती है-डबल इंजन की सरकार। मध्य प्रदेश के संदर्भ में यह उपमा सवर्था सार्थक साबित हुई है। वर्तमान में मध्य प्रदेश की विकास दर 19.76 प्रतिशत है, जो कि देश में सर्वाधिक है। प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में 200 प्रतिशत वृद्धि हुई है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था 11 लाख 50 हजार करोड़ रुपए की है और कैपिटल एक्सपेंडिचर 48 हजार करोड़ से अधिक का है। भारत को वर्ष 2026 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया गया है। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश में निवेश प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। धनतेरस के अवसर पर 22 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के 4 लाख 51 हजार परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों में गृह प्रवेश कराकर उनकी अपनी छत का सपना पूरा किया। प्रदेश में अब तक 30 लाख से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर दिलाया गया है। हर घर जल की संकल्पना के साथ जल जीवन मिशन के माध्यम से प्रदेश के 40 लाख 30 हजार से अधिक परिवारों में विगत साढ़े 3 साल में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का कार्य किया गया है।

मध्य प्रदेश में सिंचित क्षेत्र 7.5 लाख हेक्टेयर था, जिसे बढ़ा कर 45 लाख हेक्टेयर कर दिया गया है। आने वाले 3 वर्षों में सिंचित क्षेत्र 65 लाख हेक्टेयर होगा। यह कृषि में प्रगति के साथ ही किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने का एक बड़ा माध्यम बना है। प्रदेश में लगातार दस सालों से 18 प्रतिशत से अधिक कृषि विकास दर्ज की गई है, जो कि अपने आप में एक रेकार्ड है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम किसान योजना जैसी योजनाओं के समुचित उपयोग से ही प्रदेश ने यह स्थान प्राप्त किया है।

चंबल के बीहड़ को जोड़ते हुए अटल एक्सप्रेस-वे और अमरकंटक से सीधे गुजरात की सीमा तक बनने जा रहा नर्मदा एक्सप्रेस-वे बनाया मध्य प्रदेश के विकास का नया प्रगति पथ है। देश के शीर्षस्थ एवं गरिमामय आयोजनों के लिए मध्य प्रदेश इस समय पहली पसंद बनता जा रहा है। जनवरी 2023 में इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित 100 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके साथ ही इन्वेस्टर्स समिट, खेलो इंडिया यूथ गेम्स और जी-20 देशों की बैठक के लिए भी मध्य प्रदेश को चुना जाना यहां की प्रगति का परिचायक है। प्रदेश के स्थापना दिवस के दूसरे ही दिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लाड़ली लक्ष्मी -2 योजना लॉन्च करने जा रहे हैं। यह सोशल सेक्टर में मध्यप्रदेश का एक ऐसा सफल नवाचार है, जिसने बाद में कई राज्यों ने अपनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ राष्ट्र उत्थान के लिए कृत संकल्पित हैं। वस्तुतः देखा जाए, तो मध्य प्रदेश वह राज्य है जो इस मंत्र को सार्थक करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर सतत अग्रसर है। यहां जनभागीदारी और केंद्र-राज्य के साझा प्रयासों से जो विकास गाथा लिखी जा रही है, उसमें विकास के हर कदम में सबके प्रयास कदमताल करते नजर आते हैं। ■

13वाँ स्थापना वर्ष
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री प्रवीण सिंह अढायच (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री अरूण मिश्रा (उपायुक्त सहकारिता)
श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 13वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री महेन्द्र दीक्षित (प्रशासक एवं उपायुक्त सह.)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एस.धनवाल (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. धार

ब्रिटिश सत्ता के शीर्ष पर भारतवंशी

• **अरविंद गुप्ता**
पूर्व राजनयिक

यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के बाहर निकलने के बाद ऋषि सुनक कंजर्वेटिव पार्टी के चौथे नेता हैं, जिनको देश की कमान मिली है। 'ब्रेग्जिट' ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को खासी चोट पहुंचाई है। रही-सही कसर पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस की आर्थिक नीतियों ने पूरी कर दी, जिसके कारण उनको अपना पद तक छोड़ना पड़ा। ऐसे में, स्वाभाविक ही सुनक की पहली प्राथमिकता ब्रिटेन की डूबती अर्थव्यवस्था को उबारना होगी। अभी आलम यह है कि ब्रिटेन का आयात बिल बढ़ रहा है और निर्यात से उसे पूर्व की तरफ फायदा नहीं मिल रहा। ब्रिटिश पाउंड भी तेजी से गिर गया है। मगर सुनक की चुनौती महज ब्रिटेन की आर्थिकी को संभालना ही नहीं है।

दरअसल, वह जिस कंजर्वेटिव पार्टी के नेता बने हैं, उसकी फूट भी इन दिनों सतह पर है। इसी मनमुटाव का नतीजा है कि पिछले तीन वर्ष में टेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और अब ऋषि सुनक 'टोरी पार्टी' के मुखिया चुने गए हैं। चूंकि पार्टी के अंदर राजनीतिक रूप से एका नहीं है, इसलिए देश की सियासत में भी उथल-पुथल कायम है। यही वजह है कि सुनक ने जब प्रधानमंत्री पद के लिए अपना भाषण दिया, तो उन्होंने 'यूनिटी' (एकता) और 'स्टैबिलिटी' (स्थायित्व) पर जोर दिया। राजनीतिक विश्लेषक तो अभी से इस बात के लिए गुणा-भाग करने लगे हैं कि आखिरकार वह किस तरह से पार्टी के असंतोष को खत्म करते हुए सभी टोरियों में एकराय बना सकेंगे।

इन दोनों चुनौतियों से पार पाने के बाद ही सुनक अन्य मोर्चों पर आगे बढ़ने की सोच सकेंगे। सुनक के सत्तासीन होने का खास असर भारत और ब्रिटेन के आपसी रिश्ते पर पड़ सकता है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में बोरिस जॉनसन जब बीते मई माह में भारत आए थे, तब उन्होंने दिवाली तक दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता होने की उम्मीद जताई थी। इस दिशा में ठीक-ठाक प्रगति भी शुरू हुई, लेकिन पिछले दिनों यह कवायद ठंडे बस्ते में जाती दिखी है। भारत इस समझौते का पक्षधर है और यह संधि ब्रिटेन के हित में भी है। लिहाजा, उम्मीद यही है कि ऋषि

सुनक इस समझौते की राह की अड़चनों को जल्द दूर करेंगे।

दोनों देशों की वीजा नीति ऐसी ही एक बाधा है, जिस पर सुनक को खास ध्यान देना होगा। इसके दो पहलू हैं। एक, उन भारतीयों से जुड़ा है, जो ब्रिटेन आते-जाते रहते हैं और दूसरा, उन छात्रों से, जो ब्रिटेन पढ़ने के लिए जाते हैं। ब्रिटेन जाने वाले भारतीयों को आसानी से वीजा नहीं मिल पाता और कमोबेश ऐसी ही शिकायत भारतीय छात्रों की है, जो काफी तादाद में वहां जाते हैं। इन छात्रों से ब्रिटेन को अच्छी खासी रकम तो मिलती है, लेकिन भारतीय छात्रों की शिकायत है कि उनको पढ़ाई खत्म करने के बाद जो कार्य संबंधी वीजा दिया जाता है, उसकी मीयाद महज दो साल होती है। वे इसमें बढ़ोतरी चाहते हैं। लिहाजा, हमारी अपेक्षा भारतीयों के सुगम आवागमन के साथ-साथ भारत के छात्रों के लिए ब्रिटेन के वीजा नियम में उदारता की है। चूंकि ब्रिटेन को विशेषकर 'ब्रेग्जिट' के बाद मुक्त व्यापार समझौते की सख्त जरूरत है, इसलिए माना जा रहा है कि वह अपनी वीजा नीति को लेकर गंभीर होगा। यह उम्मीद इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि बतौर भारतवंशी ऋषि सुनक ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों की इस समस्या से बखूबी वाकिफ होंगे।

ब्रिटेन और भारत के रिश्ते को दोनों देशों की आर्थिकी भी आगे बढ़ाएगी। भारत ने ब्रिटेन में काफी ज्यादा निवेश कर रखा है। ब्रिटेन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत भारत ही है। ब्रिटेन की मौजूदा खस्ता अर्थव्यवस्था को देखकर सुनक यही चाहेंगे कि भारत वहां अपना निवेश बढ़ाए। इस समय भारत से काफी ज्यादा पूंजी दूसरे देशों में जा रही है। मगर इन पैसों में ब्रिटेन का हिस्सा बढ़े, इसके लिए जरूरी है कि सुनक को अपनी अर्थव्यवस्था इस कदर बनानी होगी कि वहां भारत के हितों का अधिकाधिक पोषण हो। यह मुक्त व्यापार समझौते के साथ-साथ कई अन्य चीजों पर निर्भर करेगा, जैसे ब्याज दर, रुपया व पाउंड की विनिमय दर आदि। बेशक ये पुराने मसले कहे जा सकते हैं, लेकिन अब ये ज्यादा महत्वपूर्ण इसलिए जान पड़ते हैं, क्योंकि एक भारतवंशी को ब्रिटेन का प्रधानमंत्री पद मिला है।

राजनीतिक और सुरक्षा की बात करें, तो दोनों देशों के आपसी रिश्ते काफी अच्छे हैं। ब्रिटेन हिंद-प्रशांत को लेकर नई नीति बना रहा है। चूंकि हिंद-प्रशांत के क्षेत्र में भारत का खासा महत्व है और हम क्वाड (भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान का गुट) के भी सदस्य हैं, इसलिए उम्मीद है कि सुनक के कार्यकाल में भारत और ब्रिटेन के द्विपक्षीय रिश्ते में काफी ज्यादा गरमाहट आएगी। सैन्य व सामरिक संबंधों के लिहाज से भी सुनक के प्रधानमंत्री बनने का भारत को फायदा मिल सकता है। आतंकवाद को रोकने की दिशा में दोनों देश संजीदा जरूर हैं, लेकिन ब्रिटेन में कई ऐसे गुट हैं, जो कट्टरपंथ और आतंकवाद को खाद-पानी देते रहते हैं। खालिस्तानी गुटों का भी वहां अच्छा-खासा असर है और कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान की प्रभाव वाली जमात की भी वहां ठीक-ठाक संख्या है। इन पर रोक लगाने के लिए भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत सहयोग की दरकार है। आशा की जानी चाहिए कि सुनक इस दिशा में तत्पर होंगे।

जब ऋषि सुनक संसद सदस्य बने थे, तब उन्होंने गीता पर हाथ रखकर शपथ ली थी। ऐसा करने वाले वह ब्रिटेन के पहले सांसद थे। दिवाली मनाने की उनकी तस्वीरें भी अभी मीडिया में खूब तैर रही हैं। वह यह भी कहते रहे हैं कि गीता के मुताबिक, कर्म पर वह अधिक ध्यान देते हैं। इसीलिए पिछले दिनों ब्रिटेन में जो चंद हिंदू-विरोधी गतिविधियां हुई थीं, उन पर लगाम लगने के स्वाभाविक कयास लगाए जा रहे हैं। भारत निस्संदेह उनके सामने इस मसले को उठाएगा और उम्मीद करेगा कि वहां जो पाकिस्तान अथवा इस्लामी गुट हिंदू-विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं, उनको जल्द रोका जाएगा।

कुल मिलाकर यही कह सकते हैं कि भारत और ब्रिटेन के पारंपरिक संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में जो कुछ रुकावटें आई हैं, सुनक उनको दूर करेंगे। भारत के महत्व को देखते हुए वह आपसी रिश्तों को और मजबूत बनाएंगे। दोनों देशों की समग्र व साझा विरासत को आगे बढ़ाने के लिए यह आवश्यक भी है। ■

ऋषि सुनक : संक्षिप्त परिचय

» माता-पिता : उष-यशवीर सुनक

» भाई-बहन : संजय-राखी

» पत्नी : अक्षता मूर्ति (इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की बेटी)

» बच्चे : 2

» जन्म : 12 मई, 1980

» जन्मस्थान : इंग्लैंड

» उम्र : 42

» शिक्षा : एमबीए

» पेशा : पॉलिटीशियन, बिजनेसमैन

» पार्टी : कंजर्वेटिव पार्टी

» नागरिकता : ब्रिटिश

» धर्म : हिंदू

» जाति : ब्राह्मण

» कद : 5'7''

» नेट वर्थ : 3.1 बिलियन पौंड के करीब

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस (1 नवंबर) पर विशेष

प्रदेश के विकास में सहभागिता के लिए जुटें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस (1 नवंबर) पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा है कि विकास के विभिन्न क्षेत्र में उपलब्धियाँ अर्जित करते हुए मध्यप्रदेश बदल रहा है। इसमें जन सहयोग बहुत आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जन- सहभागिता का महत्व बताते हुए 6 प्रमुख क्षेत्रों में प्रदेशवासियों से सहयोग भी मांगा। भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों से पौध-रोपण, पर्यावरण-संरक्षण, नशामुक्ति, बिजली बचाने, जल संरक्षण और बेटियों के सम्मान के लिये विशेष सहयोग की अपील की।

भविष्य के लिए यह करना होगा

- **इन्फ्रास्ट्रक्चर :** सड़कों को और बेहता करना होगा। बिजली महँगी है इसे सस्ती करना होगी। उद्योगों को सुविधाएँ देना होगी ताकि वे पनपें और रोजगार सृजित हों।
- **उद्योग :** विभिन्न क्षेत्रों की उत्पादन क्षमता के अनुसार नीतियाँ बनानी होगी। छोटे उद्योगों को सुविधाएँ देने के साथ बड़े उद्योगों को आमंत्रित करना होगा।
- **पर्यटन :** म.प्र. को अपनी पर्यटन नीति का सरलीकरण करते हुए इसे लोकप्रिय बनाना होगा। बाघ, चीता, हाथी की भूमि का होने के गौरव का देश में आक्रामक ढंग से प्रचार-प्रसार करना होगा।
- **ऊर्जा :** पन बिजली और सौर ऊर्जा संबंधी परियोजनाओं पर अच्छा काम हुआ लेकिन अब इसमें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ना होगा। ऊर्जा में सरप्लस बनना होगा।
- **निवेश :** एमओयू को ठोस निवेश में बदलें। निवेशकों के लिए आसान नीति बनाएँ। सिंगल विंडो सिस्टम लागू हो।
- **आत्मनिर्भरता :** म.प्र. में देश की निर्माण फैक्ट्री बनने की पूरी क्षमता है। प्रचुर भूमि, सस्ता श्रम, ब्रिलियंट सोच वाले युवाओं का इस तरह उपयोग हो कि यहाँ ड्रोन निर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण आदि पर कार्य हो। ■

मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने वाले नायक

रविशंकर शुक्ल (कांग्रेस)	1 नवंबर 1956 से 31 दिसंबर 1956
भगवंतराव मंडलोई (कांग्रेस)	1 जनवरी 1957 से 30 जनवरी 1957
कैलाशनाथ काटजू (कांग्रेस)	31 जनवरी 1957 से 14 मार्च 1957 14 मार्च 1957 से 11 मार्च 1962(दूसरा कार्यकाल)
भगवंतराव मंडलोई (कांग्रेस)	12 मार्च 1962 से 29 सितंबर 1963
द्वारकाप्रसाद मिश्र (कांग्रेस)	30 सितंबर 1963 से 8 मार्च 1967 9 मार्च 1967 से 21 जुलाई 1967(दूसरा कार्यकाल)
गोविंद नारायण सिंह (कांग्रेस)	30 जुलाई 1967 से 12 मार्च 1969
नरेशचंद्र सिंह (कांग्रेस)	13 मार्च 1969 से 25 मार्च 1969
श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस)	26 मार्च 1969 से 28 जनवरी 1972
प्रकाशचंद सेठी (कांग्रेस)	29 जनवरी 1972 से 22 मार्च 1972 23 मार्च 1972 से 22 दिसं. 1975(दूसरा कार्यकाल)
श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस)	23 दिसंबर 1975 से 29 अप्रैल 1977
राष्ट्रपति शासन	29 अप्रैल 1977 से 25 जून 1977
कैलाशचंद्र जोशी (जनता पार्टी)	26 जून 1977 से 17 जनवरी 1978
वीरेन्द्रकुमार सकलेचा (जनता पार्टी)	18 जनवरी 1978 से 19 जनवरी 1980
सुंदरलाल पटवा (जनता पार्टी)	20 जनवरी 1980 से 17 फरवरी 1980
राष्ट्रपति शासन	18 फरवरी 1980 से 8 जून 1980
अर्जुनसिंह (कांग्रेस)	8 जून 1980 से 10 मार्च 1985 11 मार्च 1985 से 12 मार्च 1985 (दूसरा कार्यकाल)
मोतीलाल वोरा (कांग्रेस)	13 मार्च 1985 से 13 फरवरी 1988
अर्जुनसिंह (कांग्रेस)	14 फरवरी 1988 से 24 जनवरी 1989
मोतीलाल वोरा (कांग्रेस)	25 जनवरी 1989 से 8 दिसंबर 1989
श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस)	9 दिसंबर 1989 से 4 मार्च 1990
सुंदरलाल पटवा (भाजपा)	5 मार्च 1990 से 15 दिसंबर 1992
राष्ट्रपति शासन	16 दिसंबर 1992 से 6 दिसंबर 1993
दिग्विजयसिंह (कांग्रेस)	7 दिसंबर 1993 से 1 दिसंबर 1998 1 दिसंबर 1998 से 8 दिस.2003(दूसरा कार्यकाल)
उमा भारती (भाजपा)	8 दिसंबर 2003 से 23 अगस्त 2004
बाबूलाल गौर (भाजपा)	23 अगस्त 2004 से 29 नवंबर 2005
शिवराजसिंह चौहान (भाजपा)	29 नवंबर 2005 से 12 दिसंबर 2008 12 दिसंबर 2008 से दिसं. 2013(दूसरा कार्यकाल) दिसं. 2013 से 16 दिसं. 2018 (तीसरा कार्यकाल)
कमलनाथ (कांग्रेस)	17 दिसंबर 2018 से 20 मार्च 2020
शिवराजसिंह चौहान (भाजपा)	मार्च 2020 से वर्तमान मुख्यमंत्री(चतुर्थ कार्यकाल)

स्थापना दिवस पर जानी-मानी कोरियोग्राफर सुश्री मैत्रेयी पहाड़ी ने साथी कलाकारों के साथ नृत्य नाटिका 'शिव महात्म्य' की शानदार प्रस्तुति दी जिसने सबका मन मोह लिया।

सहकारिता शुरूआत से ही भारतीय संस्कृति का प्राणतत्व रही है और भारत ने पूरी दुनिया को सहकारिता का विचार दिया है। पूरी दुनिया की 30 लाख सहकारी समितियों में से 8,55,000 भारत में हैं और लगभग 13 करोड़ लोग सीधे इनसे जुड़े हैं। देश के 91 प्रतिशत गांव ऐसे हैं जिनमें कोई ना कोई सहकारी समिति है।

आत्मनिर्भर भारत सहकारिता से ही बनेगा

• **अमित शाह**
केंद्रीय सहकारिता मंत्री

सहकारिता क्षेत्र ने आज जो मुकाम हासिल किया है उससे मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। हमारे सहकारिता आंदोलन की एक मज़बूत नींव तैयार हो चुकी है और इस पर एक मज़बूत इमारत बनाने का काम हमें और आने वाली पीढ़ियों को करना है। सहकारिता के विचार को आधुनिक समय के अनुरूप बनाकर, टेक्नोलॉजी और प्रोफेशन्लिज़्म के साथ जोड़कर इसे सौ साल और आगे ले जाने का काम करना है। सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक बनाकर, लोगों के बीच सहयोग और उनके योगदान को चैनलाइज़ करने, समुदायों के बीच समानता और उन्हें सह-समृद्धि का रास्ता दिखाना है।

देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और हमें ये संकल्प लेना है कि देश की आज़ादी के सौ वर्ष होने पर वर्ष 2047 देश में सहकारिता के शिखर का वर्ष होगा। हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को चरितार्थ करने के लिए सहकारिता आगे बढ़ी है। विगत 100 साल में पूरी दुनिया ने साम्यवाद और पूंजीवाद के मॉडल को अपनाया लेकिन सहकारिता का मध्यम मार्ग का मॉडल समूचे विश्व को एक नया, सफल और टिकाऊ आर्थिक मॉडल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रचलित आर्थिक मॉडल के कारण जो असंतुलित विकास हुआ, उसे सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी बनाने के लिए सहकारिता के मॉडल को लोकप्रिय बनाना होगा जिससे आत्मनिर्भर भारत का निर्माण होगा।

भारत में अपने 100-125 सालों के आंदोलन के दौरान सहकारिता ने अपना एक अलग स्थान बनाया है। दुनियाभर में लगभग 12 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी 30 लाख से ज़्यादा सहकारी समितियों के माध्यम से सहकारिता से जुड़ी है। दुनिया की संयुक्त सहकारिता अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी सबसे बड़ी आर्थिक इकाई है और ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।लोगों के मन में ग़लत धारणा है कि सहकारिता विफल रही है लेकिन उन्हें वैश्विक आंकड़ों पर नज़र डालनी चाहिए जिससे ये पता चलता है

कि कई देशों की जीडीपी में सहकारिता का बहुत बड़ा योगदान है। विश्व की 300 सबसे बड़ी सहकारी समितियों में से अमूल, इफ़्को और कृभको के रूप में भारत की तीन समितियां भी शामिल हैं। हमने देश में सहकारिता के प्राणक्षेत्र को बचाकर रखा है और इसके परिणामस्वरूप अमूल, इफ़्को और कृभको का मुनाफ़ा सीधा किसानों के बैंक खातों में पहुंचाने का काम केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। सहकारिता शुरूआत से ही भारतीय संस्कृति का प्राणतत्व रही है और भारत ने पूरी दुनिया को सहकारिता का विचार दिया है। पूरी दुनिया की 30 लाख सहकारी समितियों में से 8,55,000 भारत में हैं और लगभग 13 करोड़ लोग सीधे इनसे जुड़े हैं। देश के 91 प्रतिशत गांव ऐसे हैं जिनमें कोई ना कोई सहकारी समिति है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की आज़ादी के 75वें वर्ष में केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन करके सहकारिता आंदोलन में प्राण फूंकने का काम किया है। हमारे देश के कई क्षेत्रों में सहकारिता का बहुत बड़ा योगदान है। देश में 70 करोड़ लोग वंचित वर्ग में आते हैं और इन्हें देश के विकास के साथ जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहकारिता से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। ये 70 करोड़ लोग पिछले 70 सालों में विकास का स्वप्न देखने की स्थिति में भी नहीं थे क्योंकि पिछली सरकार गरीबी हटाओ का केवल नारा देती थीं। इन करोड़ों लोगों का जीवनस्तर ऊपर लाए बिना, उनके खाने-पीने की चिंता किए बिना, उनके स्वास्थ्य की चिंता किए बिना इन्हें देश के आर्थिक विकास के साथ नहीं जोड़ सकते। लेकिन 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी जी के देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद इनके जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आया है। आज इन लोगों को घर, बिजली, खाना, स्वास्थ्य और गैस जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं मिल रही हैं।

आज देश का हर व्यक्ति अपने आर्थिक विकास का स्वप्न देख पा रहा है क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हर व्यक्ति की आकांक्षाओं को बढ़ाया है और इन आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को केवल और केवल सहकारिता ही पूरा कर सकती है। स्वप्न देखने और आकांक्षाओं वाले इन 70 करोड़ लोगों का जो जनसमूह मोदी जी ने निर्मित किया है उसे सहकारिता के ज़रिए चैनलाइज़ करके सहकारी समितियों के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल तकनीक और उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना नहीं है बल्कि हर व्यक्ति के आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना भी है और जब ऐसा होगा तो देश अपने आप आत्मनिर्भर बन जाएगा।

मोदी सरकार ने देश की 65,000 प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों (पैक्स) के कम्प्यूटरीकरण का निर्णय किया है जिससे पैक्स, ज़िला सहकारी बैंक, राज्य सहकारी बैक और नाबार्ड ऑनलाइन हो जाएंगे जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी। पैक्स राज्यों का विषय है और केन्द्र ने पैक्स के संदर्भ में मॉडल बाय-लॉ राज्यों को उनके सुझावों के लिए भेजे हैं ताकि पैक्स को बहुद्देशीय और बहुआयामी बना जा सके। जल्द ही इन (मॉडल बाय लॉ) को सहकारी समितियों को भी सुझावों के लिए भेजा जाएगा। 25 प्रकार की गतिविधियों को पैक्स के साथ जोड़ा जाएगा जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये उप-नियम पैक्स को बहुत सारे कार्य और सुविधाएं देकर गांव की गतिविधियों का केन्द्र बनाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि किन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार इन 70 करोड़ आकांक्षी लोगों को सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से समावेशी आर्थिक विकास का मॉडल उपलब्ध कराएगी।

सहकारिता मंत्रालय सहकारी समितियों को संपन्न, समृद्ध और प्रासंगिक बनाने के लिए हरसंभव सुधार करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। कानून केवल निगरानी कर सकता है लेकिन सहकारिता जैसे क्षेत्र को सुधारने के लिए हमें अपने आप पर कुछ नियंत्रण करने होंगे और ये नियंत्रण भावनात्मक होने चाहिएं। सरकार ने प्रशिक्षण के लिए एक राष्ट्रीय सहकारिता यूनिवर्सिटी बनाने का निर्णय किया है जो राष्ट्रीय सहकारी संघ के साथ जुड़कर देश के सहकारिता क्षेत्र के लोगों के प्रशिक्षण की व्यवस्था करेगी।

अमूल को ऑर्गेनिक उत्पादों की विश्वसनीयता को परखकर प्रमाणित करने का काम दिया गया है। अमूल अपने ब्रांड के साथ इन सारे ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स को देश और दुनिया के बाजार में मार्केट में रखने का काम करेगा जिससे ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को अपने उत्पादों का कम से कम 30% अधिक दाम मिलेगा। सरकार ने तय किया है कि दो बड़े सहकारी निर्यात हाऊस का पंजीकरण किया जाएगा जो देशभर की सहकारी संस्थाओं के प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता का ध्यान रखेंगे, इनके प्रोडक्शन चैनल को वैश्विक बाजार के अनुरूप बनाएंगे और इन उत्पादों के निर्यात का एक माध्यम बनेंगे। सरकार ने इफ्को और कृभको को बीज सुधार के लिए जोड़ने का काम किया है।

सरकार ने हाल ही में लिए गए निर्णय के तहत सहकारी समितियों को बी जेम के ज़रिए ख़रीदी करने की अनुमति दे दी है। सहकारिता मंत्रालय पैक्स का एक डेटाबेस भी बना रहा है। सहकारिता को लंबा जीवन देने, प्रासंगिक बनाने, देश के अर्थतंत्र में कंट्रीब्यूटर बनाने और इन 70 करोड आकांक्षी लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहकारिता के सिद्धांतों को आत्मसात करें। ■

13वाँ स्थापना वर्ष

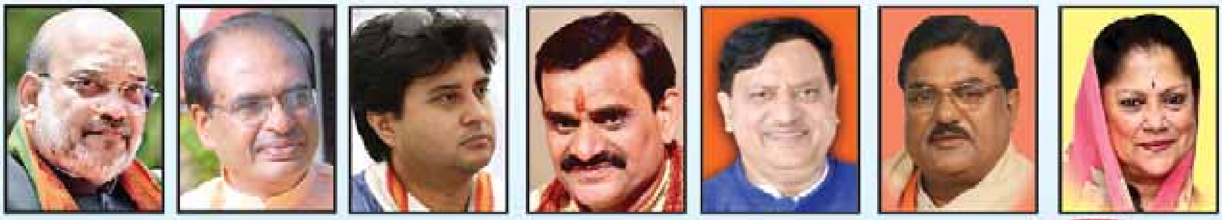

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री राजेन्द्र सिंह राजावत
(शा.प्र. खातेगाँव)

श्री मनोज कुमार तोमर (पर्य. खातेगाँव)
श्री मुकेश राठौर (शा.प्र. उदयनगर)
श्री रामसिंह तोमर (पर्य. उदयनगर)

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

हरियाली के रास्ते 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री ऋषव गुप्ता (कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री पी.एन. गोडरिया (उपायुक्त सहकारिता) | श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी.एस. पुरी (प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. संदलपुर, जि.देवास
श्री रमेशचंद्र यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खल, जि.देवास
श्री महेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नेमावर, जि.देवास
श्री ओमप्रकाश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कांकरिया, जि.देवास
श्री संतोष जायसवाल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खातेगाँव, जि.देवास
श्री दिनेश चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मुरझाल, जि.देवास
श्री मनोहर पवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अजनास, जि.देवास
श्री सुरेशचंद्र जोशी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुंजापुरा, जि.देवास
श्री रामसिंह तोमर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. इकलेरा, जि.देवास
श्री महेन्द्रसिह राजावत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. चंदुपुरा, जि.देवास
श्री गंगाराम मौर्य (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जियागाँव, जि.देवास
श्री बृजमोहन वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पानकुआं, जि.देवास
श्री सरवन डाबर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोमगाँव, जि.देवास
श्री बलराम यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. उदयनगर, जि.देवास
श्री ललित शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पिपल्या नानकार, जि.देवास
श्री कैलाश मीणा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. देवनालिया, जि.देवास
श्री बद्रीलाल सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. हरणगाँव, जि.देवास
श्री गजानंद शुक्ला (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पांडू तालाब, जि.देवास
श्री मुकेश मंडलोई (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. विक्रमपुर, जि.देवास
श्री दिनेशचंद्र शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पोलाखाल, जि.देवास
श्री विष्णुप्रसाद मीणा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पटरानी, जि.देवास
श्री कमलसिंह अरोरा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. रतनपुर, जि.देवास
श्री इंदरसिंह परमार (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसानों के सशक्तिकरण के लिये संकल्पित शिव-राज

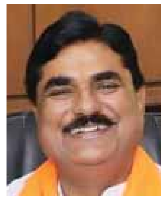

• कमल पटेल
मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, म.प्र.

धरती पुत्र शिवराज सिंह चौहान ने जबसे प्रदेश की कमान सम्हाली है, तभी से स्वर्णिम मध्यप्रदेश के सपने को साकार करने में हर पल गुजरा है। किसानों के आर्थिक सशक्ति करण के लिये निरंतर कार्य किये हैं, जो आज भी बदस्तूर जारी हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान कहते हैं कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास में किसान की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। अपनी स्थापना के 67वें वर्ष में मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में अग्रणी प्रदेश है, जिसने कई कीर्तिमान रचते हुए लगातार 7 बार कृषि कर्मण अवार्ड प्राप्त किया है। प्रदेश आज विकसित राज्यों की दौड़ में शामिल है। गेहूँ उत्पादन के साथ ही उपार्जन में भी हम अव्वल हैं। हमने पंजाब जैसे राज्यों को पीछे कर बता भी दिया है और जता भी दिया है कि प्रदेश के किसान मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ परिश्रम की पराकाष्ठा करने को दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। गुणवत्ता में भी हम सबसे मुकाबला करने को तत्पर हैं। राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाएँ, कुशल और सक्षम नेतृत्व, वैज्ञानिकों के साथ ही किसानों की मेहनत का सुफल है कि प्रदेश की रायसेन मण्डी में धान समर्थन मूल्य से 1200 रूपये अधिक तक बिक रहा है। सरकार सतत प्रयास कर रही है कि किसानों को उनकी उपज का दोगुना से ज्यादा लाभ मिले।

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना से जनता को लाभान्वित करने में मध्यप्रदेश प्रथम पयदान पर है। उक्त योजना का लाभ देश में सबसे पहले हरदा जिले के किसान रामभरोस विश्वकर्मा को मिला। प्रदेश कृषि अधो-संरचना निधि के उपयोग में भी देश में अव्वल है। प्रदेश में इस निधि से 1508 प्रकरण में 852 करोड़ रूपये की राशि वितरित की गई है, जो देश में अब तक किये गये व्यय की कुल 45 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के साथ ही मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में किसानों को प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 2-2 हजार रूपये की दो किश्तें प्रदान की जा रही हैं। अब तक प्रदेश के 80 लाख किसानों को 4751 करोड़ रूपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है। प्रदेश प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से सबसे अधिक किसानों को लाभान्वित करने वाला राज्य है। योजना में रबी 2020-21 में ही 49 लाख किसानों को 7618 करोड़ रूपये की दावा राशि का भुगतान किया गया।

सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों को लाभान्वित करने के लिये वन ग्रामों को भी योजना में शामिल करना, फसल अधिसूचित करने के लिये न्यूनतम सीमा 100 के स्थान पर 50 हेक्टेयर करना, क्षति आकलन के लिये बीमा पोर्टल को लेण्ड रिकॉर्ड के एनआईसी पोर्टल से लिंक करना, अवकाश के दिनों में भी बैंक खुलवा कर किसानों का बीमा कराना और बीमा कव्हरेज के स्केल ऑफ फायनेंस को 100 प्रतिशत तक करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये।

प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को जीरो प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। सिंचाई सुविधाओं में अकल्पनीय विस्तार हुआ है। आज प्रदेश में

सिंचित क्षेत्र का रकबा लगभग 45 लाख हेक्टेयर तक पहुँच चुका है। वर्ष 2025 तक इसे बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। प्रदेश जैविक खेती में पहले स्थान पर है। गुड गवर्नेंस इण्डेक्स 2021 में कृषि संबद्ध क्षेत्र में मध्यप्रदेश नम्बर वन है। कृषि विकास के लिये प्रदेश में ड्रोन, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस तकनीक पर काम हो रहा है। इसके लिये कृषि क्षेत्र में आधुनिक एवं उन्नत तकनीकों के प्रयोग के लिये अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थान, इंटरनेशनल सेंटर फॉर एग्रीकल्चर रिसर्च इन ड्राई एरिया (एकार्डा) की मदद ली जा रही है। एम-पोर्टल से एसएमएस द्वारा कृषि संबंधी सलाह किसानों को दी जा रही है। प्रदेश में बीज, उर्वरक, कीटनाशक लायसेंस प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन की गई है।

प्रदेश में किसानों के हित में निर्णय लिया जाकर अब गेहूँ के साथ ही मूंग, चना, उड़द और मसूर जैसी दलहन और सोया, सरसों जैसी तिलहन का भी उपार्जन किया जा रहा है। सरकार किसानों से ग्रीष्मकालीन मूंग का उपार्जन भी कर रही है। इन सबसे किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का मार्ग खुला है। सरकार ने फसलों के आने के साथ ही उपार्जन से किसानों को उपज का वाज़िब दाम मिलना सुनिश्चित किया है। किसान आधुनिक तकनीक से लैस हो रहे हैं।

प्रदेश में ग्रीष्मकालीन फसलों के लिये सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के अतिरिक्त प्रयास किये जा रहे हैं। इसकी बदौलत ग्रीष्मकालीन फसलों के रकबे में 3 गुना तक की वृद्धि हुई है। आज ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल का रकबा बढ़ कर 7 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिये प्राकृतिक कृषि बोर्ड गठित किया गया है। प्रदेश के दोनों कृषि विश्वविद्यालयों में जैविक/प्राकृतिक कृषि शाखाएँ प्रारंभ की गई हैं। किसानों को फसल तकनीकी समस्याओं से निजात दिलाने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र में कृषि ओपीडी की स्थापना की गई है, जहाँ से कृषक व्हाटसअप और आईटी से कृषि वैज्ञानिकों से सम्पर्क कर अपनी समस्याओं का निराकरण करा सकते हैं। सरकार ने किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिये किसानों का सच्चा साथी कमल सुविधा केन्द्र (दूरभाष क्रमांक 0755-2558823) की स्थापना भी की है। ■

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते

» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर

» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412

» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

ऋण वसूली भी तत्परता से करें सहकारी समितियाँ

• ऋतुराज रंजन

सहकारिता क्षेत्र में अन्य कई गतिविधियों के साथ एक सबसे महत्वपूर्ण कार्य है अपने सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराना। इसे तकनीकी भाषा में साख कहते हैं। साख सहकारी समितियों के लिए यह एक सतत कार्य व्यापार है। समयावधि के मान से यह दो प्रकार की होती है-

(1) **अल्पकालीन साख :** यह बार-बार संपन्न होने वाले काम के लिए है। जैसे फसल के लिए ऋण देना। तब यह अल्पकालीन कहलाता है। इसे बार-बार वसूल कर फिर उन्हीं या नए सदस्यों को दे दिया जाता है।

(2) **दीर्घकालीन साख :** अधिक लागत एवं अधिक दिन चलने वाले कार्यों जैसे कूप निर्माण, ट्रैक्टर क्रय, भूमि विकास तथा भवन निर्माण आदि के लिए दिया जाने वाला ऋण दीर्घकालीन ऋण होता है।

सामान्य तौर पर वसूली की कार्यवाही में संस्था स्तर पर निम्न असावधानियाँ दृष्टिगत होती है, जिससे वसूली पर प्रतिकूल असर पड़ता है। अतः सर्वप्रथम इन असावधानियों को ध्यानपूर्वक दूर किया जाए एवं एक चेक लिस्ट बनाकर सुनिश्चित कर लिया जाए कि उन असावधावनियों/कमियों/ चूकों को दूर कर लिया गया है।

- सदस्य का के.वाय.सी. फार्म भराया जाना अनिवार्य है।
- भूमि के स्वामित्व से संबंधित अद्यतन दस्तावेज अनुसार संस्था के रिकॉर्ड में उसकी पूर्ति।
- सभी फसलों के लिए ऋणमान के नार्म्स अलग-अलग हैं जो किसान द्वारा फसल बोई जाए उस फसल के मान के हिसाब से ही ऋण स्वीकृत किया जाए ताकि इससे एक ओर जहाँ वसूली में आसानी होगी वहीं किसान को भी फसल बीमा की राशि प्राप्त कराने में असुविधा नहीं होगी।
- किसान को ऋण स्वीकृति के पूर्व इस बात का आकलन करना जरूरी है कि उस किसान की ऋण अदा करने की क्षमता

है भी या नहीं।

ऋणों की अवधिवार सूची/सारणी तैयार करना

समिति अपने कालातीत एवं अकालातीत ऋणों के बकायादारों की ऋण की प्रकारवार सूची तैयार करें, बड़े बकायादारों अर्थात रु. 20 हजार से अधिक ऋण के कालातीत ऋणियों एवं एक ही परिवार के बकायादारों की पृथक-पृथक सूची बनाएँ, इसी प्रकार समितियों को प्रदत्त ऋणों की अवधिवार वर्गीकरण कर सूची तैयार की जाए एवं इन सूचियों की एक प्रति शाखा स्तर पर शाखा प्रबंधक के पास तथा मुख्यालय स्तर पर क्षेत्राधिकारियों के पास रखने की व्यवस्था की जाए।

यह भी देखने में आया है कि समितियों द्वारा जो माँग सूची/पंजी तैयार की जाती है उसके कालम अपूर्ण होते हैं, लिहाजा यह सुनिश्चित किया जाए कि माँग सूची/पंजी में सदस्य को ऋण वितरण दिनांक, जाति एवं सदस्य की अंशपूँजी का आवश्य रूप से कालम हो, साथ ही माँग सूची/पंजी में डिक्रीधारी ऋणियों के नाम के समक्ष लाल स्याही से मार्क बनाया जाए ताकि फील्ड भ्रमण के दौरान एक नजर में यह मालूम हो सके कि किस ग्राम में कितने डिक्रीधारी ऋणी हैं और अभी कितने ऋणियों के लिए और धारा 84 में वाद दायर कराए जाना शेष हैं। माँग सूची में वसूली योग्य अंशपूँजी का कालम अवश्य बनाएँ, ताकि वसूली करते समय मूलधन, ब्याज की वसूली के साथ-साथ बकाया अंशपूँजी की वसूली भी की जाए। माँग सूची का प्रारूप परिशिष्ट-1

- माँग सूची तैयार करने में कालातीत सदस्यों के नाम सावधानी से भरे जाने चाहिए।
- धारा 84 में दावा दर्ज किए जाने वाले सदस्यों का सूची में उल्लेख होना चाहिए।
- डिक्रीधारी सदस्यों के विरुद्ध पुनः दावा दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है।
- बड़े बकायादारों संस्था के पदाधिकारी एवं कर्मचारी एवं शासकीय सेवक को सूची में चिह्नित किया जाना आवश्यक है।

सदस्यों की माँग सूची तैयार करते समय माँग सूची के सभी कॉलम अनिवार्य रूप से भरे जाएँ। सात में उसमें स्पष्ट उल्लेख करें किन सदस्यों के विरुद्ध बिक्री प्राप्त हो चुकी है तथा किन सदस्यों पर धारा 84 में वाद दायर किया जाना है।

अवार्ड/दावा तैयार करवाने की कार्यवाही

30.6.2016 पर शेष कालातीत बकायादारों, जान-बूझकर वसूली नहीं करने वाले सदस्यों तथा समस्त योजनाओं के कालातीत ऋणियों के विरुद्ध शत-प्रतिशत प्रकरणों में दावे, अवार्ड की संपूर्ण कार्यवाही पूर्ण कर ली जाए तथा समिति स्तर पर धारा 84/84 'क' के दावे के प्रकरण तैयार कर न्यायालय सहायक/उप पंजीयक के यहाँ कार्यक्रम अनुसार समय पर प्रस्तुत करें।

- ऐसे प्रकरणों में जहाँ यह महसूस किया जाए कि कालातीत ऋणी धारा 64 अथवा धारा 84/84 'क' के विवाद के अंतर्गत निर्णय होने के पूर्व अपनी अचल संपत्ति को खुर्दबुर्द कर सकता है ऐसे प्रकरणों में सक्षम सहकारी न्यायालय से, निर्णय के पहले कुर्की का आदेश (अटेचमेंट बिफोर अवार्ड) लिया जा सकता है। सिविल प्रक्रिया संहिता- 1908 के आर्डर- 38 में दी गई प्रक्रिया के अंतर्गत निर्णय से पहले कुर्की की व्यवस्था म.प्र. सहकारी अधिनियम की धारा-68 के अंतर्गत दी गई है। इस प्रावधान का लाभ उपरोक्त परिस्थितियों में लिया जाकर अटेचमेंट बिफोर अवार्ड की कार्यवाही की जा सकती है। परिशिष्ट-2

प्रत्येक कालातीत ऋणी सदस्य का पृथक-पृथक वाद दायर किया जाना चाहिए यदि वाद दायर करते समय ऋणी द्वारा संपत्ति के खुर्द-बुर्द की संभावना हो तो अटेचमेंट बिफोर अवार्ड की कार्यवाही की जानी चाहिए।

वसूली कार्यक्रम का निर्धारण

संस्था ऋणों की माँग की स्थिति का आंकलन किया जाए तता मासिक वसूली के लक्ष्य आने वाली फसल के आधार पर निर्धारित किए जाएँ। फसलों के बाजार में विक्रय हेतु आने की स्थानीय स्थिति को ध्यान में रखकर माह अगस्त से आगामी वर्ष के माह जून तक शत प्रतिशत वसूली के लक्ष्य समितियों के लिए निर्धारित करें तथा मासिक लक्ष्य निर्धारित कर चार्ट बनाकर प्रत्येक संस्था एवं शाखा को भेजें।

खरीफ फसलों के मंडी में आते ही अक्टूबर से वसूली भ्रमण के लिए समिति स्टाफ को कार्यक्रम बनाने हेतु निर्देशित करना आवश्यक है। फसलें जैसे मूँग, मक्का, धान, सोयाबीन आदि अक्टूबर माह से आना प्रारंभ होती है, इसके अतिरिक्त नवंबर-दिसंबर में आने वाली फसलों तथा जनवरी, फरवरी एवं मार्च में मंडियों में आने वाली फसलों को ध्यान में रखकर सदस्यों से संपर्क करना तथा फसलों की बिक्री अनुसार वसूली प्राप्त करने की कार्यवाही करने से उपयोगी परिणाम प्राप्त हो सकेंगे। परिशिष्ट-3

वसूली कार्यक्रम का निर्धारण फसल को मंडी में पहुँचने के पूर्व समस्त वैधानिक कार्यवाहियों को पूर्ण कर लेना चाहिए।

- वसूली कार्यक्रम में धारा 84 में प्रभार प्रवर्तन का आदेश सितंबर माह तक प्राप्त होना चाहिए एवं वसूली अधिकारी से डिक्री माह अक्टूबर प्राप्त हो जाना चाहिए।
- यदि किसी कारण निर्धारित वसूली कलेंडर अनुसार वैधानिक कार्यवाही पूर्ण नहीं होती है तो माह जनवरी में पुनः एक बार कालातीत सदस्यों एवं उनके विरुद्ध प्राप्त डिक्री की समीक्षा की जाए।
- यदि कोई कालातीत सदस्य के विरुद्ध डिक्री प्राप्त नहीं है तो समस्त वैधानिक कार्यवाही जनवरी एवं फरवरी माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाना चाहिए।

सदस्य संपर्क रजिस्टर

समिति स्तर पर सदस्य संपर्क रजिस्टर समिति स्टाफ के

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 13वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री जगदीश बड़वाया (शा.प्र. बेटमा)
श्री तिलोकचंद्र परमार (पर्य. बेटमा)
श्री हरीश पाण्डेय (शा.प्र. क्षिप्रा)
श्री हरीश पाण्डेय (पर्य. क्षिप्रा)
श्री कमल किशोर मालवीय (शा.प्र. सांवेर)
श्री माँगीलाल पटेल (पर्य. सांवेर)
श्री तेजराम मालवीय (पर्य. सांवेर)

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री अनिल हर्षवाल (प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बेटमा, जि. इंदौर
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. काली बिल्लौद, जि. इंदौर
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सांवेर, जि. इंदौर
श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. माचल, जि. इंदौर
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. घाटा बिल्लौद, जि. इंदौर
श्री दिलीपसिंह देवड़ा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कुड़ाना, जि. इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. औरंगपुरा, जि. इंदौर
श्री मंगलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुवार्डा हप्पा, जि. इंदौर
श्री कपिल राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजोदा, जि. इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. धन्नड़, जि. इंदौर
श्री तिलोकचंद परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गुराण, जि. इंदौर
श्री मिट्ठुलाल कालमा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पचोला, जि. इंदौर
श्री तेजराम मालवीय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. रंगवासा, जि. इंदौर
श्री सीताराम पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पलासिया, जि. इंदौर
श्री लाखनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दर्जी कराड़िया, जि. इंदौर
श्री जितेन्द्र राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. रोलाय, जि. इंदौर
श्री कल्याणसिंह पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरलई, जि. इंदौर
श्री मनीष परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ोदिया खान, जि. इंदौर
श्री जगदीश सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेठवाड़ा, जि. इंदौर
श्री अर्जुन पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. डकाच्या, जि. इंदौर
श्री माखनलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामोदी, जि. इंदौर
श्री सुरेश पिंड़लाया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दौलताबाद, जि. इंदौर
श्री इन्दरसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोलसिन्दा, जि. इंदौर
श्री तेजराम मालवीय (प्रबंधक)

कार्यक्षेत्र विभाजन अनुसार रखे जाएँ तथा प्रत्येक सदस्य से किन-किन तारीखों में कितनी बार संपर्क किया गया इसका उल्लेख उस रजिस्टर में हो। सदस्य ने कौन-कौनसी फसलें कितने एकड़ में बोई है, इसकी जानकारी भी संपर्क रजिस्टर में एकत्रित की जाए। सदस्य से बार-बार संपर्क होने पर वसूली का वातावरण बनता है तथा कालातीत ऋणियों से वसूली के सघन प्रयास होने पर ही वसूली प्राप्त हो सकती है। यदि फसल आते ही वसूली के प्रयासों के तहत कालातीत एवं अकालातीत ऋणियों से संपर्क किए जाएँ तथा उन्हें नोटिस तामीली कराई जाए, तो कृषकों द्वारा फसल का पैसा अन्य उपयोग में लेने के पूर्व सहकारी समिति के ऋण की वसूली पहले की जा सकती है। किसान के पास पहले जो पहुँचता है, वह उसी का कर्ज पहले चुकाता है। मासिक बैठक में संपर्क रजिस्टर बुलवाकर देखा जाए। अक्टूबर अंत तक संस्था के समस्त सदस्यों से संपर्क हो जाए तथा माह मार्च तक न्यूनतम तीन बार सदस्यों से संपर्क किया जाना सुनिश्चित करें। समिति स्तर पर संधारित की जाने वाली संपर्क पंजी का प्रारूप त्वरित संदर्भ हेतु संलग्न है। संपर्क वसूली करते समय टोकन वसूली प्राप्त रने का प्रयास कर रसीद काटने की व्यवस्था को प्रोत्साहित करें। परिशिष्ट-4

संपर्क करते समय सर्वप्रथम संस्था के कालातीत पदाधिकारी, कर्मचारी एवं शासकीय कर्मचारियों से संपर्क किया जाना चाहिए। इसके बाद बड़े बकायादारों से संपर्क किया जाए। संपर्क में वोहनी (टोकन वसूली) को रसीद काटकर अवश्य प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

बकाया कालातीत ऋण की वसूली वरीयता में

- शासकीय/अशासकीय संस्थाओं के कर्मचारियों पर बकाया कालातीत ऋण की विभागवार सूची तैयार कर उनके वेतन से राशि काटने हेतु कलेक्टर के माध्यम से नियोक्ता को पत्र जारी करवाकर वसूली सुनिश्चित की जाए। यह भी उल्लेखनीय है कि म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम- 1965 की धारा-17 के अंतर्गत किसी भी शासकीय सेवक को ऋण प्राप्त करने के पूर्व अपने कार्यालय प्रमुख की अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है। कई बार ऐसे दृष्टांत प्रकाश में आए हैं कि विभागीय कर्मचारियों द्वारा अपने नियोक्ता से इस संबंध में अनुमति न लेते हुए बैंकों/समितियों से ऋण प्राप्त किया है। ऐसी दशा में नियोक्ता यह कहकर अपनी जवाबदेही से मुक्त हो जाते हैं कि उनके द्वारा चूँकि कोई अनुमति नहीं दी गई है लिहाजा ऋणी कर्मचारी के वेतन से ऋण राशि/कालातीत किस्त राशि काटने का कोई प्रश्न नहीं उठता है। ऐसी दशा में म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम- 1965 की धारा-17 के अंतर्गत ऐसे नियोक्ताओं को उनके कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही (ऋणग्रस्त- Indebtness; होने की सूचना अपने नियोक्ता को न देना ग्रास मिसकंडक्ट/ दुराचार के अंतर्गत वर्गीकृत है) करने के लिए बैंक, जिला कलेक्टर के माध्यम से उन्हें निर्देश जारी करवाएँ तथा ऐसे ऋणी कर्मचारियों के विरुद्ध यथोक्त कार्यवाही हुई है या नहीं इसके लिए आवश्यक फॉलोअप सिस्टम को भी डेवलप करें।
- दीर्घकालिक दोषियों अर्थात क्रानिक डिफाल्टर्स (जो शासकीय/ अर्द्धशासकीय सेवा में कार्यरत नहीं है) को कलेक्टर के हस्ताक्षर से सूचना पत्र जारी करवाने से अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। इस हेतु जिला कलेक्टर इन क्रानिक डिफाल्टर्स को अच्छे एवं कानून पालक नागरिक का कर्तव्य पालन न करने का हवाला देते हुए पत्र जारी कर सकते हैं। अतः जिला प्रशासन का सहयोग, प्रभावी लोगों से वसूली प्राप्त करने में किया जाए।
- समितियों के अनुसूचित जाति/जनजाति के ऐसे सदस्य, जिनके द्वारा लिया गया ऋण, योजना के निष्फल होने या अन्य कारकों के विपरीत प्रभाव के कारणों से फलीभूत नहीं हुआ है या कृषक सदस्य के नाम से फर्जी रूप से नामे कर दिया गया हो, ऐसी दशा में म.प्र. शासन की 'संदिग्ध ऋण दायित्व निवारण योजना' के अंतर्गत जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति में प्रकरण को प्रस्तुत करवाकर, क्लेम प्राप्त करने हेतु जिला कलेक्टर का सहयोग प्राप्त किया जाए।
- व्यवहार में पाया गया है कि समिति में कार्यरत समिति प्रबंधक, सहायक समिति प्रबंधक, लिपिक/विक्रेता, चौकीदार, भृत्यों को दिए गए ऋण की वसूली में जान-बूझकर इनका नाम माँग सूची में सम्मिलित नहीं किया जाता है। यह भी देखा गया है कि इन्हीं कर्मचारियों के संबंधियों के नाम भी माँग सूची में प्रदर्शित नहीं किए जाते हैं। अतः इनकी समिति वार पृथक से माँग सूची बनाकर वसूली की जाए।
- समितियों के संचालक मंडल एवं उनके परिजनों को दिए गए ऋण की वसूली में समिति प्रबंधक दबाव में आकर वसूली नहीं कर पाते हैं। अतः संचालक मंडल एवं उनके परिजनों की वसूली की माँग सूची उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ को प्रेषित करते हुए वसूली की कार्यवाही की जाए।

प्रथमतः यह कोशिश की जाए कि शासकीय एवं अशासकीय कर्मचारियों से कालातीत ऋणों की वसूली प्राप्त करने हेतु जिलाध्यक्ष महोदय से आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए। कतिपय स्थितियों में यदि ऐसा महसूस होता है कि स्थानीय प्रशासन/संबंधित विभागों से वांछित सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा है तो उस दशा में पंजीयक, सहकारिता को वस्तुस्थिति से अवगत कराया जाए एवं आवश्यक सहयोग लिया जाए। इसके अतिरिक्त बैंक एवं संबद्ध समितियों से सहकारिता विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों के द्वारा जो ऋण लिए गए हैं, उनकी सूची भी तैयार कर सीधे पंजीय, सहाकारी संस्थाएँ, म.प्र. को प्रेषित की जाए।

वसूली के तरीके

ऐसे चिह्नित प्रकरण जो कि कतिपय रूप से अत्यधिक उलझे/विवादित हों, उन प्रकरणों में या जहाँ पर हितग्राही की ऋण भुगतान क्षमता/आर्थिक दशा कतिपय कारणों से अत्यधिक दुर्बल हो गई हो, वहाँ पर शाखा प्रबंधक, मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के परामर्श से न्यूनतम वसूली योग्य राशि (मिनिमम रिकवरेबल एमाउंट- एम.आर.ए.) निर्धारित कर लोक अदालतों

में प्रकरण प्रस्तुत कर, प्रकरणों को निपटाने का प्रयास कर सकते हैं। लोक अदालतों के निर्णय एवं डिक्री कानूनी मान्यता प्राप्त हैं और यह सभी पर बंधनकारी है, इसलिए जिन बैंकिंग विवादों में विवादित राशि रु. बीस लाख से कम हो, ऐसे विवादों को लोक अदालत के माध्यम से निपटान करना लाभकारी होगा। यहाँ यह इंगित करना जरूरी होगा कि लोक अदालतों के गठन के बारे में लीगल सर्विसेस अथॉरिटी एक्ट-1987 की धारा-19 एवं 20 में आवश्य प्रावधान किए गए हैं तथा म.प्र. शासन विधि एवं विधायी कार्य विभाग के परिपत्र क्रमांक- 723/21- ब (दो), दिनांक 21.3.2002 द्वारा पूर्व में प्रत्येक विभाग में पृथक से लोक अदालत के आयोजन के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में उचित फार्मूला एवं योग्य नीति अपनायी जाकर, तदुपरांत प्रकरणों को बैंक के संचालक मंडल में प्रस्तुत कर लोक अदालत के माध्यम से निपटान की कार्यवाही तत्काल की जाए।

यह देखने में आया है कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक एवं संबद्ध प्राथमिक कृषि साख समितियों द्वारा इसका पूरा लाभ नहीं उठाया जा रहा है। जिला बैंकों द्वारा अपने एवं प्राथमिक कृषि साख समितियों के कालातीत सदस्यों से लोक अदालत योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं योजना के तहत समझौता करने हेतु सघन रूप से शाखा स्तर पर/ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल कैंप लगाया जाए। इस कैंप में मुख्यालय के सभी वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी अपरिहार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। समिति सेवकों/पर्यवेक्षकों द्वारा लोक अदालत योजना का पूर्ण रूप से अध्ययन नहीं किया जाता है, फलस्वरूप उनके द्वारा इस संबंध में किए गए प्रयास पूर्ण एवं ठोस नहीं होते हैं, लिहाजा कैंप लगाने का उद्देश्य यह है कि एक तो मौके पर ही प्रकरणों के त्वरित एवं सुनिश्चित निराकरण हो सकेगा, दूसरा यह कि ग्रामीण क्षेत्रों में इसका भली-भाँति प्रचार होने से अधिक से अधिक कालातीत ऋणियों से समझौता हो सकेगा एवं किसी प्रकार के विवाद अथवा द्वितीयक राय (सेकंडरी ओपिनियन) लेने का कोई मौका नहीं रहेगा। साथ ही फील्ड स्टाफ का भी इस योजना के प्रति पूर्ण ज्ञान एवं आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। वसूली में सर्वप्रथम काउंसलिंग के माध्यम से वसूली का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके बाद प्रशासकीय कार्यवाही एवं वैधानिक कार्यवाही की प्रक्रिया प्रारंभ करना चाहिए। पुराने कालातीत ऋणियों को लोक अदालत के माध्यम से समझौता कर वसूली का प्रयास किया जाना चाहिए।

वसूली मनोविज्ञान

यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो कि सामान्य जनजीवन के मनोविज्ञान से जुड़ा हुआ है। हम सभी भली-भाँति अवगत है कि हम अपने कार्य की शुरुआत किसी धनात्मक एवं शुभ संकेत से ही करते हैं, जैसे कि- कोई व्यापारी सुबह उधार सामान नहीं बेचता है। इसी मनोविज्ञान का उपयोग हम अपनी वसूली अभियान में कर सकते हैं। सर्वप्रथम बड़े ऋणी काश्तकारों का सम्मिलन आयोजित कर उनसे वसूली की चर्चा करना, उन्हें प्रोत्साहित कर विश्वास लेना अत्यंत आवश्यक है। तत्पश्चात यही प्रक्रिया छोटे ऋणी काश्तकारों के साथ की जानी चाहिए। हमें करना यह है कि जब भी हम ऋणी काश्तकार से वसूली लेने

जाएँ, हम खाली हाथ न लौटें। इस संबंध में काश्तकार से यह कहा जाए कि भले ही ऋण चुकता करने के लिए वह बड़ी राशि न दे, हम अपने दिन की शुरुअत या आपके लिए अपनी बोहनी खराब नहीं करना चाहते हैं, अतः थोड़ी ही राशि अंशपूँजी कमी/वसूली के रूप में दे। चूँकि अस कार्यक्रम के अंतर्गत हम अपने प्रत्येक काश्तकार से कुछ न कुछ रकम प्राप्त करेंगे फलस्वरूप यह प्रक्रिया समिति स्तर पर प्रथमतया अंश पूँजी की कमी को पूरा करने में सहायक होगी एवं उसके बाद ऋणी के प्रति समिति की माँग को धीरे-धीरे कम करेगी।

सामान्यतः यह देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों के कुछ छोटे एवं बड़े काश्तकार स्थायी रूप से शहरों में निवास करते हैं और ऋण लेने के दौरान वे संबंधित समिति में जाकर ऋण प्राप्त करते हैं। ऐसी दशा में वसूली के दौरान ग्राम में उनसे संपर्क नहीं हो पाता है और वे दीर्घकालिक कालातीत ऋणी हो जाते हैं। अनुभव से यह पाया गया है कि इन काश्तकारों से शहर से संपर्क करने पर उनसे वसूली की राशि अपेक्षाकृत आसानी से प्राप्त हो जाती है। चूँकि वसूली के माहों के दौरान वसूली स्टॉफ का सारा ध्यान ग्रामीण क्षेत्रों में ही केंद्रित रहता है, अतः इस प्रकार के ऋणी संपर्क होने से छूट जाते हैं। इस संबंध में निम्न कार्यवाही की जा सकती है-

- तदुपरांत इनके शहर के निवास के पते पर इस आशय का सूचना पत्र भिजवाएँ कि उनके द्वारा समिति में दिए गए पते के अलावा अन्यत्र निवास किया जा रहा है तथा वसूली के दौरान ग्राम में उनसे संपर्क नहीं हो पाता है लिहाजा कालातीत ऋण राशि जमा कराएँ।
- उक्त ऋणियों के द्वारा यदि कालातीत ऋण राशि जमा नहीं कराई जाती है तब माह के कम से कम 3 दिनों में समस्त संबंधित समितियों के स्टाफ को लेकर एक बड़ा शहरी वसूली दल बनाया जाकर (जिसमें कम से कम 10 से 15 कर्मचारी हों) शहर में इस प्रकार के ऋणियों से संपर्क किया जाए।
- कोशिश यह की जाए कि यह कार्यक्रम सुबह 8 बजे से शुरू हो एवं सूर्यास्त के ठीक पूर्व तक चलता रहे एवं अधिकतम संख्या में इस प्रकार के ऋणियों से संपर्क कर वसूली प्राप्त की जाए।
- यह भी उचित होगा कि इस संबंध में स्थानीय प्रशासन/पुलिस के नुमाइंदों की भी उपस्थिति रहे।
- इस शहरी वसूली कार्यक्रम के अंतर्गत ऋणी की हैसियत/सामाजिक परिस्थियों को ध्यान में रखकर अन्य प्रकार के भी अभिनव/सृजनात्मक तरीके अपनाए जा सकते हैं।
- कुल मिलाकर इस शहरी वसूली कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि कालातीत ऋणियों पर भारी सामाजिक दबाव बने एवं इस प्रकार के कार्यक्रमों का व्यापक प्रसार हो। इसके लिए यह भी उचित होगा कि इस प्रकार के आयोजन के सचित्र समाचार तुरंत ही समाचार-पत्रों में प्रकाशित हों।
- समितियों के क्रानिक डिफाल्टरों का नाम एवं कालातीत ऋण वितरण को भी समिति एवं समिति से संबंधित शाखा प्रिमाइसेस के अंदर रेगजीन नोटिस बोर्ड में अंकित कराकर टाँगा जा सकता है।
- संस्था द्वारा क्षेत्र के समस्त डिफॉल्टरों (चाहे वे किसी भी बैंक या संस्था से संबंधित हो) की सूची बनाई जाए एवं यह प्रयास किया जाए कि संचालक मंडल के निर्वाचन में उन्हें उम्मीदवारी न मिले।
- म.प्र. सोसायटी नियम, 1962 के क्रमांक 3 (25-ए/क. उधार आदि की प्रज्ञापना तहसीलदार को दी जाना- (1) धारा 37 की उपधारा (1-ए/क) के उपबंधों के अनुपालन के अतिरिक्त प्रत्येक सोसायटी, जब रजिस्ट्रार द्वारा ऐसा निर्देश दिया जाए, उस तहसील के, जिसमें सोसायटी स्थित हो, तहसीलदार को, प्रारूप आई/झ एवं जे/ञ में अपने पूर्व, वर्तमान और मृत, सदस्यों की सूची भेजेगी जिसमें पिछले सहकारी वर्ष की समाप्ति पर उन पर बकाया उधार या अग्रिमों की रकम दर्शाई जाएगी एवं तद्नुरूप कार्यवाही की जाएगी।

वसूली का माहौल तैयार करने में संस्था के पदाधिकारी तथा क्षेत्र के लोक सेवक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। सर्वप्रथम इन व्यक्तियों से वसूली प्रारंभ करना चाहिए। इसके बाद बड़े बकायादारों एवं पुराने कालातीत सदस्यों से वसूली की जानी चाहिए। इसमें टोकन वसूली (वोहनी) की कार्यवाही का बहुत महत्व है। कालातीत सदस्यों को किसी भी सहकारी संस्था के प्रबंधन में कोई भागीदारी न हो यह सुनिश्चित कराया जाना चाहिए। उपरोक्त चेक लिस्ट का पालन वसूली कार्यवाही को काफी प्रभावी बनाता है। ■

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते'
के 13वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
श्री आशीष सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. उज्जैन

लॉकर्स सुविधा
मॉर्टगेज लोन
कम्प्यूटर ऋण
कृषक सहायता ऋण
खेत में शेड निर्माण ऋण
आवासीय भवन ऋण
वेयर हाउस रसीद पर ऋण
रेकरिंग अमानत योजना
हरियाली के रास्ते 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
सुश्री वर्षा श्रीवास (उपायुक्त सहकारिता झाबुआ)
श्री जगदीश कन्नौज (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ

सहकारिता के पितृ-पुरुष

मध्यप्रदेश में सहकारिता आंदोलन को ऊंचाई तक पहुँचाने के लिए अनेक लोगों का योगदान रहा है। छोटी-छोटी संस्थाओं की इकाई खड़ी करना और उसे दिन रात की मेहनत से दहाई में बदलकर सहकारिता क्षेत्र के कुछ आधार स्तंभों ने मप्र में दूर-दराज के क्षेत्रों तक विकास को ले जाने का काम किया है। हम प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सहकारिता को मजबूत बनाने के लिए काम करने वाले ऐसे ही कुछ कर्मवीरों को याद कर रहे हैं जिन्होंने कतार के अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने का सपना देखा और उसे साकार भी किया।

स्व.काशीप्रसादजी पांडे

स्व. पं. काशी प्रसादजी पांडे का जन्म 1887 में जानसन गंज (इलाहाबाद) में स्व. जयराम पांडे के घर में हुआ। आपने एम.ए. एल.एल.बी. तक शिक्षा प्राप्त की। पं. काशीप्रसादजी अनेक सहकारी संस्थाओं से संबद्ध रहे। 1922 से 1972 तक आप निरंतर विष्णुदत्त को-ऑपरेटिव बैंक, जबलपुर से जुड़े रहे। स्व. काशीप्रसादजी विष्णुदत्त को- ऑपरेटिव बैंक और राज्य सहकारी बैंक के संस्थापक सदस्य भी रहे।

विष्णुदत्त को-ऑपरेटिव बैंक सिहोरा जो बाद में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के रूप में प्रसिद्ध देश की प्रथम सहकारी बैंक के रूप में प्रतिष्ठित हुई। आपका स्वर्गवास 1 मार्च 1984 को हुआ।

पं. रामगोपाल तिवारी

स्व. श्री पं. रामगोपाल तिवारी का जन्म 31 अगस्त 1917 को गणेश चतुर्थी के दिन बिलासपुर जिले में हुआ। आपकी शिक्षा और सहकारिता में गहरी रूचि रही है। 1951 में इन्होंने सहकारी बैंक के उपसचिव निर्वाचित हो सहकारिता के क्षेत्र में प्रवेश किया। 1956-73 के बीच के बिलासपुर जिला सहकारी संघ, उपभोक्ता भंडार एवं भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष एवं संचालक आदि पदों पर भी रहे। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के 10 वर्ष तक अध्यक्ष रहे हैं। प्रदेश के सभी सहकारी संस्थाओं के माध्यम से सहकारिता का प्रदेश व्यापी विस्तार प्रसार हुआ। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ भोपाल के भी 10 वर्ष तक अध्यक्ष रहे हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ मर्यादित (एन.सी.सी.एफ.), नई दिल्ली के निदेशक मंडल एवं कार्यकारिणी समिति के 1973 के सदस्य रहे। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर एक अद्वितीय सहकारी नेतृत्व के रूप में स्थापित रहे। राष्ट्रीय-उपभोक्ता सहकारी संघ दिल्ली के 1983 में 3 वर्षों के लिए अध्यक्ष निर्वाचित हुए तथा उसके गुणात्मक विकास में राष्ट्रव्यापी योगदान दिया। म.प्र. में इसका प्रथम कार्यालय खुलवाया। आपने सहकारिता के क्षेत्र में विश्व का व्यापक रूप से भ्रमण किया है।

स्व. लक्ष्मण प्रसाद भार्गव

उज्जैन ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में कौन नही जानता बहुमुखी प्रतिमा के धनी सुप्रसिद्ध व लब्ध प्रतिष्ठित भार्गव परिवार में जन्मे स्वर्गी पं. राम प्रसादजी भार्गव के पुत्र स्व. श्री लक्ष्मणप्रसाद भार्गव को। प्रदेश ही नहीं वरन पूरे देश के सहकारी जगत में श्री लक्ष्मणप्रसाद भार्गव का नाम एक कर्मठ व सुयोग्य कार्यकर्ता के रूप में प्रख्यात रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर श्री भार्गव के सेवाओं को मान्यता प्रदान करते हुए भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री देवगोड़ा ने उन्हें 'बेस्ट को-ऑपरेटर' के सम्मान से नवाजा था। इसी प्रकार विधि जगत में श्री लक्ष्मणप्रसाद भार्गव की सेवाओं की मान्यता प्रदान कर बार काउंसिल ऑफ इंडिया का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के प्रारंभ से ही वे सदस्य रहे तथा वर्षों तक उसके उपाध्यक्ष व अध्यक्ष रहे।

दाऊ सरदारसिंहजी

स्व. श्री सरदारसिंह बुंदेला (दाऊ साब) का जन्म 9 मार्च 1927 को टीकमगढ़ जिले के ग्राम देवरदा में भुजबलसिंह बुंदेला के घर हुआ। इंटर पास दाऊ साब टीकमगढ़ जिले में सहकारिता आंदोलन के प्रवर्तकों में से थे। रचनाकार प्रथम पुरुष थे। टीकमगढ़ जिले में 1963 में सहकारी बैंक ने कार्य प्रारंभ किया था। हालाँकि 1956 में विंध्य सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि. रीवा की एक शाखा की स्थापना की गई थी। बाद में 1959 में अपेक्स बैंक की एक शाखा बुंदेलखंड के नाम से स्थापित की गई थी। जब 1 जुलाई 1963 को बैंक ने विधिवत कार्य प्रारंभ किया तो प्रथम सहकारी बैंक का प्रथम अध्यक्ष स्व.दाऊ साहब को निर्वाचित किया गया था तथा आप वर्ष 1967 से 1977 तक भी बैंक के अध्यक्ष रहे। आप 16 दिसंबर 1982 को असीम में विलीन हो गए।

स्व. श्री ताराचंद अग्रवाल

स्व. श्री ताराचंद अग्रवाल का जन्म 1 जुलाई 1932 को अम्बिकापुर में हुआ। आपने हिन्दी व राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर तक शिक्षा ली तथा एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। स्व. श्री ताराचंद अग्रवाल म.प्र. की सहकारिता की अमूल्य धरोहर रहे हैं। आपने प्रदेश की शीर्ष सहकारी संस्थाओं में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आप म.प्र. राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक में 1966 से 1970 तक उपाध्यक्ष रहे तथा बाद में अध्यक्ष बने। आप राज्य सहकारी बैंक व राज्य सहकारी संघ में भी विभिन्न पदों पर आसीन रहे। सरगुजा जिला सहकारी भूमि विकास बैंक, जिला सहकारी संघ तथा विपणन सहकारी संस्था में भी पदाधिकारी रहे हैं।

आनंद नारायण मुशरान

श्री मुशरान सन् 1935 में नरसिंहपुर म्युनिसिपल कमेटी के सचिव, 1936 में लोकल बोर्ड के अध्यक्ष, 1937 में केंद्रीय सहकारी बैंक के संयुक्त मानसेवी सचिव, 1939 से 1942 तक जिला कौंसिल के अध्यक्ष, 1947 से 1952 तक नरसिंहपुर जनपद सभा के अध्यक्ष, 1957 से 63 तक केंद्रीय सहकारी बैंक के सचिव, 1965 से 66 तथा 74 में पुनः केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष, 1975 से 77 तक नरसिंहपुर जिला भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1972 से 75 तक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक भोपाल के उपाध्यक्ष रहें। आपने अंतरराष्ट्रीय सहकारी महासंघ के आमंत्रण पर वर्ष 1974 में लंदन में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया था।

डॉ. नारायणप्रसाद सोनी

माँ नर्मदा नदी के पावन भूमि मंडला मुख्यालय से 20 कि.मी. दूरी पर स्थित ग्राम बम्हनी बंजर में दिनांक 19.3.1923 को डॉ. नारायण प्रसाद सोनी का जन्म हुआ। आप प्रारंभ से ही समाज सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में जुड़े रहे। डॉ. सोनी विपणन सहकारी समिति मर्यादित, मंडला से बैंक का प्रतिनिधित्व करते हुए 11.7.72 को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित मंडला के अध्यक्ष पद पर पदासीन हुए तथा 5 वर्षों तक सराहनीय योगदान दिया। श्री सोनी 21.9.77 तक अध्यक्ष पद पर पदासीन रहे। इसी दरम्यान म.प्र. राज्य सहकारी बैंक, भोपाल के संचालक मंडल में संचालक पद पर बैंक का प्रतिनिधित्व किया। 14.8.85 को उनका देहावसान हुआ।

स्व. ठाकुर शिवकुमार सिंह

सहकारिता के विकास को नए आयाम देने वाले स्व. ठा.शिवकुमार सिंह का जन्म 26 जनवरी 1944 को श्री नवलसिंह के घर हुआ। एम.कॉम., एल.एल.बी करने के बाद आपको साहित्य रत्न की उपाधि दी गई। आप 1981 से नवलसिंह सहकारी शक्कर करखाना खलकोद के अध्यक्ष रहे तथा 1984 में नवलसिंह सूत मिल खरकौद की स्थापना की तथा संस्थापक अध्यक्ष भी बने। आपने बुरहानपुर नगर व जिले की अनेक सामाजिक सांस्कृतिक रहे। आप कृषि की उन्नति के लिए कृत संकल्प थे। ■

वर्गीकृत विज्ञापन सेवा

'हरियाली के रास्ते' के पाठकों और तहसील, पंचायत स्तर के छोटे विज्ञापनदाताओं के लिए वर्गीकृत विज्ञापन सेवा में आप निम्न प्रकार से विज्ञापन प्रकाशित करा सकते हैं।

व्यक्तिगत क्लासीफाइड

विज्ञापन के लिए निर्धारित कैटेगरी

खरीदना/बेचना, ट्रैक्टर ट्रॉली, थ्रेशर, खेत, मकान, मोटर, साइकल, पशु, मोटर, जनरेटर आदि, बीज, औषधीय फसल

मात्र 800 रु. में 4 माह तक प्रत्येक संस्करण अधिकतम 25 शब्द

अतिरिक्त शब्दों के लिए 3 रु. प्रति शब्द अधिकतम 40 शब्दों तक

प्रकाशन शुल्क का अग्रिम भुगतान नगद/ मनी ऑर्डर/ बैंक ड्राफ्ट द्वारा भेज सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :-

डिस्प्ले क्लासीफाइड

विज्ञापन के लिए निर्धारित कैटेगरी

बीज कंपनी, कीटनाशक, जैविक खाद, ट्रैवल्स, तीर्थयात्राएँ, आवश्यकता, ऑटोमोबाइल, कृषि सेवा केन्द्र , शिक्षण संस्थाएँ, प्रशिक्षण, बारदाने, कोल्ड स्टोरेज, गोदाम, होस्टल, वित्तीय सेवाएँ, चिकित्सा, एग्री क्लीनिक आदि

विज्ञापन दर : 15 रु./वर्ग सेमी/ प्रति अंक

आकार : न्यूनतम 4×5 सेमी = 20 वर्ग सेमी
अधिकतम 8×5 सेमी = 40 वर्ग सेमी

सम्पर्क करें : **हरियाली के रास्ते,** 111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186, ई-मेल : hariyalikeraste2010@gmail.com

सहकारी क्षेत्र का विकास कर्मचारियों पर निर्भर

• यशोवर्धन पाठक

सहकारी क्षेत्र का विकास विशेष रूप से सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों पर ही निर्भर है। सहकारी क्षेत्र के कर्मचारियों में निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ परस्पर सहयोग का भी होना अति आवश्यक है। परस्पर सहयोग अर्थात 'एक सबके लिए और सब एक के लिए' की मूल भावना का विकास। परस्पर सहयोग के इस अनुपम व प्रेरक वाक्य को सहकारी संस्थाओं के कर्मचारी आत्मसात करें, इसके लिए जरूरी है कि उनमें समन्वय की भावना सम्मिलित हो। आज प्रायः देखने में आ रहा है कि सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों के मध्य समन्वय की भावना कम होती जा रही है जबकि यही समन्वय की भावना कर्मचारियों के मध्य अभिप्रेरणा और मनोबल दोनों को जाग्रत करने में एक मददगार माध्यम सिद्ध होती है।

समन्वय के लिए सक्रिय प्रबंध अत्यंत आवश्यक

कर्मचारियों के मध्य समन्वय कैसे स्थापित करें, इस पर विचार करने के पूर्व यह चिंतन आवश्यक हो जाता है कि हम यह जान लें कि समन्वय वास्तव में है क्या? किसी भी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सक्रिय प्रबंध आवश्यक है और यह सक्रिय प्रबंध निर्भर करता है प्रबंध के प्रमुख कार्यों के समुचित क्रियान्वयन पर क्योंकि प्रबंध के कार्यों के सफल प्रयोग के बिना किसी भी लक्ष्य की पूर्ति असंभव है। प्रबंध के जो कार्य सहकारी क्षेत्र में मान्य है उनमें समन्वय भी एक महत्वपूर्ण कार्य है। प्रबंध के कार्यों में नियोजन, संगठन, संचालन, नियंत्रण, पर्यवेक्षण, नेतृत्व के साथ ही समन्वय की भी प्रबंध के कार्य के रूपमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अगर यह कहा जाए कि प्रबंध के सभी कार्य एक-दूसरे के पूरक होते हैं तो यह गलत न होगा।

समन्वय को समझने के लिए समन्वय की एक ऐसी सार्थक परिभाषा पर चिंतन करना आवश्यक है जो कि समन्वय के आशय की गंभीरतापूर्वक स्पष्ट करती हो। इस दिशा में प्रबंध के एक विद्वान चिंतक मेकफरलेंड की परिभाषा सहायक सिद्ध हो सकती है। मेकफरलेंड के अनुसार 'समन्वयन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक प्रबंधक अपने अधीनस्थों में सामूहिक प्रयास का एक सुव्यवस्थित स्वरूप विकसित करता है तथा सामूहिक उद्देश्य की प्राप्ति के लिए क्रिया संबंधी एकता स्थापित करता है।' उक्त परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि अपने अधीनस्थों में समन्वय की प्रक्रिया के अंतर्गत एक प्रबंधक सामूहिक प्रयास का

प्रबंध में समन्वय एक ऐसा कार्य है जो परस्पर सहयोग के बिना अपूर्ण है। जब तक कर्मचारियों में सहयोग नहीं होगा तब तक उनमें समन्वय भी उत्पन्न नहीं हो सकता। सहकारी क्षेत्र में भी शीर्ष प्रबंध को समन्वयन के लिए सक्रिय प्रयास इस प्रकार करना होगा जिससे कर्मचारियों को सुविधा भी हो और सहकारी संस्था का विकास भी।

एक सुव्यवस्थित स्वरूप का विकास कर क्षेत्र के कर्मचारियों में समन्वय की भावना का अभाव महसूस किया जा रहा है जो कि एक चिंतनीय पहलू है और इस पर आज के परिप्रेक्ष्य में विचार करना आवश्यक है।

जैसा कि मेकफरलेंड की परिभाषा में भी कहा गया है और अगर हम समन्वय की विशेषताओं पर विचार करें तो देखेंगे कि कर्मचारियों में समन्वय स्थापित करना सामान्यतया उच्चाधिकारियों का ही दायित्व होता है। और इसलिए जरूरी है कि संस्था के उच्चाधिकारी इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करें और विशेषकर सहकारी संस्थाओं के परिप्रेक्ष्य में जहाँ कि सामूहिक प्रयासों का सुव्यवस्थित स्वरूप विकसित करना संस्था के आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। सहकारी संस्थाओं की गतिविधियाँ जो कि सहकारिता के सिद्धांतों पर आधारित होती है क्या वहाँ कर्मचारियों के क्रियाकलापों में आज सहयोग और समन्वय का स्वरूप नजर आ रहा है? आज की परिस्थितियों में यह एक विचारणीय तथ्य है क्योंकि सहकारिता और समन्वय को प्रबंध के क्षेत्र में संस्था और कर्मचारी दोनों के विकास के लिए एक-दूसरे का पूरक समझा जाता है।

प्रबंध के अंतर्गत सहकारी संस्था से संबंधित कर्मचारियों में समन्वय के द्वारा प्रत्यक्ष संबंध स्थापित किया जा सकता है और यह सामूहिक प्रयासों का क्रमबद्ध संयोजन ही नहीं है वरन सामान्य उद्देश्यों की पूर्ति को सरल एवं सुविधाजनक भी बनाता है और इसीलिए समन्वय को प्रबंध का कार्य मात्र नहीं वरन सार भी कहा गया है। आज सामूहिक लक्ष्यों की पूर्ति के बिना समन्वय स्थापित करना कठिन है इसलिए जरूरी है कि इस पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया जाए कि सहकारी संस्थाओं के विकास के लिए कर्मचारियों में किस प्रकार समन्वय स्थापित किया जाए, लेकिन इस संबंध में यह समझना आवश्यक है कि समन्वय व्यक्ति के आंतरिक रूप से उत्पन्न वाली प्रक्रिया है जिसके लिए कर्मचारियों को बाध्य नहीं किया जा सकता है। इसके लिए अभिप्रेरणा और मनोबल के माध्यम से व्यक्ति के स्वभाव को समन्वय की ओर प्रेरित किया जा सकता है।

पर्याप्त सुविधाएँ और भरपूर सराहना जरूरी

आज देखा जा रहा है कि समन्वय के अभाव में कर्मचारियों में असंतोष की भावना बढ़ती जा रही है। कर्मचारियों में समन्वय की प्रबलता देखने उसी समय मिल सकती है जबकि शीर्ष प्रबंध कर्मचारियों से कार्य करवाने के लिए सार्थक उपाय न केवल सोचे बल्कि उसे अमल में लाएँ। कर्मचारियों में समन्वय की भावना उत्पन्न करने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि उन्हें जो कार्य सौंपा जाए उसे करने के लिए पर्याप्त सुविधा दी जाए और कार्य पूर्ण होने पर उनकी भरपूर सराहना भी की जाए। इससे उनमें उत्साह का संचार होगा और आगे कार्य करने के लिए प्रेरणा भी मिलेगी। कर्मचारियों में समन्वय उत्पन्न करने के लिए शीर्ष प्रबंध को स्वभाव और व्यवहार में बिना भेदभाव के निष्पक्षता और सरलता अपनाना होगी।

प्रबंध के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए हेनरी फेयोल ने प्रबंध के 14 सिद्धांतों का प्रतिपादन किया था। ये 14 सिद्धांतों का परिपालन प्रबंध में समन्वय सहित सभी कार्यों के विकास में सहायक सिद्ध हो सकता है। यह ध्यान रखना होगा कि प्रबंध में समन्वय एक ऐसा कार्य है जो परस्पर सहयोग के बिना अपूर्ण है। जब तक कर्मचारियों में सहयोग नहीं होगा तब तक उनमें समन्वय भी उत्पन्न नहीं हो सकता। पुराने समय की एक फिल्म का गीत 'साथी हाथ बढ़ाना' आज भी सहयोग व समन्वय की भावना व वातावरण विकसित करने हेतु एक प्रासंगिक व प्रेरक गीत है।

कर्मचारियों में समन्वय किस प्रकार स्थापित किया जाए इसके लिए शीर्ष प्रबंध को ही मुख्य रूप से अपने दायित्वों का निर्वाह करना होगा। इसलिए जरूरी है कि सहकारी क्षेत्र में भी शीर्ष प्रबंध को समन्वयन के लिए सक्रिय प्रयास इस प्रकार करना होगा जिससे कर्मचारियों को सुविधा भी हो और सहकारी संस्था का विकास भी। ■

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
हरियाली के रास्ते 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
साँची
SANCHI
श्री मोतीसिंह पटेल
(अध्यक्ष)
स्वाद और शक्ति से भरपूर साँची
श्री जे.एन.कंसोटिया
(प्रशासक, म.प्र. राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लि., भोपाल)
संचालकगण
श्री रामेश्वर गुर्जर
श्री किशोर परिहार
श्री विक्रम मुकाती
श्री जगदीश जाट
श्री राजेन्द्रसिंह पटेल
श्री रामेश्वर रघुवंशी
श्री तँवर सिंह चौहान
श्री सुरेश पटेल
श्री प्रहलादसिंह पटेल
श्री कृपालसिंह सेंधव
श्री महेन्द्र चौधरी
श्री ए.एन.द्विवेदी
(मुख्य कार्यपालन अधिकारी)
इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ मर्या.
तलावली चांदा, मांगलिया, जिला इन्दौर (फोन : 0731-2811189, टोल फ्री नं. : 1800 233 2535

ऐसे करें चने की उन्नत खेती

चना ठंडे और शुष्क मौसम की फसल है। म.प्र. में रबी ऋतु में पैदा की जाती है। ऐसे क्षेत्र में जहाँ वर्षा कम या सामान्य होती है। चने की खेती के लिए उपयुक्त है। चना के लिए खेत की मिट्टी बहुत ज्यादा महीन या भुरभुरी बनाने की आवश्यकता नहीं होती। बुवाई के लिए खेत को तैयार करते समय 2-3 जुताइयाँ कर खेत को समतल बनाने के लिए पाटा लगाएँ। पाटा लगाने से नमी संरक्षित रहती है।

बीज उपचार

उकठा एवं जड़ सड़न रोग से फसल के बचाव हेतु 2 ग्राम थायरम 1 ग्राम कार्बेंडाजिम के मिश्रण या बीया वेक्स 2 ग्राम/किलो से उपचारित करें। कीट नियंत्रण हेतु थायोमेथोक्सास 70 डब्ल्यू.पी. 3 ग्राम/किलो बीज की दर से उपचारित करें। पोशक तत्व उपलब्ध कराने हेतु राइजोबियम एवं पी.एस.बी. प्रत्येक की 5 ग्राम मात्रा प्रतिकिलो बीज की दर से उपचारित करें। 100 ग्राम गुड़ का आधा लीटर पानी में घोल बनाएँ। घोल को गुनगुना कर्म करें तथा ठंडा कर एक पैकेट राइजोबियम कल्चर मिलाएँ। घोल को बीज के ऊपर समान रूप से छिड़क दें और धीरे-धीरे हाथ से मिलाएँ ताकि बीज के ऊपर कल्चर अच्छे से चिपक जाएँ। उपचारित बीज को कुछ समय के लिए छाँव में सुखाएँ। पी.एस.बी. कल्चर से बीज उपचार राईजोबियम कल्चर की तरह करें। लिब्डिनम 1 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

बुवाई का समय

असिंचित अवस्था में चना की बुवाई नवंबर के द्वितीय सप्ताह तक कर देनी चाहिए। चना की खेती, धान की फसल काटने के बाद भी की जाती है, ऐसी स्थिति में बुवाई दिसंबर के मध्य तक अवश्य कर लेनी चाहिए। बुवाई में अधिक विलंब करने पर पैदावार कम हो जाती है तथा फसल में चना फलीभेदक का प्रकोप भी अधिक होने की संभावना बनी रहती है। अतः नवंबर का प्रथम सप्ताह चना की बुआई के लिए सर्वोत्तम होता है।

चना के बीज की मात्रा दानों के आकार (भार), बुआई के समय विधि एवं भूमि की उर्वराशक्ति पर निर्भर करती है। देशी छोटे दानों वाली किस्मों (जे.जी. 315, जे.जी. 74, जे.जी. 322, जे.जी. 12, जे.जी. 63, जे.जी. 16) का 65 से 75 कि.ग्रा./हैक्टे., मध्यम दानों वाली किस्मों (जे.जी. 130, जे.जी. 11, जे.जी. 14, जे.जी. 6) का 75-80 कि.ग्रा./हैक्टे., काबुली चने (जे.जी. के 1, जे.जी. के 2, जे.जी. के 3) की किस्मों का 100 कि.ग्रा./हैक्ट. की दर से बुवाई करें।

बुवाई की विधि

क्षेत्रवार संस्तुत रोगरोधी प्रजातियाँ तथा प्रमाणिक बीजों का चुनाव कर उचित मात्रा में प्रयोग करें। खेत पूर्व फसलों के अवशेषों से मुक्त होना चाहिए। इससे भूमिगत फफूंदों का विकास नहीं होगा। बोने से पूर्व बीजों की अंकुरण क्षमता की जाँच स्वयं जरूर करें। ऐसा करने के लिए 100 बीजों को पानी में आठ घंटे तक भिगो दें। पानी से निकालकर गीले तौलिये या बोरे में ढंककर

साधारण कमरे के तापमान पर रखें। 4-5 दिन बाद अंकुरित बीजों की संख्या गिन लें। 90 से अधिक बीज अंकुरित हुए हैं तो अंकुरण प्रतिशत ठीक है। यदि इससे कम है तो बोवनी क लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज का उपयोग करें या बीज की मात्रा बढ़ा दें।

समुचित नमी में सीडड्रिल से बुवाई करें। खेत में नमी कम हो तो बीज को नमी के संपर्क में लाने के लिए बुवाई गहराई में करें तथा पाटा लगाएँ। पौध संख्या 25 से 30 प्रतिवर्ग मीटर के हिसाब से रखें। पंक्तियों (कुंडों) के बीच की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. रखें। सिंचित अवस्था में काबुली चने में कुंडों के बीच की दूरी 45 से.मी. रखनी चाहिए। पछेती बोवनी की अवस्था में कम वृद्धि के कारण उपज में होने वाली क्षति की पूर्ति के लिए सामान्य बीज दर में 20-25 प्र.श. तक बढ़ाकर बोवनी करें। देरी से बोवनी की अवस्था में पंक्ति से पंक्ति की दूरी घटाकर 25 से.मी. रखें।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का उपयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही किया जाना चाहिए। चना के पौधों की जड़ों में पाई जाने वाली ग्रंथियों

चने की उपयुक्त किस्मों का करें चयन

किस्में	अवधि (दिन)	उपज (Q/H)	प्रमुख विशेषताएँ
(अ) काबुली चना की डालर/डबल डालर प्रजातियों का विकल्प			
जे.जी.के1	110-115	15-18	पौधे मध्यम लंबे, कम फैलने वाले, पत्तियाँ बड़ी सफेद फूल, क्रीम सफेद रंग का बड़े आकार का बीज।
जे.जी.के2	95-110	15-18	जल्दी पकने वाली, बड़ी पत्तियाँ, कम फैलाव, सफेद फूल, सफेद क्रीम रंग का बड़ा दाना। सौ दानों का वजन 33-36 ग्राम, पकने में उत्तम, बहुरोग रोधी।
जे.जी.के3	95-110	15-18	काबुली चने की बड़े दाने की जाति, बीज चिकना, सौ दानों का वजन 44 ग्राम, प्रचुर शाखाएँ।
(बी) देशी चने की प्रजातियाँ			
जे.जी. 14	95-110	20-25	दाल बनाने के लिए उपयुक्त, अधिक तापमान सहनशील, उकठा रोग प्रतिरोधी, मध्यप्रदेश के सिंचित क्षेत्रों, देर से बोने के लिए अनुशंसित।
जाकी9218	112	18-20	कम फैलाव वाला पौधा, भूरे-दाने कोणीय आकार, चिकनी सतह, सौ दाने का वजन 20-27 ग्राम, सिंचित एवं असिंचित खेती के लिए अनुशंसित।
जे.जी.63	110-120	20-25	उकठा, कालर सड़न, सूखा जड़ सड़न हेतु रोधी क्षमता, पाड़, बोरर हेतु सहनशील, सिंचित/असिंचित हेतु उपयुक्त। पूरे मध्यप्रदेश हेतु उपयुक्त। प्रचुर मात्रा में शाखाएँ तथा बड़ी फलियाँ, बीज पीला भूरा मध्यम बड़े आकार का।
जे.जी.412	90-100	18-20	सोयाबीन, आलू, चना फसल प्रणाली हेतु उपयुक्त देर से बोवनी हेतु अनुशंसित। चना फुटाने में उत्तम।
जे.जी.130	100-120	19	हल्का फैलाव वाला पौधा जिसमें प्रचुर मात्रा में शाखाएँ आती हैं, फल्की हरी पत्तियाँ, बैंगनी तना एवं गहरे गुलाब फूल, हल्का बादामी भूरे रंग का बड़ा कोणीय आकार का चिकना बीज, उकठा प्रतिरोधी, असिंचित क्षेत्र हेतु भी उपयुक्त।
जे.जी.16	110-120	18-20	यह किस्म असिंचित एवं सिंचित क्षेत्र हेतु उपयुक्त है, मध्यम आकार का चिकना बीज, उकठा रोग हेतु सहनशील।
जे.जी.11	100-110	15-18	बड़ा चिकना कोणीय आकार का बीज, उकठा, रोधी क्षमता, सूखा एवं जड़ सड़न रोधी, सिंचित व असिंचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त।
जे.जी.322	110-115	18-20	पौधे मध्यम लंबे, आवरण चिकना, बादामी हिस्सा निकला हुआ, उकठा रोग प्रतिरोधी, पूरे मध्यप्रदेश हेतु सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त, निमाड़ क्षेत्र के लिए अनुशंसित।
जे.जी.218	110-120	15-18	पत्तियाँ गहरी हरी, बादामी भूरे रंग की, कोणीय चिकना बड़ा बीज, उकठा रोग (फ्यूजेरियम विल्ट) हेतु प्रतिरोधक क्षमता, मालवा क्षेत्र के लिए अनुशंसित।
जे.जी.74	120-125	15-18	फूल गुलाबी रंग का, बज का आवरण झुर्रीदार, सिकुड़ा, दानों की ऊपरी सतह खुरदुरी, उकठा हेतु प्रतिरोधक क्षमता। साथ ही अनाज भंडारण कीड़ों के प्रति सहनशील है। देरी से बोवनी हेतु मध्य भारत के लिए अनुशंसित।
जे.जी.315	115-125	15-18	सबसे प्रचलित किस्म, उकठा रोग के लिए प्रतिरोधक क्षमता रखती है। देर से बोवनी हेतु भी उपयुक्त। मध्य भारत के लिए अनुशंसित।

में नत्रजन स्थिरीकरण जीवाणु पाए जाते हैं जो वायुमंडल से नत्रजन अवशोषित कर लेते हैं। अस नत्रजन का उपयोग पौधे अनी वृद्धि हेतु करते हैं। अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए 20-25 किलोग्राम नत्रजन, 50-60 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश व 20 किलोग्राम गंधक प्रति हैक्टेयर की दर से उपयोग करें। वैज्ञानिक शोध से पता चला है कि असिंचित अवस्था में 2% यूरिया या डीएपी का फसल पर स्प्रे करने से चना की उपज में वृद्धि होती है।

चने की खेती प्रायः असिंचित क्षेत्र में होती है। यदि सिंचाई उपलब्ध है तो प्रथम सिंचाई 45 दिन के बाद, दूसरी सिंचाई 75 दिन के बाद करने से उत्पादन में वृद्धि होती है। किसी भी दशा में सिंचाई उपरांत पानी भरा नहीं रहना चाहिए।

पौध संरक्षण

उकठा/उगरा रोग : उकठा चना की फसल का प्रमुख रोग है। उकठा के लक्षण बुवाई के 30 दिन से फली लगने तक दिखाई देते हैं। पौदों का झुककर मुरझाना, विभाजित जड़ में भूरी काली धारियों का दिखाई देना आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं।

नियंत्रण विधियाँ : चना की बुवाई अक्टूबर माह के अंत में या नवंबर माह के प्रथम सप्ताह में करें। बीज बोने के पहले कार्बाक्सिन 74 प्र.श. डब्ल्यू.पी. फफूंदनाशक की 2 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की दर से करें। ट्राइकोडर्मा 5 किलोग्राम/हैक्टे. 50 किलो ग्राम पकी गोबर की खाद के साथ मिलाकर खेत में डालें। सिंचाई दिन में न करते हुए शाम के समय करें। गर्मी के मौसम (अप्रैल-मई) में खेत की गहरी जुताई करें, उकठा रोगरोधी जातियाँ लगाएँ।

चना फलीभेदक : चने की फसल पर लगने वाले कीटों में फली भेदक सबसे खतरनाक कीट है। चना फलीभेदक सूंडी पीले, नारंगी, गुलाबी, भूरे या काले रंग की होती है। इसकी पीठ पर विशेषकर हल्के और गहरे रंग की धारियाँ होती हैं।

नियंत्रण विधियाँ : (क) यौन आकर्षण जाल (सेक्स फेरोमोन ट्रैप) : असका प्रयोग कीट का प्रकोप बढ़ने से पहले चेतावनी के रूप में करते हैं। जब नर कीटों की संख्या प्रति रात्रि प्रति ट्रैप 4-5 तक पहुँचने लगे तो समझना चाहिए कि अब कीट नियंत्रण जरूरी है।

इसमें उपलब्ध रसायन (सेप्टा) की ओर कीट आकर्षित होते हैं और विशेष रूप से बनी कीप (फनल) में फिसलकर नीचे लगी पॉलीथीन में एकत्र हो जाते हैं।

(ख) सस्य क्रियाओं द्वारा नियंत्रण : गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करने से इन कीटों की सूंडी के कोशित मर जाते हैं। फसल की समय से बुवाई करनी चाहिए।

अंतर्वती फसल : चना फसल के साथ धनिया/सरसों एवं अलसी को हर 10 कतार चने के बाद 1-2 कतार लगाने से चने की इल्ली का प्रकोप कम होता है तथा ये फसलें मित्र कीड़ों को आकर्षित करती हैं।

प्रपंची फसल : चना फसल के चारों ओर पीला गेंदा फूल लगाने से चने की इल्ली का प्रकोप कम किया जा सकता है। प्रौढ़ मादा कीट पहले गेंदा फूल पर अंडे देती है। अतः तोड़ने योग्य फूलों को समय-समय पर तोड़कर उपयोग करने से अंडे एवं इल्लियों की संख्या कम करने में मदद मिलती है।

जैविक नियंत्रण

1.न्युक्लियर पोलीहैड्रोसिस विषाणु आर्थिक हानि स्तर की अवस्था में पहुँचने पर सबसे पहले जैविक कीटनाशी, एच.एन.पी.वी. को 250 मि.ली. प्रति हैक्टे. के हिसाब से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए।

2. कीटभक्षी चिड़ियों को संरक्षण : फलीभेदक एवं कटुआ कीट के नियंत्रण में कीटभक्षी चिड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान है। साधारणतयः यह पाया गया है कि कीटभक्षी चिड़ियाँ 35 प्रतिशत तक चना फलीभेदक की सूंडी को नियंत्रित कर लेती है।

जैविक नियंत्रण : परजीवी कीड़ों को बढ़ावा देने के लिए अधिक पगरा वाली फसल जैसे धनिया आदि को खेत के चारों ओर लगाना चाहिए। यदि खेत में जगह-जगह पर तीन फीट लंबी डंडियाँ टी एंटीना (टी आकार में) लगा दी जाएँ तो इन पर पक्षी बैठेंगे जो सूंडियों को खा जाते हैं। इन डंडियों को फसल पकने से पहले हटा दें जिससे पक्षी फसल के दानों को नुकसान न पहुँचाएँ।

रासायनिक नियंत्रण : विभिन्न कीटनाशी रसायनों की कटुआ इल्ली/फलीभेदक इल्ली को नियंत्रित करने के लिए संस्तुत किया गया है। जिनमें से क्लोरोपायीरफास (2 मि.ली. प्रति लीटर पानी) या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी. 300 ग्राम प्रति हैक्टेयर या इमामेक्टिव बेंजोइट की 200 ग्राम दवा प्रति हैक्टेयर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

कटाई, मड़ाई

चना की फसल की कटाई विभिन्न क्षेत्रों में जलवायु, तापमान, आर्द्रता एवं दानों में नमी के अनुसार विभिन्न समयों पर होती है। फली से दाना निकालकर दाँत से काटा जाए और कट की आवाज आए, तब समझना चाहिए कि चना की फसल कटाई के लिए तैयार है। चना के पौदों की पत्तियाँ हल्की पीली अथवा हल्की भूरी हो जाती हैं या झड़ जाती हैं तब फसल की कटाई करना चाहिए। फसल के अधिक पककर सूख जाने से कटाई के समय फलियाँ टूटकर खेत में गिरने लगती हैं, जिससे काफी नुकसान होता है। समय से पहले कटाई करने से अधिक आर्द्रता की स्थिति में अंकुरण क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। काटी गई फसल को एक स्थान पर इकट्ठा करके खलिहान में 4-5 दिनों तक सुखाकर मड़ाई की जाती है। मड़ाई थ्रेशर से या फिर बैलों या ट्रैक्टर को पौधों के ऊपर चलाकर की जाती है। टूटे-फूटे, सिकुड़े दाने वाले रोरग ग्रसित बीज व खरपतवार भूसे और दाने का पंखों या प्राकृतिक हवा से अलग कर बोरों में भर कर रखें। ■

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

हरियाली के रास्ते 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनिल हर्षवाल
(प्रभारी सीईओ)

सौजन्य से

श्री महावीर शाक्य (शा.प्र. महू)
श्री मोहनसिंह कुशवाह (पर्य. महू)
श्री राधेश्याम मिश्रा (शा.प्र. मानपुर)
श्री राजेन्द्र पटेल (पर्य. मानपुर)
श्री इसीदौर चंपावत (शा.प्र. दतोदा)
श्री इसीदौर चंपावत (पर्य. दतोदा)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सीतापाट, जि.इंदौर
श्री दिनेश बरनासिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामली, जि.इंदौर
श्री शरीफ मोहम्मद (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कोदरिया, जि.इंदौर
श्री ओमप्रकाशसिंह चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गवली पलासिया, जि.इंदौर
श्री शरीफ मोहम्मद (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेण, जि.इंदौर
श्री दिनेश बरनासिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़गोंदा, जि.इंदौर
श्री ओमप्रकाशसिंह चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. महूगाँव, जि.इंदौर
श्री रामसिंह राठौड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भगोरा, जि.इंदौर
श्री प्रमोद दुबे (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. आटखेड़ी, जि.इंदौर
श्री रामसिंह राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कैलोद, जि.इंदौर
श्री रामसिंह राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. हरसोला, जि.इंदौर
श्री राजेश पाटीदार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. आम्बाचंदन, जि.इंदौर
श्री मोहनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सातेर किशनगंज, जि.इंदौर
श्री मोहनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मानपुर, जि.इंदौर
श्री सुमित शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. यशवंत नगर, जि.इंदौर
श्री राजेन्द्र पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खुर्दी, जि.इंदौर
श्री पवन मीणा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कमदपुर, जि.इंदौर
श्री सदाशिव परसावदिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. शेरपुर, जि.इंदौर
श्री सुदामा चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. हासलपुर, जि.इंदौर
श्री राजेन्द्र पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दतोदा, जि.इंदौर
श्री शेखर भारती (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सिमरोल, जि.इंदौर
श्री ओमप्रकाश पाटीदार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जोशी गुराड़िया, जि.इंदौर
श्री कैलाश जोशी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. चोरल, जि.इंदौर
श्री प्रदीप दुबे (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कालाकुण्ड, जि.इंदौर
श्री अनिल बर्वे (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

नवंबर माह के कृषि कार्य

गेहूँ फसल

● कण्डूआ रोग की रोकथाम के लिए कार्बेन्डाजिम अथवा थीरम 2.5 ग्रा./ किग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें। गेहूँ की समय से बुआई के लिए नवम्बर माह उपयुक्त समय है।

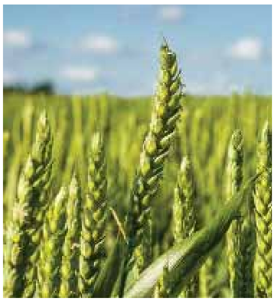

● पूसा 3038 (पूसा गौतमी) एचडी 3059 (पूसा पछेती), एचडी 3042 (पूसा चैतन्य) एचडी 2967 (पूसा सिंधू गंगा), एचडी 2851 (पूसा विशेष) गेहूँ की समय पर बुआई के लिए उपयुक्त किस्में है।

● गेहूँ बुआई के 21 दिन बाद पहली सिंचाई करें।

● गेहूँ में 120:50:40 एनपीके की दर से उर्वरक डालें। बुवाई के समय नाईट्रोजन की आधी तथा फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा आधार खुराक के रूप में उालें।

सब्जियाँ

● टमाटर तथा फूलगोभी की पछेती किस्मों की रोपाई करें।

● रोपाई से पहले खेत में 20-25 टन प्रति हैक्टेअर की दर से गोबर की खाद व 120:100:60 किग्रा नाईट्रोजन फास्फोरस पोटाश प्रति हैक्टेयर भूमि में डालें।

● गाजर, शलजम व मूली की बुवाई करें।

● प्याज की नर्सरी तैयार करें। प्याज की उन्नत किस्में पूसा रेड, पूसा माधवी, पूसा रिद्धी किस्मों की नर्सरी में बुआई करे।

● पालक में यदि सफेद रतुआ के लक्षण दिखाई दें तों मैंकोजेब या रिडोमिल एमजैड 72 दव का 2.5 ग्रा./लिटर पानी में घोल बनाकर छिडाव करें।

फल फसलें

● आम के पौधों मे जहां गोंद निकलने के लक्षण दिखें उन्हे खूरच कर साफ करे तथा घाव पर वबोरडेक्स दवा का लेप कर दें।

● फलों के पेड पर यदि शाखाओं पर शीर्षरंभी क्षय बीमारी के लक्षण दिखाई दें तो उन शाखाओं को काटकर 0.3 प्रतिशत कॉपर ऑक्सीक्लोराईड के घोल का 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।

● पपीते, मौसम्बी, ग्रेप तथा चकोतरे की तुडाई करें।

दलहनी फसलें

● मध्य अक्टूबर से नवम्बर के पहले सप्ताह तक चने की बुवाई कर दें। छोटे दाने वाली किस्मों के लिए बीज दर 80 किग्राम/है. तथा मोटे दानों वाली किस्मों के लिए 100 किग्रा/ हैक्टेयर की दर से बुआई करे।

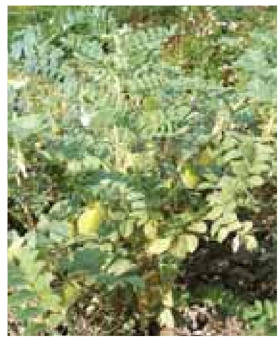

● दलहन की बुवाई के 45 तथा 75 दिन बाद 2 सिंचाई करें।

● बुआई के समय नाईट्रोजन फास्फोरस गंधक जिंक की 20:50:20:25 किग्रा /है. की मात्रा आधार खुराक के रूप में डाले।

● नवम्बर के दूसरे सप्ताह तक मटर की बुआई कर दें। मटर की किस्मे पूसा प्रभात, पूसा प्रगति व पूसा पन्ना की बुआई करें। ■

प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना: 'एक राष्ट्र एक उर्वरक' का शुभारंभ किया

किसान सम्मेलनों से उन्नत कृषि तकनीक को बढ़ावा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत 600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने 'प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना- एक राष्ट्र एक उर्वरक' का भी शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत 16,000 करोड़ रुपये की 12वीं किस्त भी जारी की। प्रधानमंत्री ने कृषि स्टार्टअप सम्मेलन और प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने उर्वरक पर एक ई-पत्रिका 'इंडियन एज' का भी शुभारंभ किया। श्री मोदी ने स्टार्टअप प्रदर्शनी की थीम पवेलियन का भ्रमण किया और वहां प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया।

प्रधानमंत्री ने एक परिसर में जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान की उपस्थिति को स्वीकार करते हुए कहा कि हम आज यहां इस मंत्र का जीवंत रूप देख सकते हैं। उन्होंने आगे विस्तार से बताया कि किसान सम्मेलन किसानों के जीवन को आसान बनाने, उनकी क्षमता को बढ़ाने और उन्नत कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने का एक साधन है। श्री मोदी ने कहा कि आज 600 से अधिक प्रधानमंत्री समृद्धि केंद्रों का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने आगे विस्तार से बताया कि ये केंद्र न केवल उर्वरक के लिए बिक्री केंद्र हैं बल्कि देश के किसानों के साथ एक गहरा संबंध स्थापित करने के लिए एक तंत्र भी हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की नई किस्त के संबंध में प्रधानमंत्री ने कहा कि बिना किसी बिचौलिए को शामिल किए पैसा सीधे किसानों के खातों में पहुंचता है। पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में करोड़ों किसान परिवारों को 16,000 करोड़ रुपये की एक और किस्त भी जारी की गई है। श्री मोदी ने कहा और इस बारे में खुशी व्यक्त की कि यह किस्त दिवाली से ठीक पहले किसानों तक पहुंच रही है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आज प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना- एक राष्ट्र एक उर्वरक को भी शुरू किया गया है जो कि किसानों को भारत ब्रांड का सस्ता गुणवत्तायुक्त उर्वरक सुनिश्चित कराने की एक योजना है।

केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री की उपस्थिति किसानों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के सक्षम नेतृत्व में नई पहल की जा रही हैं। केंद्रीय कृषिमंत्री श्री नरेन्द्रसिंह तोमर ने कहा कि कृषि में अनुसंधान को भी प्रोत्साहित किया गया है और इसके कारण, भारत विश्व का पहला देश बन गया है जिसने नैनो यूरिया का व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि 600 किसान समृद्धि केंद्र अनेक प्रकार से किसानों को मजबूत करेंगे।

प्रधानमंत्री ने रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत 600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) का उद्घाटन किया। इस योजना के तहत देश में खुदरा खाद की दुकानों को चरणबद्ध तरीके से पीएमकेएसके में बदला जाएगा। पीएमकेएसके किसानों की विभिन्न प्रकार की जरूरतों को पूरा करेंगे और कृषि सामग्री (उर्वरक, बीज, उपकरण), मिट्टी, बीज और उर्वरकों के लिए परीक्षण सुविधाएं प्रदान करेंगे; किसानों के बीच जागरूकता पैदा करेंगे; विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और ब्लॉक/जिला स्तर के आउटलेट पर खुदरा विक्रेताओं का नियमित क्षमता निर्माण सुनिश्चित करेंगे। 3.3 लाख से ज्यादा खुदरा उर्वरक दुकानों को पीएमकेएसके में बदलने की योजना है।

प्रधानमंत्री ने 'प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना- एक राष्ट्र, एक उर्वरक' का भी शुभारंभ किया। इस योजना के तहत प्रधानमंत्री, भारत यूरिया बैग लॉन्च करेंगे जो कंपनियों को एक ब्रांड नाम 'भारत' के तहत उर्वरकों की मार्केटिंग में मदद करेंगे।

पराली का प्रबंधन सबकी सामूहिक जिम्मेदारी : श्री तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शन में, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) द्वारा धान की पराली के कुशल प्रबंधन के लिए विकसित पूसा डीकंपोजर के किसानों द्वारा बेहतर व इष्टतम उपयोग के उद्देश्य से पूसा, दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में कार्यशाला आयोजित की गई, जिससे सैकड़ों किसान मौजूद थे एवं 60 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के माध्यम से हजारों किसान वर्चुअल भी जुड़े।

पूसा संस्थान द्वारा डीकंपोजर की तकनीक यूपीएल सहित अन्य कंपनियों को ट्रांसफर की गई है, जिनके द्वारा इसका उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। इनके माध्यम से गत 3 वर्षों में पूसा डीकंपोजर का प्रयोग/प्रदर्शन उ.प्र. में 26 लाख एकड़, पंजाब में 5 लाख एकड़, हरियाणा में 3.5 लाख एकड़ व दिल्ली में 10 हजार एकड़ में किया गया है, जिसके बहुत अच्छे परिणाम आए हैं। यह डीकंपोजर सस्ता है और देशभर में सरलता से उपलब्ध है।

कार्यशाला में केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रदूषण से बचाव के लिए धान की पराली जलाने से रोकते हुए इसका समुचित प्रबंधन सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। संबंधित राज्य सरकारों- पंजाब, हरियाणा, उ.प्र. व दिल्ली को केंद्र द्वारा पराली प्रबंधन के लिए 3 हजार करोड़ रु. से ज्यादा की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

कार्यशाला में पूसा डीकंपोजर उपयोग करने वाले, इन राज्यों के कुछ किसानों ने अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए, वहीं लाइसेंसधारक ने भी पूसा डीकंपोजर के फायदों किसानों को बताए। केंद्रीय कृषि सचिव श्री मनोज अहूजा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के डीडीजी (एनआरएम) डा. एस.के. चौधरी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. अशोक कुमार सिंह ने भी कार्यशाला में संबोधित किया। श्री तोमर व पूसा आए किसानों ने प्रक्षेत्र भ्रमण करते हुए पूसा डीकंपोजर का जीवंत प्रदर्शन देखा व स्टाल्स का अवलोकन कर जानकारी ली।

सरकार ने गेहूँ का समर्थन मूल्य 110 रु. क्विंटल बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के किसानों को दिवाली का तोहफा रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर दिया है। सरकार ने चालू रबी सत्र 2022-23 के लिए रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर दिया है। रबी फसलों के समर्थन मूल्य में 5 से 9 प्रश की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि से कृषि क्षेत्र अधिक ऊर्जावान बनेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र तोमर का कहना है कि रबी फसलों का बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य किसानों की आमदनी बढ़ाने में लाभकारी साबित होगा। उत्पादन लागत से डेढ़ गुना अधिक समर्थन मूल्य दिया गया है।

विगत दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सम्पन्न आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने रबी पसलों के समर्थन मूल्य को स्वीकृति प्रदान की। रबी सीजन में सबसे अधिक बोई जाने वाली गेहूँ की फसल के समर्थन मूल्य में 100 रु. प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य अब 2125 रु. प्रति क्विंटल हो गया है। चने के समर्थन मूल्य में 105 रु. की वृद्धि कर 5335 रु. क्विंटल हो गया है। मसूर का एमएसपी 9 फीसदी बढ़ाकर 6000 रु. क्विंटल किया गया। इसमें सबसे अधिक 500 रु. क्विंटल की वृद्धि की गई।

तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार ने सरसों के समर्थन मूल्य में लगभग 8 प्रश वृद्धि की गई है। सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य अब 5450 रु. क्विंटल कर दिया गया है। कुसुम का समर्थन मूल्य 209 रु. क्विंटल बढ़ाकर 5650 रु. प्रति क्विंटल किया गया है। जौ के समर्थन मूल्य 100 रु. क्विंटल बढ़ाकर 1735 रु. क्विंटल कर दिया गया है।

कृषि लागत एवं मूल्य आयोग ने 6 तरह की विभिन्न रबी फसलों के समर्थन मूल्य में 3 से 9 प्रश वृद्धि की सिफारिश की थी। उसी आधार पर सरकार ने 5 से 9 फीसदी समर्थन मूल्य बढ़ाया है।

रबी सत्र 2022-23 के लिए एमएसपी बढ़ोतरी

फसल	2021-22	2022-23	बढ़ोतरी
गेहूँ	2015	215	110
जौ	1635	1735	100
चना	5230	5335	105
मसूर	5500	6000	500
सरसों	5050	5450	400
कुसुम	5441	5650	209

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

हरियाली के रास्ते 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री अरविंद दुबे (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पुष्पेन्द्र कुशवाह (प्रभारी उपायुक्त सहकारिता)

श्री कमल ककाशे (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एस.यू. सिद्दीकी (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मंडीदीप, जि.रायसेन
श्री बृजेश वर्मा (प्रबंधक)

सौजन्य से :
श्री रामगोपाल सनोड़िया (शा.प्र. मंडीदीप)
श्री मोहम्मद आफाक (शा.प्र. औबेदुल्लागंज)
श्री संजय सक्सेना (शा.प्र. देहगाँव)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गौहरगंज, जि.रायसेन
श्री सगीर मोहम्मद (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मुंडला, जि.रायसेन
श्री नरेन्द्र पाल (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. औबेदुल्लागंज, जि.रायसेन
श्री गुरुप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नूरगंज, जि.रायसेन
श्री हेमंत नागर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चांदलाखेड़ी, जि.रायसेन
श्री सादिक मोहम्मद (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. दीवटिया, जि.रायसेन
श्री राजेश चौहान (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नरवर, जि.रायसेन
श्री संतोष साहू (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चिकलोदखुर्द, जि.रायसेन
श्री हनुमतसिंह प्रजापति (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सलकनी, जि.रायसेन
श्री दीपक गौर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सांचेत, जि.रायसेन
श्री सुरेश लोधी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. दाहोद, जि.रायसेन
श्री समुन्दरसिंह नागर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. तामोट, जि.रायसेन
श्री गुरुप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मुडियाखेड़ा, जि.रायसेन
श्री रूपसिंह पन्द्राम (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पोलाहा, जि.रायसेन
श्री रंजीत लोवंशी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चिकलोदकलां, जि.रायसेन
श्री धर्मेन्द्र राय (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. देहगाँव, जि.रायसेन
श्री लक्ष्मीनारायण रघुवंशी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. उमरावगंज, जि.रायसेन
श्री माधवसिंह लोवंशी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. तजपुरा, जि.रायसेन
श्री सगीर मोहम्मद (प्रबंधक)

प्राथ. कृषि साख सह. संस्था मर्या. हिनोतिया महलपुर, जि.रायसेन
श्री मनोज दुबे (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

तेंदूपत्ता संग्राहकों के खातों में अंतरित किये 41.63 करोड़

खंडवा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 15 नवम्बर से प्रदेश में पेसा एक्ट लागू कर दिया जायेगा, जिससे हमारे जनजातीय भाई-बहनों को कई सुविधाएँ मिलेंगी। सामाजिक समरसता के साथ सामाजिक न्याय भी मिलेगा। तेंदूपत्ता संग्राहक के बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी सरकार देगी। अब तेंदूपत्ता के कुल लाभांश की 75 प्रतिशत राशि तेंदूपत्ता संग्राहकों में वितरित की जायेगी। खालवा में अगले शिक्षण-सत्र से महाविद्यालय खोला जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान खालवा जिला खण्डवा में लघु वनोपज सहकारी समितियों की क्षमता वृद्धि हेतु प्रशिक्षण सह जागरूकता एवं तेन्दूपत्ता लाभांश वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 786 करोड़ रूपये लागत के 43 कार्यों का भूमि-पूजन एवं 79 करोड़ 59 लाख रूपये लागत के 9 कार्यों का लोकार्पण किया। साथ ही खण्डवा, नर्मदापुरम, बैतूल एवं उज्जैन वृत्त के कुल 10 वन मण्डल की 102 लघु वनोपज समितियों के 1 लाख 68 हजार 601 संग्राहकों के बैंक खाते में 41 करोड़ 63 लाख 29 हजार 75 रूपये हस्तांतरित किये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर लगी विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हितग्राहियों को बोनस राशि के चेक देकर सम्मानित किया।

वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने 731 करोड़ रूपये की एनव्हीडीए खालवा उद्वहन सिंचाई योजना से जिले के 76 गाँवों के निवासियों की जमीन सिंचित होगी। इसमें इंदिरा सागर जलाशय हरसूद तहसील के ग्राम नंदगाँव से जल उद्वहन कर खालवा तहसील लाया जायेगा। इस मौके पर खण्डवा जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, बैतूल सांसद श्री डी.डी. उईके, विधायक श्री देवेन्द्र वर्मा, श्री राम दांगोरे, श्री नारायण पटेल और श्री संजय शाह सहित जन-प्रतिनिधि, संभागायुक्त इंदौर श्री पवन शर्मा, कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

खराब उत्पाद की ब्रांडिंग में सेलिब्रिटी भी होंगे जिम्मेदार

भोपाल। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने कहा है कि उत्पाद या सेवाओं को लेकर किए जाने वाले भ्रामक प्रचार पर रोक लगाने का प्रावधान किया गया है। यदि कोई लोकप्रिय व्यक्ति या सेलिब्रिटी किसी ऐसे उत्पाद या सेवा का प्रचार-प्रसार करता है या उसे बढ़ावा देता है, जिससे उपभोक्ता को नुकसान हुआ हो या नुकसान होने की संभावना है तो उत्पाद के विनिर्माता या सेवा प्रदाता के साथ ही सेलिब्रेटी को भी जिम्मेदार माना जाएगा। एम.बी.बी.एस. की तरह लॉ की पढ़ाई भी हिन्दी में प्रारंभ की जाना चाहिए। इससे हिन्दी मीडियम के छात्र भी सहजता से कानून की पढ़ाई कर सकेंगे।

मंत्री श्री सिंह राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 को लागू करने की चुनौतियाँ विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला के सेमीनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन उपभोक्ता संरक्षण की मंशा के अनुरूप लोगों को त्वरित न्याय एवं जागरूकता प्रदान करने में महती भूमिका अदा करेगा। कार्यशाला का शुभारंभ प्रमुख सचिव खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण श्री फैज़ अहमद किदवई, वाइस चांसलर प्रो. डॉ. विजय कुमार एवं प्रो. डॉ. राजीव खरे द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

13वाँ स्थापना वर्ष

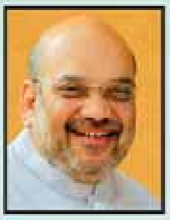

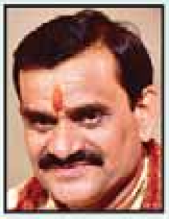

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

हरियाली के रास्ते 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से
श्री अनिल मालाकार (शा.प्र. राजपुर)
श्री सीताराम मोगरे (पर्य. राजपुर)
श्री गोविंद पाटीदार (शा.प्र. पलसूद)
श्री उमेश शर्मा (पर्य. पलसूद)
श्री मोतीलाल यादव (शा.प्र. दवाना)
श्री सुभाष शर्मा (पर्य. दवाना)
श्री महेश मुकाती (शा.प्र. ठीकरी)
श्री रमेश यादव (पर्य. ठीकरी)
श्री सुभाष कानूनगो (शा.प्र.जुलवानिया)
श्री सुरेशचंद्र शारदे (पर्य. जुलवानिया)
श्री सुरेश चौबे (शा.प्र. अंजड़)
श्री विक्रमसिंह सोलंकी (पर्य. अंजड़)

श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)

श्री अम्बरीश वैद्य
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री राजेन्द्र आचार्य
(प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजपुर, जि.बड़वानी
श्री सीताराम मोगरे (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सवगाँव, जि.बड़वानी
श्री दिलीप ठक्कर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दातोद, जि.बड़वानी
श्री रमेश मुजाल्दे (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. रणगाँव डेब, जि.बड़वानी
श्री मालूराम परिहार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भागसुर, जि.बड़वानी
श्री लक्ष्मण चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पलसूद, जि.बड़वानी
श्री उमेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मैणीमाता, जि.बड़वानी
श्री मनोहरलाल गुप्ता (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. उपला, जि.बड़वानी
श्री राजेन्द्र जोशी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. चिखल्या, जि.बड़वानी
श्री गुप्ता जी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दवाना, जि.बड़वानी
श्री सुभाष शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. ब्राह्मणगाँव, जि.बड़वानी
श्री राजेन्द्र धनगर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. तलवाड़ा डेब, जि.बड़वानी
श्री यशवंत राठौड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. ठीकरी, जि.बड़वानी
श्री रमेश यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. वरूफाटक, जि.बड़वानी
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जुलवानिया, जि.बड़वानी
श्री सुरेश शारदे (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अंजड़, जि.बड़वानी
श्री गोपाल यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मंडवाड़ा, जि.बड़वानी
श्री विक्रमसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

महिला उद्यमी पार्क का भूमि-पूजन कर 21 महिला उद्यमियों को भूमि आवंटन-पत्र सौंपे

पीथमपुर म.प्र. की औद्योगिक राजधानी : मुख्यमंत्री

धार। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पीथमपुर मध्यप्रदेश की औद्योगिक एवं रोजगार देने वाली राजधानी बन गया है। यहाँ बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापित हुए हैं और उद्योगों के लिये निवेश आने का क्रम जारी है। यहाँ बेटियों के लिये अलग से महिला उद्यमी पार्क बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान पीथमपुर में रोजगार दिवस और 'एक जिला-एक उत्पाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 1371 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात दी और 3 लाख 19 हजार युवाओं को स्व-रोजगार से जोड़ने के लिये 2577 करोड़ रूपये की ऋण राशि का वितरण किया। साथ ही महाराणा प्रताप और शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने महिला उद्यमी पार्क का भूमि-पूजन कर 21 महिला उद्यमियों को भूमि आवंटन-पत्र भी सौंपे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पीथमपुर में 1100 एमएसएमई इकाइयों में 12 हजार 777 करोड़ रूपये का निवेश है और 38 हजार 770 लोगों को रोजगार मिला है। यहाँ 95 बड़ी औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हैं, जिसमें 26 हजार 320 करोड़ रूपये का निवेश है और 53 हजार 493 लोगों को रोजगार मिला है। इस तरह से कुल एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। पीथमपुर के फार्मा सेक्टर ने दुनियाभर को कोविड में दवाएँ पहुँचा कर अद्भुत काम किया है।

लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि प्रदेश में 2 हजार से ज्यादा युवाओं ने स्टार्ट-अप प्रारंभ किये हैं। साथ ही फर्नीचर एवं टॉय क्लस्टर के लिये विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। औद्योगिक निवेश एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत से प्रोत्साहित होकर मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लिये कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिसमें 52 जिलों के 38 उत्पादों को 'एक जिला-एक उत्पाद' के रूप में चयनित किया गया है।

कार्यक्रम में धार जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सांसद श्री छतर सिंह दरबार, विधायकगण, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री संजय शुक्ला, लघु, सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम श्री पी. नरहरि अन्य जन-प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में युवा एवं महिला समूह की सदस्य उपस्थित रहे।

बुदनी के कलात्मक खिलौनें अब भोपाल में बिकेंगे

भोपाल। गौहर महल में संत रविदास हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की प्रबंध संचालक श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ किया। एंब्रॉयडरी हुरमुचो की विशेषज्ञ आर्टिस्ट सुश्री सरला सोनेजा (ग्वालियर) विशेष रूप से उपस्थित थी। शोरूम प्रारंभ होने से काष्ठ शिल्पियों की आय में वृद्धि होगी। 'एक जिला-एक उत्पाद' अंतर्गत बुदनी जिला सीहोर के लकड़ी के कलात्मक खिलौनें और अन्य हस्तशिल्प के एक्सक्लूसिव मृगनयनी शोरूम के शुभारंभ पर अनेक हस्त शिल्पी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि काष्ठ शिल्प के उत्कृष्ट कलाकार बुदनी में कई वर्ष से लकड़ी के खिलौनों का विक्रय करते आ रहे हैं। इनका विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर भी आउटलेट शुरू हुआ है। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीहोर श्री हर्ष सिंह, हस्तशिल्पी, हस्तशिल्प विकास निगम के अधिकारी-कर्मचारी और कला प्रेमी नागरिक भी उपस्थित थे।

13वाँ स्थापना वर्ष

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री विजयपालसिंह सोनगरा (शा.प्र. खाचरौद)
श्री वीरेन्द्र सिंह पंवार (पर्य. खाचरौद)

श्री संजय मेहता (शा.प्र. महिदपुर रोड)
श्री रमेशचंद्र पण्ड्या (पर्य. महिदपुर रोड)

श्री आशीष सिंह | श्री डी.एल. मकवाना | श्री मनोज गुप्ता | श्री एम.ए. कमाली | श्री विशेष श्रीवास्तव

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नायन, जि.उज्जैन श्री वीरेन्द्रसिंह पंवार (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. पचलासी, जि.उज्जैन श्री ओमप्रकाश पाटीदार (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नरसिंहगढ़, जि.उज्जैन श्री नंदकिशोर राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कनवास, जि.उज्जैन श्री मनोज पाण्डे (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. संदला, जि.उज्जैन श्री ईश्वरलाल गोस्वामी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कमठाना, जि.उज्जैन श्री अंतरसिंह जाधव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. चिरोला, जि.उज्जैन श्री धर्मेन्द्र सिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मंडावदा, जि.उज्जैन श्री कचरूलाल प्रजापत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. गोगापुर, जि.उज्जैन श्री बनेसिंह चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बेहलोला, जि.उज्जैन श्री जितेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सर्वोदय, जि.उज्जैन श्री आनंदीलाल व्यास (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कोयल, जि.उज्जैन श्री रमेशचंद्र पण्ड्या (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नरेड़ीपाता, जि.उज्जैन श्री भगवती शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नद्यांसी, जि.उज्जैन श्री दीपसिंह डोडिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. झुटावदा, जि.उज्जैन श्री मुकेश त्रिवेदी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भीकमपुर, जि.उज्जैन श्री शाकिब अहमद (प्रबंधक)	**समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से**	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सगवाली, जि.उज्जैन श्री घनश्याम सिंह (प्रबंधक)

मुख्यमंत्री ने 2519 करोड़ रूपये की लागत के 69 सीएम राइज स्कूलों के नवीन भवन के लिये भूमिपूजन किया

शासकीय विद्यालयों की बदल रही है सूरत और सीरत

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में शिक्षण सुविधाओं को सुदृढ बनाने, विस्तारित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये प्रदेश में सीएम राइज योजना के तहत 2 हजार 519 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले 69 सीएम राइज स्कूलों के नवीन भवन का भूमिपूजन इंदौर में आयोजित समारोह में किया। इनमें इंदौर के 5 सीएम राइज स्कूल शामिल हैं। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट तथा पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर विशेष रूप से मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सीएम राइज योजना एक नई सामाजिक क्रांति है। इस योजना के माध्यम से शासकीय स्कूलों को सर्वसुविधायुक्त तथा संसाधनयुक्त बनाया जा रहा है। नये भवन बनाये जा रहे हैं। योग्य एवं कुशल, कर्मठ तथा लगनशील शिक्षकों की व्यवस्था की जा रही है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की व्यवस्था शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि सीएम राइज स्कूलों में स्मार्ट क्लास, लायब्रेरी, प्रयोगशाला, खेल मैदान सहित अन्यम सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी। सरकारी स्कूलों को प्रायवेट स्कूलों से बेहतर बनाया जायेगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पोलोग्राउंड स्थित विकसित किये जा रहे सीएम राइज स्कूल शासकीय अहिल्या आश्रम उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-एक के प्रागंण में स्थापित प्रातः स्मरणीय अहिल्या माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने उपस्थित बालिकाओं पर पुष्प वर्षा कर स्वागत-सत्कार किया। मुख्यमंत्री जी ने समारोह परिसर में सीएम राइज स्कूल पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में सीएम राइज योजना पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

कार्यक्रम में सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़ तथा श्री महेंद्र हार्डिया, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता, श्री राजेश सोनकर, श्री मनोज पटेल, आईडीए के पूर्व अध्यक्ष श्री मधु वर्मा, श्री गौरव रणदिवे, पूर्व महापौर श्री कृष्ण मुरारी मोघे, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी, आयुक्त लोक शिक्षण श्री अभय वर्मा, संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा तथा कलेक्टर श्री मनीष सिंह भी मौजूद थे।

कृषि विज्ञान केंद्रों ने 900 गांवों को गोद लिया

नई दिल्ली। देश में कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) ने माइक्रोबियल (सूक्ष्मजीव) आधारित कृषि अपशिष्ट प्रबंधन व वर्मीकम्पोस्टिंग (कृमि उर्वरक) को प्रदर्शित करने और इसे बढ़ावा देने के लिए 900 गांवों को गोद लिया है। गत एक माह में स्वछता अभियान के तहत 22 हज़ार से अधिक किसानों के सामने कृषि अवशेषों (पराली आदि) के सूक्ष्मजीव आधारित डीकंपोजर और कृषि अवशेषों व अन्य जैविक कचरे को कृमि उर्वरक में बदलने से संबंधित तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। किसानों के अलावा 3000 स्कूली बच्चों में वर्मी कम्पोस्टिंग के बारे में जागरूकता उत्पन्न की गई। मृदा के स्वास्थ्य और फसल उत्पादकता में सुधार के लिए उचित रूप से अपघटन के बाद उपयोग किए जाने पर फसल अवशेष मूल्यवान जैविक पदार्थ हैं। अधिकांश फसल अवशेषों की प्राकृतिक उर्वरक बनने की प्रक्रिया की लंबी अवधि के कारण किसान इसे जलाकर निपटाने का काम करते हैं। इसके परिणामस्वरूप एक मूल्यवान संपत्ति की बर्बादी के अलावा इससे पर्यावरण प्रदूषण भी होता है। कंपोस्टिंग तकनीकें पूसा डीकंपोजर जैसे कुशल सूक्ष्मजीवी अपघटक का उपयोग करके अपघटन प्रक्रिया को तेज करती हैं, जिससे कम अवधि में उच्च गुणवत्ता वाली जैविक उर्वरक प्राप्त होती है। अवशेषों की राख की जगह इससे निर्मित जैविक उर्वरक मृदा में कार्बनिक कार्बन व अन्य जरूरी पोषक तत्वों को पौधों के उपलब्ध करवाता है और मिट्टी में सूक्ष्मजीव आधारित गतिविधि को बढ़ावा देता है।

शांति और समस्याओं का समाधान केवल भारतीय दर्शन से

इंदौर। आज पूरे विश्व में किसी न किसी रूप में उथल-पुथल मची हुई है। शांति एवं समस्याओं के समाधान के लिए वैश्विक स्तर पर अनेक प्रकार के उपाय किये जा रहे हैं, किन्तु व्यावहारिक धरातल पर न तो शांति स्थापित हो पा रही है और न ही समस्याओं का समाधान। अब ऐसे में प्रमुख सवाल यह उभर कर आता है कि आखिर विश्व में शांति कैसे स्थापित होगी और वैश्विक स्तर पर व्याप्त तमाम समस्याओं का समाधान कैसे होगा? इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारतीय दर्शन की तरफ पूरी दुनिया को अग्रसर होना ही होगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने यह बात डेली कालेज इंदौर के सभागार में आयोजित यंग थिंकर कॉनक्लेव के शुभारंभ अवसर पर कही। प्रज्ञा प्रवाह के संयोजन में आयोजित इस दो दिवसीय कॉनक्लेव में समूचे भारत से आये लगभग पाँच सौ युवा शिरकत कर रहे हैं।

प्रज्ञा प्रवाह के संयोजक श्री जे नन्दकुमार, राजीव गांधी प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री सुनील कुमार, देवी अहिल्या विश्विद्यालय की कुलपति सुश्री रेणु जैन, महर्षि पणिनि वैदिक विद्यापीठ के कुलपति श्री विजय कुमार, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, डेली कालेज के अध्यक्ष श्री विक्रम पवार मंचासीन थे। आरम्भ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। स्वागत भाषण यंग थिंकर फ़ोरम के श्री आशुतोष ठाकुर ने दिया और कहा कि अतिथियों को स्मृति चिन्ह स्वरूप वाग्देवी की प्रतिमा की प्रतिकृति दी है। कार्यक्रम में मंत्री द्वय श्री तुलसीराम सिलावट और सुश्री उषा ठाकुर, साँसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, डॉ. निशांत खरे, श्री गौरव रणदिवे सहित जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे

सागर। छोटी-छोटी बचत करके मध्य प्रदेश के विकास में सहभागी बनें। उक्त विचार मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन एवं मध्यप्रदेश के प्रभारी मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित महाकवि पद्माकर सभागार में व्यक्त किए। श्री भदौरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में लगातार मध्यप्रदेश विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि स्वच्छता, पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य व सभी क्षेत्रों में देश में अपना स्थान बनाकर अव्वल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि बात लाडली लक्ष्मी योजना की हो, टाइगर राज्य, अब तो चीता राज्य भी हमारा मध्यप्रदेश बन रहा है। उन्होंने कहा कि मैं हमारे वरिष्ठ सहयोगी मंत्री श्री गोपाल भार्गव का हृदय से धन्यवाद देता हूं जिनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में तीन लाख किलोमीटर की सड़क का कार्य प्रगति पर है। लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा कि जब तक जन सहयोग नहीं होगा तब तक विकास करने में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। राज्य की प्रगति का संकल्प लेकर कार्य करें। राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य से विकसित राज्य बनाने का कार्य सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि आज मध्यप्रदेश सरकार सभी क्षेत्र में अग्रणी हैं और आगे भी रहेगी। इस अवसर पर सांसद श्री राजबहादुर सिंह, विधायक श्री शैलेंद्र जैन, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, श्री गौरव सिरोठिया, संभागायुक्त श्री मुकेश शुक्ला, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग, कलेक्टर श्री दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक श्री तरुण नायक, नगर निगम कमिश्नर श्री चंद्रशेखर शुक्ला, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री क्षितिज सिंघल, अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शशि मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं जनसमुदाय मौजूद था। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर अतिथियों द्वारा सागर को गौरवान्वित करने वालों को सम्मानित किया गया। पद्मश्री श्री राम सहाय पांडे, श्री दिव्यांशु आनंद मुकुंद गुप्ता, श्री संजीव सराफ का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरविंद जैन द्वारा किया गया जबकि आभार नगर निगम कमिश्नर श्री चंद्रशेखर शुक्ला ने माना।

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री दीपक आर्य (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री पी.के. सिद्धार्थ (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.के. ओझा (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री डी.के. राय (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से : श्री महेश जैन (शा.प्र. राहतगढ़) श्री बलरामसिंह ठाकुर (पर्य. राहतगढ़) श्री आर.सी. गुरु (शा.प्र. सुरखी) श्री नंदकिशोर तिवारी (पर्य.)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मसुरयाई, जि.सागर
श्री कमल मीणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढकरई, जि.सागर
श्री बलरामसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. राहतगढ़, जि.सागर
श्री दिलीप गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेरखेरी सड़क, जि.सागर
श्री अशोक दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मानकी सलैया, जि.सागर
श्री राजकुमार तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ऐरन मिर्जापुर, जि.सागर
श्री किशोरसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमराझिला, जि.सागर
श्री किशोरसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झिला, जि.सागर
श्री महेश चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैंसा, जि.सागर
श्री जितेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सीहोरा, जि.सागर
श्री देशराजसिंह लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिरनखेड़ा, जि.सागर
श्री नाथूराम आठिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुरखी, जि.सागर
श्री नंदकिशोर तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोकलपुर, जि.सागर
श्री जितेन्द्र राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चतुर्भटा, जि.सागर
श्री मुन्नालाल जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हीरापुर, जि.सागर
श्री रामचरण लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चितौरा, जि.सागर
श्री रमाकांत मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. महुआखेड़ा, जि.सागर
श्री देवेन्द्र दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिलहरा, जि.सागर
श्री लक्ष्मीनारायण मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सहजपुरी, जि.सागर
श्री देवीसिंह राजपूत (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को लाभान्वित किया

शत प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को योजनाओं में लाभान्वित करें

सागर। प्रदेश के सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया देवरी तहसील की ग्राम पंचायत महाराजपुर में आयोजित मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान शिविर में शामिल हुए। उन्होंने शिविर में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं में हितग्राहियों को लाभान्वित किया। प्रभारी मंत्री ने संबल योजना के तहत 8 हितग्राहियों को दो-दो लाख की राशि की स्वीकृति प्रदाय किये जाने के स्वीकृति पत्र वितरित किए। इसी प्रकार राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना में 2 हितग्राहियों को 20 -20 हजार की राशि प्रदान किए जाने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अंतर्गत 9 हितग्राहियों को और भवन सह कर्मकार मंडल के अंतर्गत 87 हितग्राहियों को कार्ड वितरित किए गए।

श्री भदौरिया ने कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न हितग्राही मूलक 38 योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिले। लोगों को कार्यलयों के चक्कर न लगाने पडें और अपने घर पर ही योजनाओं को लाभ मिल जाए। इसी मंशा को लेकर मुख्यमंत्री सेवा अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कोई भी प्रात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वचित न रहें शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ मिले। प्रभारी मंत्री श्री भदौरिया ने कहा कि अब किसानों को खाद के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि शीघ्र इस आशय का आदेश जारी किया जा रहा है कि डिफाल्टर या गैर डिफाल्टर किसानों को सोसाइटी से ही खाद मिल जाएगा।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री गौरव सिरोठिया, पूर्व विधायक श्री भानु राणा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवेंद्र सिंह, जनपद अध्यक्ष श्री विनीत पटेरिया, सरपंच श्रीमती आकांक्षा संतोष सोनी, कलेक्टर से दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक तरुण नायक, जिला पंचायत सीईओ श्री क्षितिज सिंघल, एसडीएम श्री सीएल वर्मा, जनपद सीईओ देवेंद्र कुमार विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे।

गाँव में भी मिलेंगे साँची के उत्पाद

उज्जैन। मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन द्वारा साँची उत्पादों को प्रदेश के गाँव-गाँव तक पहुँचाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत उज्जैन दुग्ध संघ द्वारा जिले के पालखंदा और नरवर ग्राम में साँची उत्पाद के विक्रय केन्द्र शुरू किये गये। इससे ग्रामीणों को साँची उत्पादों की सुविधा के साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ डॉ. सी.बी. सिंह ने बताया कि साँची ग्रामीण विक्रय केन्द्रों की स्थापना सतत रूप से जारी रहेगी। कोशिश की जायेगी कि दुग्ध संघ से संबंधित सभी दुग्ध सहकारी समितियों को ग्रामीण साँची विक्रय केन्द्र पार्लर के रूप में विकसित किया जाये।

श्री पटेल की श्री धामी से मुलाकात

देहरादून। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से उत्तराखंड मंत्रालय में सौजन्य मुलाकात की। कृषि मंत्री श्री पटेल सपरिवार उत्तराखंड की यात्रा पर हैं। उन्होंने केदारनाथ धाम और बद्री नाथ धाम में सपरिवार दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंत्री श्री पटेल ने केदारनाथ कॉरीडोर में स्थापित आदि शंकराचार्य की समाधि को भी नमन किया। उन्होंने हरिद्वार में हर की पौड़ी में दीप दान किया। मंत्री श्री पटेल सपरिवार माँ गंगा की सांध्य कालीन आरती में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश की खुशहाली के साथ किसानों के कल्याण की कामना की।

प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहे हैं गाँव : लालवानी

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट और सांसद श्री शंकर लालवानी सांवेर विधानसभा क्षेत्र के क़दवाली और लसुड़िया परमार गाँव पहुँचे। उन्होंने यहाँ स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल योजना का लोकार्पण किया। सांसद श्री शंकर लालवानी ने इस अवसर पर कहा कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र के गाँव क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से विकास के पथ पर सतत् आगे बढ़ रहे हैं। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जल जीवन मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान की अगुवाई में प्रदेश में ग्रामीण जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है।

ग्राम लसुड़िया परमार में सांसद श्री शंकर लालवानी और मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आजीविका मिशन के तहत महिलाओं के लिए बनाए गए सिलाई सेंटर का शुभारंभ भी किया। इस सेंटर के प्रारंभ होने से गाँव की महिलाओं में खुशी देखी गई। लसुड़िया परमार में जल जीवन मिशन के तहत 89.15 लाख रूपये की लागत से नल जल योजना प्रारंभ की गई है। यहाँ 125 कि.ली. क्षमता वाला एक ओवर हैड टैंक बनाया गया है । लगभग 2 हज़ार की आबादी वाले इस गाँव में घरों में नल कनेक्शन योजना के तहत दिए गए हैं। ग्राम कदवाली खुर्द में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना प्रारंभ की गई है। गाँव में अभी तक 362 घरों में नल का कनेक्शन दिया जा चुका है। इन दोनों गाँव में पहले पानी की समस्या थी। लेकिन अब घरों में नल के द्वारा पानी मिलने से गाँव में विशेष तौर पर महिलाओं में खुशी का वातावरण है।

मंत्री के भ्रमण के दौरान एसडीएम सांवेर श्री रवीश श्रीवास्तव, तहसीलदार पल्लवी पुराणिक, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के कार्यपालन यंत्री श्री सी.के.उदिया तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद सांवेर श्री मुकेश जैन एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अपशिष्टों के निस्तारण में भी इंदौर बना बेहतर मॉडल

इंदौर। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) प्रिंसिपल बेंच नई दिल्ली के सदस्य डॉ. अफरोज अहमद ने इंदौर में स्वच्छता, पर्यावरण सुधार, अपशिष्टों के निस्तारण, भू-जल स्तर में वृद्धि और वॉटर प्लस की दिशा में हुये कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की है। उन्होंने कहा कि इंदौर स्वच्छता और पर्यावरण सुधार के साथ ही अपशिष्टों के निस्तारण के क्षेत्र में बेहतर मॉडल के रूप में उभरा है। इंदौर के मॉडल का अनुकरण अन्य जिलों और शहरों को भी करना होगा। इंदौर में जैव- चिकित्सा अपशिष्टों (बॉयो मेडिकल वेस्ट) के निस्तारण में बेहतर कार्य हो रहे है।

डॉ. अफरोज अहमद ने यहां एआईसीटीएसएल के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में इंदौर में अपशिष्टों के निस्तार विशेकर बॉयो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री मनीष सिंह, नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिभा पाल , क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड श्री एस.एन. द्विवेदी सहित नगर निगम, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों और इंडियन मेडिकल एसोशिएशन तथा नर्सिंग होम एसोशिएशन के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में डॉ. अहमद ने कहा कि बॉयो मेडिकल वेस्ट का उचित और वैज्ञानिक तरीके से निपटान होना अतिआवश्यक है। इसके लिये उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र से निकलने वाले बॉयो मेडिकल वेस्ट के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये वैज्ञानिक मानकों के तहत कार्य करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार 6 वर्षो से अव्वल रहने से इंदौर के प्रशासन और नागरिकों ने अपने जागरूकता, सक्षमता, संवेदनशीलता और कर्मठता का बेहतर परिचय दिया है। इंदौर में नयी ऊँचाईयों को हासिल किया है। डॉ. अहमद ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये इंदौर कलेक्टर मनीष सिंह और जिले की समस्त प्रशासनिक टीम तथा नागरिक बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर अब अपशिष्टों के निस्तारण के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाये।

'सिवनी जम्बो सीताफल' ब्रांड को लोकप्रिय बनाएँ

सिवनी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सिवनी में 'एक जिला-एक उत्पाद' कार्यक्रम अंतर्गत उत्पाद 'सिवनी जम्बो सीताफल' का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान सीताफल के जम्बो आकार, विशिष्ट गुण तथा स्वाद आदि के संबंध में अवगत हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सिवनी जम्बो सीताफल को लोकप्रिय बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयास पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सिवनी जम्बो सीताफल उत्पादक किसान और इसका प्र-संस्करण कर पल्प और अन्य उत्पाद बनाने वाली आजीविका मिशन की बहनों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य दिलाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ब्रांड की बेहतर मार्केटिंग कर देश- प्रदेश में इसे लोकप्रिय बनाने के भी निर्देश दिये। सिवनी जिले में 656 हेक्टेयर क्षेत्र में 6500 मीट्रिक टन से अधिक सीताफल का उत्पादन होता है। सीताफल का वजन 600 से 700 ग्राम होने से इसका नाम 'सिवनी जम्बो सीताफल' रखा गया है। अपने विशिष्ट आकार तथा स्वाद से इसकी देश-प्रदेश में अच्छी माँग है। इसे विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूह की सहभागिता से सीताफल की पल्प यूनिट प्रारंभ की गई है और एफपीओ का गठन किया गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं प्रभारी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा, सांसद डॉ. ढाल सिंह बिसेन, विधायक सर्वश्री दिनेश राय और राकेश पाल मौजूद थे।

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें किसान : श्री पटेल

हरदा। कृषि मंत्री श्री कमल पटेल ने सभी किसानों से अपील की है कि वे प्राकृतिक खेती करें तथा रासायनिक खेती धीरे-धीरे कम करें। उन्होने सभी नागरिकों से बिजली व पानी बचाने तथा गौ माता के संरक्षण के लिये प्रयास करने और अपने घरों व खेत की मेढ़ों पर पौधरोपण करने की अपील भी की। श्री पटेल कलेक्ट्रेट के वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष में उपस्थित किसानों व गणमान्य नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि गोवर्धन पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के किसानों व गणमान्य नागरिकों को संबोधित किया और सभी से प्राकृतिक खेती करते हुए रासायनिक खेती को धीरे-धीरे कम करने, बिजली व पानी बचाने तथा गौ संरक्षण व पौधरोपण करने की अपील की।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती कमेड़िया, कलेक्टर श्री ऋषि गर्ग, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरीशंकर मुकाती सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण भी मौजूद थे। कृषि मंत्री श्री पटेल ने इस अवसर पर कहा कि वे इस वर्ष से 10 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करेंगे तथा अगले वर्षों में अपनी शतप्रतिशत खेती प्राकृतिक पद्धति से ही करेंगे। उन्होने इस अवसर पर अपील की है कि फसल कटने के बाद पराली न जलाएं। उन्होने कहा कि किसान अपनी फसल की ग्रेडिंग कराएं तथा प्रोसेसिंग भी कराएं तो उनकी आय बढ़ेगी। श्री पटेल ने कहा कि प्रति हेक्टेयर गेहूँ, चना व मूंग उत्पादन में हरदा जिला नम्बर 1 है। अब प्राकृतिक खेती के मामले में भी हरदा जिला नम्बर वन हो, इसके लिये सभी किसानों को मिलकर प्रयास करना होगा।

किसान अन्नदाता के साथ अब ऊर्जादाता भी बनेगा : गडकरी

मंडला। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को निरंतर कृषि कर्मण पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। अब मध्यप्रदेश कृषि उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। किसान अन्नदाता के साथ अब ऊर्जादाता भी बनेगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री गडकरी ने मंडला में मंडला और डिंडोरी जिले के लिए 1261 करोड़ रूपये लागत की 5 सड़क परियोजना का शिलान्यास किया। केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने देशभर में ऊर्जा के क्षेत्र में परिवहन मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई नई परियोजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मध्यप्रदेश में परिवहन के क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की आवश्यकता बताई। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री गडकरी ने मंडला-जबलपुर हाई-वे के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा देश के सभी धार्मिक स्थानों तक पहुँचने के लिए लगातार बारह-मासी सड़कों का निर्माण जारी है। उन्होंने अमरकंटक से लेकर धार-झाबुआ तक नर्मदा एक्सप्रेस-वे के निर्माण के संबंध में कहा कि इस मार्ग के निर्माण के लिए मंत्रालय द्वारा अध्ययन जारी है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार चारों तरफ सड़कों के जाल बिछाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने मंडला और डिंडोरी जिले के लिए केंद्र सरकार द्वारा दी गई नई 5 सड़क परियोजना की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को धन्यवाद दिया।

केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने जबलपुर-नैनपुर बाईपास, कान्हा क्षेत्र को प्रमुख मार्गो से जोड़ने, नैनपुर-सिवनी हाई-वे, मंडला-लखनादौन के लिए नई परियोजनाओं की स्वीकृति का आग्रह किया। प्रदेश के लोक निर्माण कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को नई सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए धन्यवाद दिया। मंत्री श्री भार्गव ने सड़क, पुलिया एवं फ्लाईओवर निर्माण के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री गडकरी को विजनरी, दृष्टिवान एवं नवाचार का धनी बताया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुश्री संपतिया उईके, विधायकगण सर्वश्री देवसिंह सैयाम, डॉ. अशोक मर्सकोले और श्री नारायण पट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा और जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कमलेश टेकाम उपस्थित रहे।

इन्दौर में इंटर नेशनल रोड सेफ्टी सेमिनार सम्पन्न

सड़कों को 1 वर्ष में ब्लैक-स्पॉट से मुक्त करेंगे : श्री भार्गव

इंदौर। लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा है कि प्रदेश में सड़क दुर्घटना पर नियंत्रण के लिए आगामी एक वर्ष में प्रदेश की सड़कों को ब्लैक स्पॉट से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने यह बात इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सेमिनार ऑन रोड सैफ्टी : करंट सिनेरियो वे फारवर्ड सेमिनार में कही। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनों को नियंत्रित करने के लिए सरकार और समाज को सम्मिलित प्रयास करने होंगे। श्री भार्गव ने कहा कि हम एक ऐसा सिस्टम तैयार करना चाहते हैं, जिसमें यातायात नियमों का और सख्ती से पालन हो। दुर्घटनाएँ न हो इस विषय में हमें गंभीरता से सोचना होगा। कार्यक्रम में इंडियन रोड कांग्रेस के सेक्रेटरी जनरल श्री एस.के. निर्मल, वाइस प्रेसिडेंट श्री आर.के. मेहरा, इंजीनियर इन चीफ एमपी पीडब्ल्यूडी श्री नरेंद्र कुमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री जी.पी. मेहरा, नेशनल हाई-वे के टेक्निकल मेंबर श्री महावीर सिंह, इंडियन रोड कांग्रेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री प्रणब कुमार, चेयरमेन कमेटी श्री बी.के. चौहान और लोकल ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी श्री आर.के. जोशी भी उपस्थित थे। सेमिनार में आई.आर.सी. द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्टीय स्तर के विशेषज्ञों और विभिन्न राज्यों से 120 प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। मध्यप्रदेश के जिलों के विभिन्न विभागों के 130 प्रतिनिधियों ने भी भागीदारी की। दो दिवसीय सेमिनार में कुल 17 तकनीकी प्रस्तुतिकरण किये गये।

13वाँ स्थापना वर्ष

किसान क्रेडिट कार्ड

कृषि यंत्र के लिए ऋण

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)

मत्स्य पालन हेतु ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री आशीष माहेश्वरी (शा.प्र. पारा)
श्री इक्रमसिंह टैगोर (पर्यवेक्षक पारा)
श्री कृष्णकांत नायक (शा.प्र. रानापुर)
श्री जगदीश चौहान (शा.प्र. उदयगढ़)
श्री वेलसिंह पलासिया (शा.प्र. रामा)
श्री राजेन्द्र मिश्र (पर्यवेक्षक रामा)
श्री गमलसिंह पटेल (शा.प्र. भाभरा)
श्री कैलाशचंद कायथ (पर्यवेक्षक भाभरा)
श्री जुवानसिंह सोलंकी (शा.प्र. जोबट)
श्री महिपालसिंह राणावत (पर्यवेक्षक जोबट)

श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सुश्री वर्षा श्रीवास
उपायुक्त सहकारिता
झाबुआ-अलीराजपुर

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पारा, जि.झाबुआ
श्री रणवीरसिंह राठौर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खरडूबड़ी, जि.झाबुआ
श्री मौंगीलाल चोपड़ा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पिथनपुर, जि.झाबुआ
श्री संजय सादेरा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रजला, जि.झाबुआ
श्री इक्रमसिंह टैगोर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रानापुर, जि.झाबुआ
श्री शांतिलाल मेड़ा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. समोई, जि.झाबुआ
श्री प्रदीप भंसाली (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मोरडूंडिया, जि.झाबुआ
श्री सलीम पठान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कुंदनपुर, जि.झाबुआ
श्री राजू नायक (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पाडलवा, जि.झाबुआ
श्री नीलेश भूरिया (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कालीदेवी, जि.झाबुआ
श्री नवलसिंह परमार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. माछलिया, जि.झाबुआ
श्री राजेन्द्र मिश्रा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. उमरकोट, जि.झाबुआ
श्री राजेन्द्र मिश्रा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. उदयगढ़, जि.अलीराजपुर
श्री राजेन्द्र राठौर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बोरी, जि.अलीराजपुर
श्री मगनसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. काना काकड़, जि.अलीराजपुर
श्री तेजबहादुर सिंह (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कुण्डलवासा, जि.अलीराजपुर
श्री विजय गाँधी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. चंद्रशेखर आजाद नगर, जि.अलीराजपुर
श्री जगदीश पांचाल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बरझर, जि.अलीराजपुर
श्री शैलेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. झीरण, जि.अलीराजपुर
श्री शैलेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सेजवाड़ा, जि.अलीराजपुर
श्री कैलाशचंद्र कायथ (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. जोबट, जि.अलीराजपुर
श्री महिपालसिंह राणावत (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बड़ी खट्टाली, जि.अलीराजपुर
श्री जुवानसिंह मंडलोई (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बड़ागुड़ा, जि.अलीराजपुर
श्री केरूसिंह गाडरिया (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कनवाड़ा, जि.अलीराजपुर
श्री मनोज सोलंकी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मध्यप्रदेश को बेस्ट परफारमेंस स्टेट अवार्ड में दूसरा स्थान

राजकोट (गुजरात)। मध्यप्रदेश को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में बेस्ट परफार्मिंग स्टेट अवार्ड श्रेणी में देश में दूसरा स्थान मिला है। इसके साथ ही 'पीएमएवाय अवार्ड्स-2021 : 150 डेज चेलेंज' में मध्यप्रदेश को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कुल 8 श्रेणी में अवार्ड प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजकोट (गुजरात) में इंडियन अर्बन हाउसिंग कॉनक्लेव में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह को बेस्ट परफार्मिंग स्टेट का अवार्ड प्रदान किया। इस दौरान केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी, म.प्र. के प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री मनीष सिंह, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री भरत यादव और स्टेट मिशन डायरेक्टर श्री सतेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

प्रदेश को 8 अवार्ड मिलने पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने नागरिकों को बधाई दी है तथा विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि आगे भी इसी तरह मिल कर नगरीय विकास की हर योजना में प्रदेश को अव्वल बनाना है।

म्युनिसिपल अवार्ड (सिटी लेबल) में बेस्ट परफार्मिंग म्युनिसिपल अवार्ड नगरपालिक निगम देवास को द्वितीय स्थान, बेस्ट परफार्मिंग म्युनिसिपल कॉउंसिल में नगरपालिका परिषद गोहद जिला भिण्ड को द्वितीय और बेस्ट परफार्मिंग नगर पंचायत में नगर परिषद जोबट जिला अलीराजपुर को प्रथम स्थान मिला है। बेस्ट सीएलटीसी अवार्ड नगरपालिक निगम देवास, नगरपालिका परिषद गोहद और नगर परिषद जोबट को मिला है।

खाद आपूर्ति की शिकायतों का शीघ्र निराकरण करें

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सभी जिलों में किसानों के लिए पर्याप्त खाद की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस बारे में पहले भी निर्देश दिए गए हैं। फिर भी कहीं कहीं से प्राप्त हो रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए। पन्ना भ्रमण में भी मुख्यमंत्री श्री चौहान को कुछ वितरण केंद्रों के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई, जिसे लेकर उन्होंने अप्रसन्नता व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रबंध और समाधान की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पन्ना जिले के दौरे से लौटने के बाद मुख्यमंत्री निवास में सहकारिता मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया के साथ प्रदेश में खाद व्यवस्था के बारे में चर्चा कर व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरस्त रखने के निर्देश दिए। बैंक में प्रमुख सचिव सहकारिता श्री के.सी. गुप्ता, प्रबंध संचालक मार्कफेड श्री आलोक सिंह, सहकारिता आयुक्त श्री संजय गुप्ता, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस. तिवारी सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

भोपाल सहकारी दुग्ध संघ को ए+ ग्रेड

भोपाल। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा भोपाल सहकारी दुग्ध संघ को विभिन्न मानकों के आधार पर 106 में से 101 अंक दिये गये हैं। प्रदेश के किसी भी दुग्ध संघ को पहली बार इतने अंक प्राप्त हुए हैं। भोपाल दुग्ध संघ को ऑडिट में ए+ ग्रेड प्राप्त हुआ है। दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी.एस. तिवारी ने बताया कि पिछले वर्ष भी दुग्ध संघ को 96 अंकों के साथ ए+ ग्रेड मिला था। ए+ ग्रेड के लिए 95-106 अंक श्रेणी सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निर्धारित है। भोपाल दुग्ध संघ को यह अंक सभी आयामों में स्वच्छता, अनुभवी और तकनीकी ज्ञान से संपन्न स्टाफ, दूध और दुग्ध उत्पादों के बेहतर प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज का हर 2 घंटे में तापमान मापन, द्वार पर प्लास्टिक स्ट्रेप कर्टेन, डबल डोर स्लाडिंग आदि में प्राप्त हुए हैं।

किसान ऑनलाइन बेच सकेंगे फसल

सीहोर। राज्य शासन एवं मंडी बोर्ड द्वारा किसानों को कृषि उपज विपणन के क्षेत्र में अभिनव कदम उठाते हुए मोबाईल एप के माध्यम से अपनी कृषि उपज का विक्रय अपने घर, खलिहान, गोदाम से कराने की सुविधा प्रदान की गई है। मंडी बोर्ड ने बताया कि सर्वप्रथम अपने एंड्राइड मोबाईल पर प्ले स्टोर में जाकर मंडी बोर्ड भोपाल का मोबाईल एप MP FARM GATE APP डाउनलोड करना होगा तथा एप इंस्टाल कर कृषक पंजीयन पूर्ण करना होगा। फसल विक्रय के समय किसानों को अपनी कृषि उपज के संबंध में मंडी फसल, ग्रेड-किस्म, मात्रा एवं वांछित भाव की जानकारी दर्ज करना होगा। किसानों द्वारा अंकित की गई समस्त जानकारियां चयनित मंडी के पंजीकृत व्यापारियों को प्राप्त जाएगी तथा प्रदर्शित होगी।

प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड ने अहिल्याबाई होलकर मंडी प्रांगण का किया निरीक्षण

इंदौर। प्रबंध संचालक, राज्य कृषि विपणन बोर्ड श्रीमती जी.व्ही. रश्मि द्वारा देवी अहिल्याबाई होलकर फल सब्जी मंडी प्रांगण का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने संपूर्ण मंडी प्रांगण का भ्रमण किया। उन्होंने कर्मचारियों, व्यापारियों एवं हम्मालों से उनके व्यापार के संबंध में जानकारी ली गई। भ्रमण के दौरान अपर कलेक्टर एवं भारसाधक अधिकारी मंडी श्री राजेश राठौर, संयुक्त संचालक मंडी बोर्ड श्री महेन्द्रसिंह चौहान, सहायक संचालक एवं सचिव मंडी श्री नरेश कुमार परमार, व्यापारी प्रतिनिधि श्री ओमप्रकाश गर्ग, श्री मकसूद राईन तथा श्री राजेन्द्र पाटीदार उपस्थित रहे। इस दौरान प्रांगण व्यवस्था के सुधार के संबंध में चर्चा की गई। व्यापारी प्रतिनिधियों द्वारा अवगत कराया गया कि फल एवं सब्जी मंडी के व्यापार को देखते हुये वर्तमान में अधिकारी-कर्मचारी पर्याप्त संख्या में नहीं है। प्रांगण के आस-पास झुग्गियों में रहने वाले लोगों द्वारा मंडी प्रांगण में अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर चोरी आदि की घटनाएं की जाती है। मंडी प्रांगण में एक ही तौलकांटा है। अतिरिक्त एक और तौलकाटा बनाये जाने की मांग की गई। प्रांगण में सुचारू आवागमन हेतु फोर व्हीलर एवं टू-व्हीलर की मल्टीलेवल पार्किंग बनाई जाने, साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से संपूर्ण मंडी प्रांगण में पर्याप्त संख्या में सी.सी.टी.व्ही. एवं कन्ट्रोल रूम स्थापित किये जाने की बात कही गई। प्रबंध संचालक श्रीमति जी. व्ही. रश्मि द्वारा व्यवस्थाओं को दुरूस्त किये जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

बैंक खाता आधार से लिंक कराना जरूरी

इन्दौर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त कर रहे जिले के कृषक अपना ई-केवाइसी एवं बैंक खाता आधार से लिंक करवाएं। योजना का लाभ प्राप्त कर रहे सभी किसानों को अपना ई-केवाइसी और आधार नंबर बैंक खाता से लिंक अनिवार्य है। लिंक नहीं होने की दशा में दोनों योजनाओं की किश्तों का भुगतान किसानों को नहीं किया जाएगा।

रबी फसलों के लिये उपलब्ध है पर्याप्त मात्रा में उर्वरक

इंदौर। कलेक्टर मनीष सिंह ने बताया है कि सभी निजी खाद विक्रेताओं को भी सचेत किया गया है की क़ीमत एवं कालाबाज़ारी सम्बंधित शिकायत पायी गयी तो आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं कालाबाज़ारी अधिनियम के तहत वॉरंट जारी किये जाएँगे। उन्होंने कहा कि जिले में कुल रबी फसलों का क्षेत्रफल 2 लाख 45 हजार 525 हेक्टेयर है, जिसमें गेहूं फसल की बोवनी 1 लाख 87 हजार हेक्टेयर में होना संभावित है। अभी तक लगभग 40 से 45 प्रतिशत क्षेत्र में बोवनी हो चुकी है। गेहूं की फसल में बोवनी के पश्चात प्रथम सिंचाई पर यूरिया टॉप ड्रेसिंग की आवश्यकता होती है। अभी तक रबी फसल हेतु जिले में उर्वरक यूरिया 13 हजार 216 मेट्रिक टन, डीएपी 3 हजार 278 मेट्रिक टन एवं एनपीके 9 हजार 789 मेट्रिक टन की आपूर्ति की जा चुकी है तथा लगातार उर्वरक रेक की आपूर्ति जिले में हो रही है। उपसंचालक कृषि ने बताया कि उर्वरक की समुचित वितरण व्यवस्था हेतु मार्कफेड के जिले में कुल 8 डबल लॉक केन्द्र है। एक एमपी एग्रो केन्द्र तथा 5 मार्केटिंग सोसायटियां तथा 2 इफको ई-बाजार है। कलेक्टर मनीष सिंह ने बताया है कि शासन के आदेश अनुसार प्रत्येक डबल लॉक केन्द्र पर दो पीओएस मशीन उपलब्ध करायी जा रही है। इससे प्रत्येक डबल लॉक केन्द्र को दो केन्द्रों में परिवर्तित किया जाकर नगद वितरण को और सुगम बनाया जा रहा है। इस प्रकार कुल मार्कफेड के डबल लॉक/विपणन समितियों/एमपी एग्रो/इफको ई बाजार के नगद वितरण केन्द्रों की संख्या 24 कर दी गई है तथा इन केन्द्रों पर 33 निजी विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय काउन्टर लगाये जा रहे है, जो शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों की निगरानी में कृषकों को उर्वरक का वितरण करेंगे।

मनीष सिंह

जल की धार- अब 54 लाख पार

भोपाल। जल जीवन मिशन में मध्यप्रदेश के 54 लाख 9 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों के घर पर नल कनेक्शन से जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा चुकी है। करीब 50 हजार करोड़ रूपये लागत की जल प्रदाय योजनाओं पर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के लिए मिशन में ग्रामीण आबादी को दिए जाने वाले नल कनेक्शन के सम्पूर्ण लक्ष्य में 45.06 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित की जा चुकी है। मिशन में मध्यप्रदेश के बुरहानपुर को देश का शत-प्रतिशत 'हर घर जल' सर्टिफाइड जिला होने का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। देश में 20 लाख से अधिक वार्षिक लक्ष्य वाले 12 बड़े राज्यों में प्रदेश ने अपना अच्छा स्थान लगातार बनाये रखा है। इसी तरह इन 12 राज्यों में सर्वाधिक ग्रामों के शत-प्रतिशत 'हर घर जल' उपलब्ध करवाने में प्रदेश दूसरे पायदान पर है।

13वाँ स्थापना वर्ष

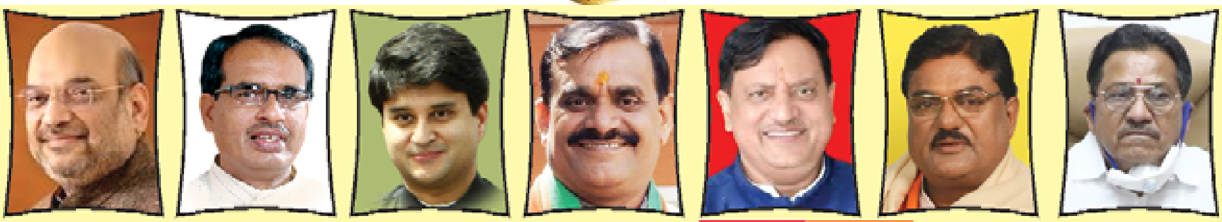

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री शिवराम यादव (शा.प्र. खामखेड़ा)
श्री तुलसीराम पाटीदार (पर्य. खामखेड़ा)
श्री झबरसिंह आड़तिया (शा.प्र. पीपलगोन)
श्री गुलाबचंद नीमा (पर्य. पीपलगोन)
श्री अफजल खान (शा.प्र. भगवानपुरा)
श्री कन्हैयालाल (पर्य. भगवानपुरा)
श्री सीताराम पीराग (शा.प्र. ऊन)
श्री गोपाल यादव (पर्य. ऊन)
श्री अशोक कुमार पण्ड्या (शा.प्र. सेगाँव)
श्री ओमप्रकाश राठौर (पर्य. सेगाँव)

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

हरियाली के रास्ते 12वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री जगदीश कन्नौज (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)
श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री राजेन्द्र आचार्य (प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खामखेड़ा, जि.खरगोन
श्री ओमप्रकाश बिरले (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मुलठान, जि.खरगोन
श्री दिनेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कमोदवाड़ा, जि.खरगोन
श्री तुलसीराम पाटीदार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खेड़ी बुजुर्ग, जि.खरगोन
श्री अम्बाराम मालाकार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पिपलगोन, जि.खरगोन
श्री गुलाबचंद मीणा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बाड़ी, जि.खरगोन
श्री सिवराम सेन (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अमलाथा, जि.खरगोन
श्री दीपेन्द्र मंडलोई (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भटयाण बु., जि.खरगोन
श्री राधेश्याम कानूनगो (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भगवानपुरा, जि.खरगोन
श्री कन्हैयालाल आरतिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भग्यापुर, जि.खरगोन
श्री कन्हैयालाल आरतिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. धूलकोट, जि.खरगोन
श्री जीवन रतोरिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पीपलझोपा, जि.खरगोन
श्री रमेशचंद्र सोंगर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. ऊन, जि.खरगोन
श्री दामोदर कानूनगो (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. रायबिड़पुरा, जि.खरगोन
श्री गोपाल यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नंदगाँव रोड, जि.खरगोन
श्री प्रमोद सोहनी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सेगाँव, जि.खरगोन
श्री ओमप्रकाश राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गोलवाड़ी, जि.खरगोन
श्री मनीष यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. केली , जि.खरगोन
श्री आनंद राम पाटीदार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भड़वाली, जि.खरगोन
श्री चेतराम चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. तलकपुरा, जि.खरगोन
श्री वल्लभ पाटीदार (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

भारतीय प्रशासनिक सेवा में नए तबादला आदेश जारी

इलैया राजा टी इंदौर के नए कलेक्टर, प्रवीण सिंह सीहोर एवं ऋषव गुप्ता देवास कलेक्टर, जी.व्ही. रश्मि एमडी मंडी बोर्ड

प्रवीण सिंह अढायच

ऋषव गुप्ता

नीरज मंडलोई

श्रीमन शुक्ला

जी.व्ही. रश्मि

इलैया राजा टी ने इंदौर कलेक्टर का पदभार ग्रहण कर किया

भोपाल। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 14 जिलों के कलेक्टरों समेत अपर मुख्य सचिव एवं मुख्य सचिवों के तबादला आदेश जारी किये हैं। इंदौर कलेक्टर मनीष सिंह का तबादला मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी के साथ म.प्र. औद्योगिक विकास निगम के एमडी पद पर किया गया। उनके स्थान पर जबलपुर कलेक्टर इलैया राजा टी को इंदौर को नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। इंदौर स्मार्ट सिटी के सीईओ ऋषव गुप्ता को देवास कलेक्टर बनाया गया है और नगर निगम की अपर आयुक्त भव्या मित्तल को बुरहानपुर कलेक्टर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार कलेक्टर प्रवीण कुमार अढायच बुरहानपुर से सीहोर और अंकित अस्थाना को मुरैना कलेक्टर बनाया गया है। अब तक प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे श्री नीरज मंडलोई को नगरीय विकास एवं आवास विभाग का प्रमुख सचिव पदस्थ किया गया है। मालसिंह भयड़िया कमिश्नर नर्मदापुरम संभाग को भोपाल संभाग का कमिश्नर बनाकर बड़ी जिम्मेदारी दी गई। श्रीमन शुक्ला को आयुक्त नर्मदापुरम संभाग का पदभार सौंपा गया। श्री अशोक वर्णवाल को अपर मुख्य सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के पद पर पदोन्नत किया गया है। जी.व्ही. रश्मि को एमडी मंडी बोर्ड भोपाल नियुक्त किया गया है। विस्तृत सूची इस प्रकार है :-

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
इलैया राजा टी.	जबलपुर कलेक्टर	इंदौर कलेक्टर
मनीष सिंह	इंदौर कलेक्टर	एमडी एकेवीएन और मेट्रो
सौरभ कुमार सुमन	छिंदवाड़ा कलेक्टर	जबलपुर कलेक्टर
संजीव श्रीवास्तव	उमरिया कलेक्टर	सीईओ कौशल विकास रोजगार
चंद्रमौली शुक्ला	देवास कलेक्टर	आयुक्त हाउसिंग बोर्ड
मुजीबुर्रहमान खान	सीधी कलेक्टर	ओएसडी प्रशासन अकादमी
पंकज जैन	कलेक्टर धार कलेक्टर	एमडी पब्लिक हेल्थ सर्विस कार्पो
चंद्रमोहन ठाकुर	सीहोर कलेक्टर	एमडी मप्र भवन विकास निगम
रोहित सिंह	नरसिंहपुर कलेक्टर	एमडी एलयूएन संचालक एमएसएमई
प्रवीण सिंह अढायच	बुरहानपुर कलेक्टर	सीहोर कलेक्टर
राजीव रंजन मीना	सिंगरौली कलेक्टर	एमडी मप्र खनिज निगम
बक्की कार्तिकेयन	मुरैना कलेक्टर	उपसचिव वित्त विभाग
अवधेश शर्मा	आगर मालवा कलेक्टर	अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन
प्रियंक मिश्रा	कटनी कलेक्टर	धार कलेक्टर
कृष्णदेव त्रिपाठी	सं.मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी	उमरिया कलेक्टर
अरुण कुमार परमार	उपसचिव राज्य निर्वाचन आयोग	सिंगरौली कलेक्टर
कैलाश वानखेड़े	उपसचिव वाणिज्यिक कर	आगर मालवा कलेक्टर
अवि प्रसाद	अपर कलेक्टर उज्जनै	कटनी कलेक्टर
शीतला पटले	अपर आयुक्त सागर	छिंदवाड़ा कलेक्टर
साकेत मालवीय	सीईओ जिपं सिंगरौली	सीधी कलेक्टर
ऋषव गुप्ता	सीईओ स्मार्ट सिटी इंदौर	देवास कलेक्टर
अंकित अस्थाना	सीईओ स्मार्ट सिटी भोपाल	मुरैना कलेक्टर
ऋजु बाफना	अपर आयुक्त ननि भोपाल	नरसिंहपुर कलेक्टर
भव्या मित्तल	अपर आयुक्त ननि इंदौर	बुरहानपुर कलेक्टर
गौरव बैनल	अपर आयुक्त नगरीय प्र शासन	सीईओ स्मार्ट सिटी भोपाल
सोनाली वायंगणकर	संचालक प्रशासन अकादमी	आयुक्त चिकित्सा पद्धति
षणमुख प्रिया मिश्रा	सीईओ कौशल विकास निगम	संचालक कर्मचारी चयन मंडल
सरोधन सिंह	अपर कलेक टर अनूपपुर	सीईओ जिपं सिंगरौली
मिशा सिंह	अपर कल्ेटर शाजापुर	अपर कलेक्टर उमरिया
बसंत कुर्रे	उपसचिव स्वास्थ्य	संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदा.
दिव्यांक सिंह	अपर आयुक्त वाणिज्य कर इंदौर	सीईओ स्मार्ट सिटी इंदौर

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
नीरज मंडलोई	पीएस लोनिवि	पीएस नगरीय विकास
श्रीमन शुक्ला	ईडी ऐप्को	आयुक्त नर्मदापुरम संभाग
अजीत केसरी	एसीएस कृषि	एसीएस वित्त विभाग
मालसिंह भयड़िया	आयुक्त नर्मदापुरम संभाग	आयुक्त भोपाल संभाग
मलय श्रीवास्तव	एसीएस पीएचई विभाग	एसीएस पंचायत ग्रामीण विकास
अनिरुद्ध मुकर्जी	पीएस लोक परिसंपत्ति	पीएस लोक परिसंपत्ति प्रबंधन
संजय कुमा र शुक ला	पीएस औद्योगिक नीति निवेश	पीएस पीएचई विभाग
फैज अहमद किदवई	पीएस खाद्य नागरिक आपूर्ति	पीएस परिवहन विभाग
उमाकांत उमराव	पीएस पंचायत ग्रामीण विकास	पीएस खाद्य नागरिक आपूर्ति
मनीष सिंह	पीएस नगरीय विकास	पीएस औद्योगिक नीति निवेश
सुखबीर सिंह	पीएस खनिज साधन	पीएस लोनिवि
गुलशन बामरा	आयुक्त भोपाल संभाग	पीएस पर्यावरण विभाग
संजय गोयल	प्रमुख राजस्व आयुक्त	प्रमुख राजस्व आयुक्त
जॉन किंग्सली एआर	एमडी एमडीएसआईडीसी	आयुक्त चिकित्सा शिक्षा
श्रीमती जी.व्ही. रश्मि	सीईओ सुशासन नीति संस्थान	एमडी मंडी बोर्ड भोपाल
श्रीमती अजीजा सरशार	उपसचिव राज्य निर्वाचन आयोग	अपर संचालक स्वास्थ्य सेवाएँ
प्रवीण फुलपगारे	अपर कलेक्टर भिंड	अपर कलेक्टर हरदा
जयप्रकाश सैयाम	अपर कलेक्टर हरदा	अपर कलेक्टर भिंड
अंजलि द्विवेदी	संयुक्त कलेक्टर दमोह	संयुक्त कलेक्टर अनूपपुर
राजेन्द्र कुमार सिंह	संयुक्त कलेक्टर नीमच	संयुक्त कलेक्टर इंदौर
सुश्री स्वाति जैन	उपायुक्त कार्यालय नई दिल्ली	अवर सचिव निर्वाचन आयोग
मणिन्द्र कुमार सिंह	डिप्टी कलेक्टर जबलपुर	डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर
दयाकिशन शर्मा	विशेष सहायक मंत्री कृषि विभाग	संयुक्त कलेक्टर मुरैना
राजेश शाह	संयुक्त कलेक्टर नरसिंहपुर	संयुक्त कलेक्टर मंदसौर
बृजेन्द्र कुमार रावत	डिप्टी कलेक्टर विदिशा	डिप्टी कलेक्टर बालाघाट
शिवलाल शाक य	डिप्टी कलेक्टर मुरैना	डिप्टी कलेक्टर मंदसौर
विनीत तिवारी	क्षेत्रीय प्रबंधक नाआनि	अपर आयुक्त नपानि भोपाल
सुरेश कुमार बरहादिया	संयुक्त कलेक्टर मुरैना	संयुक्त कलेक्टर निवाड़ी
सुश्री मेधा शर्मा	अवर सचिव निर्वाचन आयोग	संयुक्त कलेक्टर सिवनी
सुश्री अंशु जावला	संयुक्त कलेक्टर बड़वानी	संयुक्त कलेक्टर खंडवा
सुश्री प्रीति संघवी	संयुक्त कलेक्टर झाबुआ	संयुक्त कलेक्टर नीमच

वट वृक्ष के समान हो सहकारिता का विस्तार : मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सहकारिता के विस्तार के प्रतीक स्वरूप सहकारिता मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया के साथ स्मार्ट सिटी उद्यान में बरगद का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि सहकारिता से रोजगार सृजन के लिए प्रदेश में जारी गतिविधियों को और विस्तार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खिरनी और शहतूत के पौधे भी लगाए। पौध-रोपण में निर्भया फाउंडेशन, भोपाल के सदस्य शामिल हुए। राजगढ़ जिले की सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री पूजा सोंधिया ने अपने जन्म-दिवस पर पौध-रोपण किया। निर्भया फाउंडेशन के श्री शेर अफजल खाँ, डॉ. प्रतिभा राजगोपाल, श्रीमती समर खान, श्रीमती उषा श्रीवास्तव, श्रीमती मूब्सिरा मसूद, श्रीमती पूजा शर्मा, श्रीमती शीलू मालवीय और श्रीमती भारतीय नरवारे पौध-रोपण में शामिल हुई। फाउंडेशन भोपाल में गत 13 वर्ष से निर्भया महिला आश्रय गृह संचालित कर रहा है, जिसमें विभिन्न प्रकार से पीड़ित महिलाओं को आश्रय, संरक्षण, भोजन, वस्त्र आदि उपलब्ध कराए जाते हैं। फाउंडेशन इन महिलाओं को आत्म-निर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित करता है। फाउंडेशन द्वारा बैतूल, सीहोर और सागर में वन स्टाप सेंटर सखी भी संचालित किया जा रहा है।

डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला विजयाराजे सिंधिया कृषि विवि के कुलपति नियुक्त

डॉ. अरविंद शुक्ला

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का कुलपति नियुक्त किया है। वर्तमान में डॉ. शुक्ला परियोजना समन्वयक, ए.आई.सी.आर.पी.- माइक्रोन्यूट्रिएन्ट्स, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल के पद पर कार्यरत हैं। कुलपति के रूप में उनका कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष की अवधि के लिए होगा।

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव

छत्तीसगढ़ में हो रहा आदिवासी, दलित और पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने का काम

रायपुर। झारखण्ड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री बघेल राज्य में ऐसे वर्ग को आगे बढ़ा रहे हैं जिनका सदियों से शोषण हुआ है। उनकी सरकार आदिवासी, दलित और पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने के साथ ही सबके विकास के लिए कार्य कर रही है। मुझे इस मंच में आकर गौरव महसूस हो रहा है। श्री हेमंत सोरेन राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव के समापन समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आदिम संस्कृति सभी को जोड़ने का कार्य करती है। इसे सहेज कर और इसकी खूबसूरती को बड़े फलक पर दिखाने के उद्देश्य से हमने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि हमने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस आयोजन के लिए आमंत्रित किया। साथ ही 22 देश के आदिवासी कलाकार इस आयोजन में शिरकत करने के इच्छुक थे लेकिन समयसीमा को देखते हुए हमने केवल 10 देशों को स्वीकृति दी। इस आयोजन के माध्यम से लोगों ने जाना कि हमारी आदिवासी संस्कृति कितनी समृद्ध है। इनके नृत्यों के माध्यम से प्रकृति और लोकजीवन को सहेजने के सुंदर मूल्य जो सीखने को मिलते हैं वो सीख हमारे लिए अमूल्य है।

इस मौके पर गृह एवं पर्यटन मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के माध्यम से हमारी आदिवासी संस्कृति को सहेजने का बड़ा काम राज्य शासन द्वारा हुआ है। संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत ने इस मौके पर कहा कि लोगों ने महोत्सव का भरपूर आनंद लिया और इससे हमारी समृद्ध आदिवासी संस्कृति की झलक एक बड़े मंच में दिख रही है। इस मौके पर झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के साथ विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, श्री अशोक जुनेजा, पीसीसीएफ श्री संजय शुक्ला, पर्यटन विभाग के सचिव श्री अन्बलगन पी. मौजूद थे।

13वाँ स्थापना वर्ष

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 13वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री दिनेश यादव (शा.प्र. तराना)
श्री ललित कुमार त्रिवेदी (शा.प्र. महिदपुर)
श्री किशोर पाटीदार (पर्य. तराना)
श्री ईश्वरसिंह सोलंकी (पर्य. महिदपुर)

श्री आशीष सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव (वरि. महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छड़ावदा, जि.उज्जैन
श्री किशोर पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बैजनाथ, जि.उज्जैन
श्री ईश्वरसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घघेरा, जि.उज्जैन
श्री जितेन्द्र रावल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भीमाखेड़ा, जि.उज्जैन
श्री प्रकाश जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कचनारिया, जि.उज्जैन
श्री मदनसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चितावदा, जि.उज्जैन
श्री भेरूलाल गेहलोत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सालाखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री मनोज कुमार उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आक्याधागा, जि.उज्जैन
श्री कैलाश जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डाबडा राजपूत, जि.उज्जैन
श्री भारतसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमलिया, जि.उज्जैन
श्री माणकलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भड़सीमा, जि.उज्जैन
श्री शेख इरफान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धाराखेड़ा, जि.उज्जैन
श्री किशोर मेहर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करंज, जि.उज्जैन
श्री कैलाशचंद्र जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कासोन, जि.उज्जैन
श्री ईश्वरसिंह परिहार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा बुजुर्ग, जि.उज्जैन
श्री टीकमसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेड़ामदा, जि.उज्जैन
श्री रूपसिंह परिहार (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

आशीष वचनम्

ध्यान स्वयं की श्रेष्ठताओं से हमारा परिचय कराती है

योग एवं ध्यान एक ऐसी विधा है जो हमें भीड़ से हटाकर स्वयं की श्रेष्ठताओं से हमारा परिचय कराती है। हममें स्वयं पुरुषार्थ करने का जज्बा जगाती है। स्वयं की कमियों से रू-ब-रू होने को प्रेरित करती है। स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार कराती है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी समस्याओं के समाधान के लिये औरों पर आश्रित न बनें। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान हमारे भीतर से न मिले। भगवान महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने - 'पुरुष ! तू स्वयं अपना भाग्य-विधाता है।' औरों के सहारे मंजिल तक पहुँच भी गए तो क्या? इस तरह की मंजिलें स्थायी नहीं होती और न इस तरह का समाधान स्थायी होता है। हम इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं कि हमारी आँखें क्या देखती हैं? हम जिम्मेदार इस बात के लिए हैं कि उसे कैसे अपनाते हैं।' हमारे भीतर ऐसी शक्तियाँ हैं, जो हमें बचा सकती हैं। योग, संकल्प एवं संयम की शक्ति बहुत बड़ी शक्ति है। अनावश्यक कल्पना मानसिक बल को नष्ट करती है। लोग अनावश्यक कल्पना बहुत करते हैं। इसलिए यदि उस कल्पना को 'योग' में बदल दिया जाए तो वह एक महान शक्ति बन सकती है ...।

समाचार-पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशकों की सुविधा के लिए पोर्टल शुरू

भोपाल। प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अंतर्गत प्रदेश से प्रकाशित नियतकालिक प्रकाशन की एक प्रति जिला जनसम्पर्क कार्यालय में निःशुल्क देना अनिवार्य है। प्रकाशकों की सुविधा की दृष्टि से प्रकाशन की प्रति जमा करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था के संबंध में जिला जनसम्पर्क कार्यालय को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये है। प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1867 के धारा-9 में प्रावधान है कि समाचार-पत्र और पत्रिकाओं के या अन्य नियतकालिक प्रकाशन के प्रकाशित होने के पश्चात उसकी प्रति यथाशीघ्र जिला जनसम्पर्क कार्यालय को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाय। इसके साथ ही एक प्रति आयुक्त जनसम्पर्क संचालनालय की पंजीयन शाखा में उपलब्ध कराई जाए। इस व्यवस्था से प्रकाशक समाचार-पत्र-पत्रिकाओं की एक प्रति एक नियततिथि तक ही जमा करा सकेंगे।

किसान भाइयों को सलाह

इंदौर। रबी फसल की बुआई का समय प्रारंभ होने वाला है। जिले में रबी फसलों की बोनी अक्टूबर माह से दिसम्बर तक की जाती है। इस समय किसान को दो मुख्य बातों पर ध्यान देना चाहिए, पहला बीज तथा दूसरा उर्वरक। अगर बीज गुणवत्ता पूर्ण है और उर्वरक का प्रयोग समुचित नहीं है तो फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए कृषक बन्धुओं को ध्यान रखना चाहिए कि कौन सी खाद, कब, किस विधि से एवं कितनी मात्रा में देना चाहिए। कृषि विभाग द्वारा किसानों को दी गई सामयिक सलाह के तहत गेहूँ सिंचित हेतु अनुशंसित नत्रजन फास्फोरस पोटाश तत्व 120:60:40 सिंचित पछेती बोनी 80:40:30 असिंचित गेहूँ 60:30:30 एवं चना हेतु एन.पी.के. 20:60:20 एवं गंधक 20 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर उपयोग में लाना चाहिए। प्रायः कृषक बंधु डी.ए.पी. एवं यूरिया का बहुतायत से प्रयोग करते है। डी.ए.पी. की बढ़ती मांग, उंचे रेट एवं मौके पर स्थानीय अनुपलब्धता से कृषकों को कई बार समस्या का सामना करना पड़ता है। परंतु यदि किसान डी.ए.पी. के स्थान पर अन्य उर्वरक जैसे सिंगल सुपर फास्फेट, एन.पी.के.(12:32:16), एन.पी.के.(16:26:26) एन.पी.के. (14:35:14) एवं अमोनियम फास्फेट सल्फेट का प्रयोग स्वास्थ मृदा कार्ड की अनुशंसा के आधार पर करें तो वे इस समस्या से निजात पा सकते है।

प्रायः कृषक नत्रजन फास्फोरस तो डी.ए.पी. एवं यूरिया के रूप में फसलों को प्रदाय करते है परंतु पोटाश उर्वरक का उपयोग खेतों में नही करते जिससे कृषक की उपज के दानों में चमक व वजन कम होता है, और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से किसानों को हानि होती है। इसलिये किसान बन्धुओं को आवश्यक है कि वे डी.ए.पी. के अन्य विकल्पों क्षेत्र विशेष की आवश्यकता के अनुरूप प्रयोग करें। जहां डी.ए.पी. उर्वरक का प्रभाव भारी भूमि में अधिक प्रभावशाली होता है वहीं एन.पी.के. उर्वरकों का प्रभाव हल्की भूमि में ज्यादा कारगर होता है। एस.एस.पी. के प्रयोग से भूमि की संरचना का सुधार होता है क्योकि इसमें कॉपर 19 प्रतिशत एवं सल्फर 11 प्रतिशत पाया जाता है। एस.एस.पी. पाउडर एवं दानेदार दोनों प्रकार का होता है। एस.एस.पी. पाउडर को खेत की तैयारी के समय प्रयोग किया जाता है। वहीं एस.एस.पी, दानेदार को बीज बोआई के समय बीज के नीचे दिया जा सकता है।

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ लंबी दूरी की यात्रा हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। प्रतिस्पर्धा में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा।

वृषभ

विपरीत समय में परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। मेहनत व परिश्रम की अधिकता रहेगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। किसी अप्रिय घटना की आशंका है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। यात्रा का जोखिम न लें।

मिथुन

सामाजिक मान सम्मान बढ़ेगा। आवक बढ़ेगी। तय किए गए लक्ष्य प्राप्त होंगे। सरकारी कर्मचारी लाभ प्राप्त करेंगे। कामकाज के नए अवसर मिलेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

कर्क

आलस्य का अनुभव करेंगे। नकारात्मकता को हावी न होने दें। कार्यों में अवरोध पैदा होंगे। पिता के स्वास्थ्य से परेशानी हो सकती है। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। पत्नी का सहयोग मिलेगा।

सिंह

कार्यस्थल पर स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। सामाजिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का कार्य में सहयोग मिलेगा। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। शुभ प्रवास होगा।

कन्या

दैनिक कार्य आसानी से हो जाएंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात मन को प्रसन्नता देगी। वाहन सुख प्राप्त होगा। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रतिस्पर्धी निराश होंगे। वित्तीय पक्ष उत्तम।

तुला

बनते काम रुक सकते हैं। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शत्रु हावी हो सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय उपयुक्त है। सरकारी कामकाज बनेंगे। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रवास शुभ।

वृश्चिक

विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम है। प्रतिभा के बल पर सफलता के नित नए आयाम को स्पर्श करेंगे। धन की आवक खुलेगी। वाणी माधुर्य का लाभ मिलेगा। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। खानपान में रुचि बढ़ेगी।

धनु

राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य संबंध मधुर बनेंगे। मित्रों के सहयोग से योजना सफल होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अध्ययन में विशेष ध्यान देना होगा। दुर्घटना का भय है।

मकर

यह माह अत्यधिक खर्च और व्यर्थ की भागदौड़ के साबित होगा। आपकी परिवार के लोगों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती है। कार्यक्षेत्र में उन्नति और धनलाभ के योग बनेंगे। अधिकारियों से संभल कर व्यवहार करें।

कुम्भ

घर परिवार में सुख शांति रहेगी। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद बना रहेगा। साझेदारी में लाभ मिल सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नवीन वस्त्र क्रय करने का मन बनेगा। सेहत से समझौता न करें।

मीन

नौकरी के कार्य से यात्रा हो सकती है। आध्यात्मिकता की ओर रुझान बढ़ेगा। युवा वर्ग समय का सदुपयोग करेंगे। पुराने मित्र से मिलने पर मन प्रसन्न होगा। ईश्वर में आस्था बढ़ेगी। वाहन चलाने में सावधानी रखें।

शादी करने जा रही है
हंसिका मोटवानी

पिछले दिनों बॉलीवुड और साउथ एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी को लेकर इस बात की खूब चर्चा रही कि वह दिसंबर में शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। हंसिका मोटवानी का दूल्हा कौन है? एक्ट्रेस से जुड़े एक करीबी ने बताया कि हंसिका की शादी 4 दिसंबर को है लेकिन शादी के फंक्शन 2 दिसंबर से शुरू हो जाएंगे। ये एक डेस्टिनेशन वेडिंग होगी। जयपुर में होने जा रहे इस शादी समारोह में उनके परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। जानकारी में सामने आया है कि 4 दिसंबर की शाम को फेरे लिए जाएंगे और 4 की सुबह ही हल्दी सेरेमनी होगी।

पहले इस बात की खूब चर्चा रही कि हंसिका अरेंज मैरिज करने जा रही हैं। लेकिन हंसिका के म्यूच्यूअल फ्रेंड ने बताया कि वह अरेंज नहीं बल्कि लव मैरिज करने जा रही हैं। उन्होंने बताया कि हंसिका अपने बॉयफ्रेंड के साथ ही शादी के बंधन में बंधेंगी। कई सालों से डेट कर रही जोड़ी ने अब शादी के बंधन में बंधने का फैसला लिया है। जानकारी में ये भी बात पता चली है कि आखिर कौन है हंसिका मिस्ट्री ग्रूम? बताया गया है हंसिका बॉयफ्रेंड सोहेल कथुरिया, जो कि मुंबई बेस्ड बिजनेसमैन हैं। दोनों एक दूसरे को लंबे समय से डेट कर रहे हैं और एक कंपनी में दोनों पार्टनर भी हैं। हंसिका ने अपनी शादी को लेकर फिलहाल मीडिया से कोई जानकारी शेयर नहीं की है। हंसिका राजस्थान में स्थित 450 साल पुराने मशहूर फोर्ट एंड पैलेस में शादी रचाएंगी। शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, शादी के लिए इस फोर्ट को बुक कर लिया गया है।

एक्शन करते हुए टूटा
टाइगर का पैर

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ अपनी एक्शन और स्टंट मूवीज के कारण इंडस्ट्री में खूब पॉपुलैरिटी पा रहे हैं। टाइगर अपने फैंस के लिए जमकर एक्शन करते हैं। इस बार ऐसे ही एक्शन सीन शूट करने के दौरान टाइगर श्रॉफ के साथ हादसा हो गया है। टाइगर ने अपने एक्सीडेंट की जानकारी सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके दी है। टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, एक कंक्रीट के वॉश बेसिन को तोड़ते हुए मेरा पैर टूट गया। मुझे लगा मैं कर लूंगा और अपने आपको ज्यादा मजबूत समझ रहा था, लेकिन मेरे बचाव में बेसिन भी टूट गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि टाइगर एक शख्स के साथ जबरदस्त एक्शन मोड में हैं। वह हवा में टांग उछालते हुए पॉवर के साथ सीन शूट कर रहे हैं। बचाव में वह शख्स वॉश बेसिन उठा लेता है, जिसे हटाने के लिए टाइगर उस पर अपना पैर मारते हैं। वॉश बेसिन तो टूट जाता है लेकिन उनके पैर पर भी चोट आती है।

पं. प्रदीप मिश्राजी को विद्वत एवं ज्योतिष परिषद द्वारा सारस्वत सम्मान

भगवान के नाम स्मरण से होते हैं कष्ट दूर

▸पं. मिश्रा

इंदौर। अक्सर लोग शिकायत करते हुए मिलते हैं कि कोई तंत्र-मंत्र कर रहा है। कोई कहता है कि मेरे यहाँ कोई नींबू फेंक जाता है। हकीकत में देखो तो ऐसा कुछ नहीं होता है। कोई तंत्र-मंत्र से किसी का कुछ बिगाड़ नहीं सकता। यदि कोई बिगाड़ने की ताकत रखने वाला होता तो वह देश के धन्ना सेठ और ताकत के प्रतीक लगों पर अपना जादू-टोना करके दिखाता। हकीकत यह है कि हम जिसे तंत्र-मंत्र के प्रयोग का परिणाम मान रहे हैं वह हमारे कर्मों का फल है।

यह बात कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले ने दलाल बाग किला मैदान रोड पर कही। वे सात दिनी शिव महापुराण कथा में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जो हमें भोगना है उसे तो भोगना ही पड़ेगा। कलयुग में केवल भगवान के नाम का स्मरण ही हमारे कष्टों को काट सकता है।

स्टेट प्रेस क्लब द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में पं. मिश्रा ने सफाई में अनवरत प्रथम आने पर इंदौर वासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अपनी सुरक्षा के लिए यातायात नियमों के प्रति और जागरूक रहने की जरूरत है। अमूल्य मानव जीवन की रक्षा के लिए यातायात के नियमों का पालन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि पूर्व काल में नष्ट कर दिये गये मंदिर और देवालयों का सरकार जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण का काम कर रही है जिससे आकर्षित होकर बड़ी संख्या में नई पीढ़ी धर्म की राह पर लौट रही है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि शिव मंदिरों में भक्तों की बढ़ती संख्या के चलते बिल्व पत्रों की माँग बढ़ रही है लेकिन पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। हर भक्त अपने जीवन काल में कम से कम एक बिल्व पत्र का पौधा अवश्य लगाए। वृक्ष हमारे जीवनकाल के बाद भी भक्तों को बिल्व पत्र उपलब्ध कराएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 111-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17